जबलपुर

मंगलवार, 14 जनवरी 2025

- माघ मास शुक्ल पक्ष : 1
- वर्ष : 19, अंक : 250
- पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम

अधि. 25

न्यून. 06

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल न. 1155 | airtel चैनल न. 366

मध्यप्रदेश के 17 धार्मिक शहरों में शराबबंदी की तैयारी, मुख्यमंत्री बोले

साधु-संतों की मांग पर आबकारी नीति में होगा संशोधन, शराबबंदी पर विचार कर रही सरकार

हमारा प्रयास है कि इन नगरों की पवित्रता अक्षुण्ण रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार आबकारी नीति में सुधार कर, धार्मिक नगरों से शराबबंदी लागू करने पर विचार कर रही है। इस संबंध में साधु-संतों की ओर से दिए गए सुझावों पर राज्य सरकार गंभीर है। उन्होंने कहा कि धार्मिक नगरों का वातावरण प्रभावित होने संबंधी शिकायतें प्राप्त होती रहती हैं। हमारा प्रयास है कि इन नगरों की पवित्रता अक्षुण्ण रहे।

सीएम ने केंद्रीय मंत्री पाटिल की मौजूदगी में सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना का भूमिपूजन किया

इन शहरों में लागू हो सकती है शराब बंदी

अभी मप्र के 17 धार्मिक शहरों में शराब बंदी की जा सकती है। इसमें 12 ज्योतिर्लिंगों में से दो ज्योतिर्लिंग मप्र के उज्जैन महाकाल ज्योतिर्लिंग और खंडवा में ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग स्थित है। इसके अलावा मैहर जिले में शारदा देवी का प्रसिद्ध मंदिर मौजूद है। इसीतरह उप्र व मप्र के बॉर्डर पर स्थित चित्रकूट सतना जिले में आता है। यहां भगवान राम से जुड़े कई मंदिर मौजूद हैं। दतिया पीतांबरा पीठ, निवाड़ी जिले में स्थित रामराजा दरबार ओरछा, खजुराहो में कंदरिया महादेव मंदिर व अन्य मंदिर के साथ चित्रगुप्त मंदिर स्थित है। बैतूल जिले के मुलताई का ताप्ती उद्धव स्थल, मंडला जिले का नर्मदा घाट, सीहोर जिले का सलकनपुर मंदिर, आगर मालवा जिले में स्थित नलखेड़ा, खरगोन जिले में स्थित महेश्वर, नर्मदा का उद्गम स्थल अमरकंटक, छिंदवाड़ा जिले का जामसावंली धार्मिक स्थल स्थित है।

अगले सिंहस्थ कुंभ के लिए सीएम का बड़ा ऐलान

परियोजना से साल भर प्रवाहित होगी शिप्रा नदी

भोपाल। सीएम डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में सोमवार को एक बड़ी परियोजना का शुभारंभ किया। सीएम डॉ. यादव ने सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना का भूमि पूजन किया। साथ ही इस मौके पर सीएम ने मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं और कहा कि 2028 के कुंभ मेले तक शिप्रा नदी में पानी की कोई कमी नहीं होगी।

राजस्व मंत्री के बयान का तीखा विरोध

तहसीलदार और नायब तहसीलदार तीन दिन की सामूहिक छुट्टी पर गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा के एक बयान के विरोध में प्रदेश के तहसीलदार और नायब तहसीलदार विरोध में उतर गए हैं। भोपाल के भी सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदार सोमवार से अगले 3 दिन के लिए अवकाश पर चले गए। उन्होंने कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को ज्ञापन भी सौंपा। इससे पहले वे टाइम लिमिट बैठक में शामिल नहीं हुए। हालांकि शाम को सीएम हेल्पलाइन की बैठक में तहसीलदार और नायब तहसीलदार शामिल हुए। दरअसल राजस्व प्रकरणों और मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान की समीक्षा के दौरान राजस्व मंत्री ने एक महिला तहसीलदार पर टिप्पणी कर दी थी। राजस्व मंत्री के टिप्पणी करने को लेकर सभी तहसीलदारों में आक्रोश है।

प्रशासनिक कामकाज पर पड़ेगा असर

- दफ्तर में नहीं बैठे, लेकिन टाइम लिमिट बैठक में शामिल हुए तहसीलदार
- कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

ये काम होंगे प्रभावित

तहसीलदारों के सामुहिक अवकाश पर होने के कारण राजस्व संबंधी कामकाज, भूमि विवाद सहित अन्य प्रशासनिक गतिविधियां प्रभावित होंगी। जिसमें नामांतरण, सीमांकन, बंटान, बंटवारा, ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र सहित अन्य काम प्रभावित होंगे।

खबर संक्षेप

मकर संक्रांति पर आज भोपाल में रहेगी छुट्टी

भोपाल। जिले में 14 जनवरी मकर संक्रांति पर लोकल हॉली-डे रहेगा। जिससे मंगलवार को सरकारी दफ्तर और स्कूल बंद रहेंगे। सोमवार को सरकार ने मकर संक्रांति समेत 4 स्थानीय अवकाश घोषित किए हैं। लोकल अवकाश होने से सरकारी दफ्तर बंद रहेंगे। भोपाल में वल्लभ भवन समेत सभी प्रादेशिक, संभाग और जिला स्तर के ऑफिस भी बंद रहेंगे।

सेंसेक्स लुढ़का, 13 लाख करोड़ का घाटा

नई दिल्ली। भारतीय शेयर मार्केट के लिए सोमवार का दिन बेहद खराब साबित हुआ। 86000 से 76000 पहुंचने वाले सेंसेक्स ने निवेशकों की लुटिया डुबो दी है। एक दिन में बड़ी गिरावट के चलते 13 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हो गया है। शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक बीएसई और एनएसई लाल रंग के निशान पर बंद हुए।

गुस्साए लोगों ने बोरिंग मशीन में लगाई आग

इंदौर। शहर में सोमवार सुबह हादसे में दो नाबालिगों सहित तीन लोगों की मौत हो गई। यह घटना सुबह 7 बजे खुड़ैल थाना क्षेत्र के ग्राम डबलचौकी के पास हुई। बाइक पर सवार तीनों लोग बोरिंग करने वाले वाहन से टकरा गए। हादसे के बाद ग्रामीणों ने बोरिंग मशीन में तोड़फोड़ कर उसे आग के हवाले कर दिया।

मध्य प्रदेश परशुराम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष पंडित विष्णु राजोरिया का बयान

ब्राह्मण कपल 4 बच्चे पैदा करें एक लाख रुपए का इनाम पाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

शहर में आयोजित सनाढ्य ब्राह्मण समाज के परिचय सम्मेलन में परशुराम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष विष्णु राजोरिया ने नए जोड़ों से चार बच्चे पैदा करने का आग्रह किया है।

इसके लिए बतौर प्रोत्साहन उन्हें 1 लाख रुपए इनाम देने की घोषणा भी की। राजोरिया ने मंच से कहा - देखिए हमारे देश में विधर्मी लोगों की आबादी बहुत तेजी से बढ़ रही है। वजह ये है कि हमने अपने परिवार पर ध्यान देना लगभग बंद कर दिया है। युवाओं से मेरी बड़ी उम्मीद है।

सनाढ्य ब्राह्मण समाज के परिचय सम्मेलन में किया आग्रह

बच्चे पैदा करने में पीछे नहीं रहना

परशुराम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष ने कहा कि मैं युवाओं से पूछता हूं तो वे ये कहते है कि पढ़ाई में ज्यादा खर्च होता है, अरे खर्चा कम होगा, ज्यादा होगा। थोड़ा कम में गुजारा कर लेंगे, लेकिन बच्चे पैदा करने में पीछे नहीं रहना है, नहीं तो विधर्मी लोग इस देश पर कब्जा कर लेंगे। ब्राह्मणों की संख्या तो कम होती जा रही है। इतना बड़ा इंदौर शहर है, अगर सभी ब्राह्मण आ जाते तो एक लाख हो जाते, लेकिन यहां पर इस छोटी सी जगह को भी आपने भर दिया। ये आपकी बड़ी कृपा है।

ब्राह्मणों से ही सनातन की रक्षा होगी

उन्होंने कहा कि सबसे पहले मेरा यही विचार था कि ब्राह्मणों की संख्या कम हो रही है। युवाओं से आग्रह है कि आप संख्या बढ़ाएं। आने वाली संतानें इस देश में अपना नाम, अपना समाज, अपना गोत्र, अपना सूत्र सभी की रक्षा कर सकें। सनातन की रक्षा तभी होगी जब ब्राह्मणों की संख्या पर्याप्त होगी।

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

सीएम उमर ने की पीएम मोदी की जमकर तारीफ दिल की दूरी और दिल्ली से दूरी को खत्म कर रहे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर को जेड मोड़ टनल की सौगात दे दी है। प्रदेश में नई सरकार के गठन के बाद प्रधानमंत्री का यह पहला दौरा है। पर्यटन और रणनीतिक तौर पर यह सुरंग अति महत्वपूर्ण है। श्रीनगर-कारगिल-लेह राजमार्ग पर जिला गांदरबल में समुद्रतल से 8,650 फीट की ऊंचाई पर 6.5 किलोमीटर लंबी सुरंग बनाई गई है। पीएम दौरे के मद्देनजर न सिर्फ श्रीनगर-कारगिल राष्ट्रीय राजमार्ग पर, बल्कि पूरी घाटी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी है। सुरंग के आसपास संवेदनशील इलाकों में सेना व अर्धसैनिकबलों ने गश्त बढ़ा दी है। एसपीजी ने समारोह स्थल को नियंत्रण में ले लिया है। इस मौके पर उन्होंने ना सिर्फ मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के साथ मंच साझा किया बल्कि उन्होंने अपने संबोधन में कई मौकों पर उनका जिक्र भी किया। सामने से उमर अब्दुल्ला ने भी पीएम मोदी की जमकर तारीफ की, उन्होंने जिक्र किया कि मोदी ने किस तरह से अपना वादा निभाया।

तिरुपति मंदिर के लड्डू काउंटर पर लगी आग

एजेंसी:तिरुपति। तिरुमला के भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हादसे रुकने का नाम नहीं ले रहे। पिछले कुछ दिनों से वहां कुछ ना कुछ अनहोनी हो जा रही है। चार-पांच दिन पहले ही तिरुपति मंदिर में भगदड़ मचने से 6 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी और अब वेंकटेश्वर मंदिर के लड्डू डिस्ट्रिब्यूशन काउंटर में आग लगने की खबर सामने आ रही है। तिरुमला लड्डू काउंटर पर आग लगते ही वहां मौजूद पवित्र प्रसाद लेने वाले भक्तों में दहशत फैल गई। यह घटना सोमवार को मंदिर के लड्डू काउंटर नंबर 47 पर हुई और कथित तौर पर कंप्यूटर सेटअप से जुड़े यूपीएस सिस्टम में शॉर्ट सर्किट के कारण हुई।

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

44 घाटों पर स्नान, हेलिकॉप्टर से फूल बरसाए, एनएसजी कमांडो रख रहे नजर

3700 लोग अपनों से बिछड़ गए लेकिन बेहतर व्यवस्था के चलते उन्हें उनके परिजनों से मिलवा दिया

पहले 'स्नान पर्व' पर करीब डेढ़ करोड़ श्रृद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

पीएम मोदी बोले- भारतीय मूल्यों को संजोने वालों के लिए बहुत खास दिन

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

आस्था, भक्ति और श्रृद्धा भाव से भरे हुए लाखों श्रृद्धालु प्रयागराज के महाकुंभ मेले में पहुंच रहे हैं। संगम में डुबकी लगा रहे हैं और धार्मिक अनुष्ठान कर रहे हैं। पौष पूर्णिमा पर सोमवार को यहां पहला स्नान हुआ जिसमें 44 घाटों पर करीब डेढ़ करोड़ श्रृद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। इस आस्था के पर्व पर भक्तों पर हेलिकॉटर से 20 क्विंटल फूलों की वर्षा की गई। महाकुंभ 144 साल में दुर्लभ खगोलीय संयोग में हो रहा है। यह वही संयोग है, जो समुद्र मंथन के दौरान बना था। देश के कोने-कोने से भक्त प्रयागराज आए हैं। भीड़ इतनी है कि 3700 लोग अपनों से बिछड़ गए। बाद में खोया-पाया केंद्र से अनाउंसमेंट कर ज्यादातर लोगों को उनके परिवार वालों से मिलवाया गया। हेलिकॉप्टर और एनएसजी कमांडो महाकुंभ में आए लोगों पर नजर रख रहे हैं। विदेशी श्रद्धालु भी बड़ी तादाद में कुंभ में स्नान करने पहुंचे। प्रशासन के मुताबिक, जर्मनी, ब्राजील, रूस समेत 20 देशों से भक्त पहुंचे हैं। सोमवार से ही इन श्रद्धालुओं ने 45 दिन का कल्पवास शुरू कर दिया है। एपल के को-फाउंडर स्टीव जॉब्स की पत्नी लॉरेन पॉवेल जॉब्स महाकुंभ पहुंचीं। उन्होंने निरंजनी अखाड़े में अनुष्ठान किया। कल्पवास भी करेंगी। महाकुंभ को लेकर गूगल ने भी खास फीचर शुरू किया। महाकुंभ टाइप करते ही पेज पर वर्चुअल फूलों की बारिश हो रही है।

आस्था के पर्व पर भक्तों पर हेलिकॉप्टर से 20 क्विंटल फूलों की वर्षा की गई

ब्रम्ह मुहूर्त में शुरु हुई डुबकी सीएम योगी ने दी बधाई

प्रयागराज के पावन संगम तट पर महाकुंभ 2025 का प्रथम स्नान पर्व पौष पूर्णिमा सोमवार सूर्य की किरणें फूटने से पहले ब्रम्ह मुहूर्त में शुरू हो गया। आधी रात से ही श्रद्धालु मेला क्षेत्र में विभिन्न रास्तों से प्रवेश करने लगे और संगम पर भीड़ बढ़ने लगी। हर-हर गंगे और जय गंगा मैया के घोष के बीच स्नान शुरू हुआ तो सुबह का उजाला होते होते संगम नोज स्नानार्थियों से पट गया। संगम क्षेत्र में सोमवार से ही माह भर का कल्पवास भी प्रारंभ हो गया। मुख्यमंत्री योगी आदत्यिनाथ ने एक्स पर पोस्ट कर पौष पूर्णिमा की बधाई दी।

स्पीकर से एनाउंस करके संभाल रहे हैं भीड़

संगम पर एंट्री के सभी रास्तों पर भक्तों की भीड़ है। वाहनों की एंट्री बंद है। श्रद्धालु बस और रेलवे स्टेशन से 10-12 किलोमीटर पैदल चलकर संगम पहुंच रहे हैं। 60 हजार जवान सुरक्षा और व्यवस्था संभालने में लगे हैं। पुलिस स्पीकर से लाखों की संख्या में आई भीड़ को मैनेज कर रहे हैं। जगह-जगह कमांडो और पैरामिलिट्री फोर्स के जवान भी तैनात हैं।

पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं, बताया खास दिन

महाकुंभ 2025 की शुरुआत के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे भारतीय मूल्यों और संस्कृति को संजोने वालों के लिए बहुत खास दिन बताया। उन्होंने कहा कि यह विशाल धार्मिक आयोजन भारत की शाश्वत आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। प्रयागराज में अनगिनत लोग आ रहे हैं पवित्र स्नान कर रहे हैं और आशीर्वाद ले रहे हैं।सोमवार को प्रयागराज के पवित्र शहर में महाकुंभ की शुरुआत के साथ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे भारतीय मूल्यों और संस्कृति को संजोने वालों के लिए बहुत खास दिन बताया और कहा कि यह विशाल धार्मिक आयोजन भारत की शाश्वत आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। उन्होंने एक्स पर कहा, कि भारतीय मूल्यों और संस्कृति को संजोने वाले करोड़ों लोगों के लिए यह बहुत खास दिन है। प्रयागराज में महाकुंभ 2025 की शुरुआत हो रही है, जो आस्था, भक्ति और संस्कृति के पवित्र संगम में अनगिनत लोगों को एक साथ लाएगा। महाकुंभ भारत की शाश्वत आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है और आस्था और सद्भाव का जश्न मनाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें प्रयागराज में चहल-पहल देखकर खुशी हो रही है, जहां अनगिनत लोग आ रहे हैं, पवित्र स्नान कर रहे हैं और आशीर्वाद ले रहे हैं। उन्होंने तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को शानदार प्रवास की शुभकामनाएं दीं।

आज करीब साढ़े नौ घंटे तक होगा अखाड़ों का अमृत स्नान

सबसे पहले महानिर्वाणी एवं अटल अखाड़े के संत स्नान करेंगे

प्रयागराज। मकर संक्रांति पर्व पर अखाड़ों का अमृत स्नान करीब साढ़े नौ घंटे तक चलेगा। हालांकि, शिविर से निकलने और वापस आने में 12 घंटे से भी अधिक समय लगेगा। प्रशासन की ओर से मान्यता एवं परंपरा के अनुसार पूरी तैयारी की गई है। अमृत स्नान के लिए अखाड़ों के संतों एवं नागाओं के स्नान का समय तय हो गया है। सबसे पहले महानिर्वाणी एवं अटल अखाड़े के संत स्नान करेंगे। शिविर से इनका प्रस्थान सुबह करीब सवा पांच बजे होगा और संगम पर सवा छह बजे पहुंचेंगे। करीब 40 मिनट तक अमृत स्नान होगा। इनके बाद निरंजनी एवं आनंद अखाड़ा के संत 7.05 बजे स्नान करेंगे। इसी क्रम में जूना, आवाहन एवं पंच अग्नि अखाड़ा के संत एक साथ सुबह आठ बजे स्नान करेंगे। इनके बाद निर्वाणी, दिगंबर, निर्मोही अखाड़ा के संत क्रमशः 10.40, 11.20 एवं 12.20 बजे स्नान करेंगे। इनके बाद नया पंचायती अखाड़ा के संत दिन में 1.15 तथा बडा पंचायती के 2.20 बजे स्नान करेंगे। निर्मला पंचायती अखाड़ा के संत आखिर में 3.40 से 4.20 बजे तक स्नान करेंगे। इसके बाद करीब 5.20 बजे वह अपने शिविरों में पहुंचेंगे। अमृत स्नान के लिए मेला प्रशासन की ओर से पूरी तैयारी की बात कही जा रही है। अखाड़ों के स्नान के संगम पर घाट सुरक्षित रहेगा। उस दौरान अन्य कोई स्नान नहीं करेगा। अखाड़ों के आवागमन के लिए दो मार्ग बनाए गए हैं। दोनों मार्ग बैरिकेड कर दिए गए हैं। बैरिकेडिंग दो स्तर पर की गई है। ताकि, संतों तक कोई पहुंच न सके।

आज अखाड़ों के अमृत स्नान का समय

सन्यासी

- ▶▶ श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी एवं श्री शंभू पंचायती अटल अखाडा – 06:15 बजे
- ▶▶ श्री तपोनिधि पंचायती श्री निरंजनी अखाडा, एवं श्री पंचायती अखाडा आनन्द – 07:05 बजे
- ▶▶ श्री पंचदशनाम जूना अखाडा एवं श्रीपंचदशनाम आवाहन अखाडा तथा श्री पंचाग्नि अखाडा – 08:00 बजे

बैरागी

- ▶▶ अखिल भारतीय श्री पंच निर्मोही अनी अखाडा – 10:40 बजे
- ▶▶ अखिल भारतीय श्री पंच दिगम्बर अनी अखाडा – 11:20 बजे
- ▶▶ अखिल भारतीय श्री पंच निर्वाणी अनी अखाडा – 12:20 बजे

उदासीन

- ▶▶ श्री पंचायती नया उदासीन अखाडा – 13:15 बजे
- ▶▶ श्री पंचायती अखाडा, बडा उदासीन, निर्वाण – 14:20 बजे
- ▶▶ श्रीपंचायती निर्मल अखाडा–15:40 बजे

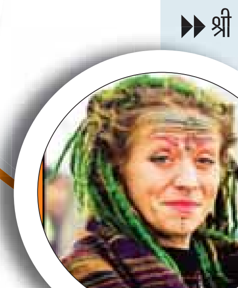

मोक्ष का मार्ग खोलता है कल्पवास

कुंभ मेले में कल्पवास का बड़ा महत्व है। मान्यता है कि यहां किया गया तप हर पाप को नष्ट कर देता है और मोक्ष का मार्ग खोलता है। कल्पवास के दौरान श्रद्धालु पवित्र नदियों के संगम पर ध्यान, भजन और वेद पढ़कर समय बिताते हैं। सांसारिक मोह-माया से दूर, यहां भौतिक सुखों का त्याग कर दिव्य ऊर्जा से जुड़ने का प्रयास किया जाता है। कल्पवास करना उन लोगों के लिए बेहतर माना जाता है, जिन्होंने जीवन की जिम्मेदारियों से मुक्ति पा ली हो। युवा भी इसमें भाग ले सकते हैं। लेकिन, उन्हें तपस्या और संयम के लिए पूरी तरह समर्पित होना होगा। महाभारत और मत्स्यपुराण में कहा गया है कि जो लोग तप और भक्ति के साथ कल्पवास करते हैं, वे न केवल पाप से मुक्त होते हैं, स्वर्ग में भी स्थान पाते हैं।

मस्जिदों में तब्दील मंदिरों को वापस दें मुस्लिम

देश में 80 प्रतिशत मस्जिदों के गुंबद मंदिर के समान

अखाड़ा परिषद अध्यक्ष बोले- कुंभ में मुसलमान बैन नहीं, आकर सनातन को देखें

महाकुंभ मेले में पूर्व सीएम मुलायम सिंह यादव की मूर्ति देखकर नाराज हुए संत

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

ज्ञानवापी से लेकर संभल और मथुरा की शाही मस्जिद तक, मंदिर-मस्जिद को लेकर देश में कई विवाद जारी हैं। इस बीच महाकुंभ 2025 के दौरान अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने बड़ी मांग की और कहा कि देशभर में मस्जिदों में तब्दील किए गए प्राचीन मंदिरों को खाली कराया जाना चाहिए। अखाड़ा 13 मठवासी हिंदू संप्रदायों का निकाय है। उसके अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी के बयान ने मंदिर मस्जिद विवाद को नई हवा दे दी है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि महाकुंभ में मुसलमानों के आने पर कोई रोक नहीं है। एक समाचार एजेंसी से बातचीत में महंत रवींद्र पुरी ने कहा कि जब मैं धर्म प्रचार के लिए पूरे भारत में दौरे पर गया, तो अधिकांश मस्जिदों के गुंबद एक मंदिर के समान थे और आपको उनके (मस्जिदों) के अंदर सनातन के प्रतीक मिलेंगे। लगभग 80 प्रतिशत पूरे भारत में मस्जिदें मंदिरों पर हैं। अखाड़ा प्रमुख रवींद्र पुरी ने कहा कि हमने मुस्लिमों को मंदिर वापस करने के लिए हजारों बार अपील की है। हमारे प्राचीन मंदिर, जिन्हें मस्जिदों में बदल दिया गया है, उन्हें खाली किया जाना चाहिए।

हमने कभी भी मुसलमानों का विरोध नहीं किया

महंत रवींद्र पुरी ने कहा कि हमने कभी भी मुसलमानों का विरोध नहीं किया है। हमने उन लोगों का विरोध किया है जो थूकते हैं और अपमान करते हैं, जो लव जिहाद, भूमि जिहाद और इसी तरह की अन्य चीजों में शामिल हैं। हमें एक सामान्य मुस्लिम का विरोध क्यों करना चाहिए? पुरी ने कांग्रेस पर अपने मुस्लिम समर्थक रुख के कारण अखाड़ों को खत्म करने की योजना बनाने का भी आरोप लगाया और कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार बनने के बाद अखाड़ों को कुछ ताकत मिली है।

महाकुंभ में मुलायम सिंह की मूर्ति को लेकर भड़के संत

महाकुंभ मेला परिसर में एक कैंप में समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की मूर्ति को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। कई हिंदू संतों ने इस मूर्ति को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद समेत कई संतों ने गम्भीर आरोप लगाते हुए कहा है कि हिंदुओं के आस्था के पर्व में हिंदू विरोधी नेता की मूर्ति लगाना हिन्दुओं का अपमान है।प्रतिमा की स्थापना पर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने कड़ी निंदा की। परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने कहा कि मुलायम सिंह यादव हिंदू विरोधी और सनातन विरोधी विचार रखते थे। महंत रवींद्र पुरी ने कहा कि मुलायम सिंह यादव की प्रतिमा स्थापित करने का उद्देश्य संतों को उन घटनाओं की याद दिलाना है, जब उनके लोगों ने हिंदुओं की हत्या की थी।

महाकुंभ में होगा 2 लाख करोड़ रु. का बंपर कारोबार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन महाकुंभ 2025 प्रयागराज में सोमवार से प्रारंभ हो गया है। इस दौरान 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार होने की संभावना है। यह महाकुंभ फरवरी तक चलेगा। उत्तर प्रदेश सरकार के अनुसार, विश्व के सबसे बड़ा मानव समागम में लगभग 40 करोड़ लोगों के आने की संभावना है।

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल का कहना है कि एक अनुमान के तहत इस महाकुंभ में 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक का व्यापार होने की उम्मीद है। यह आयोजन भारत और विश्व में धार्मिक अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा केंद्र बनने जा रहा है। खंडेलवाल के मुताबिक इस आयोजन से प्रयागराज और आसपास के शहरों में व्यापार को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। रेलवे, वायु सेवाओं और सड़क परिवहन को भी बड़ी आय होने की संभावना है। चूंकि दिल्ली, देश का सबसे बड़ा व्यापारिक वितरण केंद्र है, इस दृष्टि से दिल्ली से प्रयागराज और आसपास के शहरों में लगभग 40,000 करोड़ रुपए का सामान और सेवाओं की आपूर्ति होगी। खंडेलवाल ने बताया, महाकुंभ में बड़ी मात्रा में आर्थिक और व्यापारिक गतिविधियां होंगी। एक अनुमान के अनुसार, अगर धार्मिक यात्रा के दौरान प्रति व्यक्ति 5,000 रुपए खर्च होते हैं, तो कुल आंकड़ा 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो जाएगा। इसमें होटलों, धर्मशालाओं, अस्थायी ठहराव, भोजन, पूजा सामग्री, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य वस्तुओं तथा सेवाओं पर खर्च भी शामिल है।

40 करोड़ श्रद्धालु लगाएंगे अर्थव्यवस्था को पंख

पहली बार जंगी रोबोट दिखाएंगे करतब, एनसीसी की महिलाएं भी होंगी शामिल

कल पुणे में होगी सेना दिवस की परेड

इस साल की सेना दिवस की परेड काफी अलग होगी। ऐसा पहली बार होने जा रहा है, जब इस मौके पर राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की लड़कियों की एक टुकड़ी भाग लेगी। इसके साथ ही चार विषयगत झांकियां प्रदर्शित की जाएंगी। इनमें से एक झांकी बल के मिशन ओलंपिक विंग पर आधारित होगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इस साल 15 जनवरी को सेना दिवस की परेड काफी अलग होगी। ऐसा पहली बार होने जा रहा है, जब इस मौके पर राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की लड़कियों की एक टुकड़ी भाग लेगी। इसके साथ ही चार विषयगत झांकियां प्रदर्शित की जाएंगी। इनमें से एक झांकी बल के मिशन ओलंपिक विंग पर आधारित होगी। दरअसल, बेंगलुरू स्थित सैन्य पुलिस कोर (सीएमपी), सेंटर एंड स्कूल की सभी महिलाओं की अग्निवीर टुकड़ी तथा मार्चिंग, जंगी रोबोट्स (रोबोटिक खच्चरों) का एक ग्रुप भी पहली बार इस प्रतिष्ठित वार्षिक परेड हिस्सा लेगा, जो सभी के लिए आकर्षण का केंद्र होगा।

खास बातें

- कई अत्याधुनिक सैन्य हथियारों का होगा प्रदर्शन
- इस समारोह का थीम 'समर्थ भारत, सक्षम सेना'

सेना की क्षमताओं का प्रदर्शन किया जाएगा

बता दें कि इस साल 77वें सेना दिवस का आयोजन किया जा रहा है। समारोह का थीम 'समर्थ भारत, सक्षम सेना' है। इस बार का फोकस भी सेना की क्षमताओं को प्रदर्शित करना है। जिससे एक मजबूत राष्ट्र के निर्माण में योगदान मिले। सूत्रों की मानें तो इस साल की सेना की परेड में के9 वज्र स्व-चालित हॉवित्जर, बीएमपी-2 सरथ पैदल सेना लड़ाकू वाहन, टी-90 टैंक, स्वाति हथियार लोकेटिंग रडार, सर्वत्र ब्रिजिंग सिस्टम, मल्टी-बैरल रॉकेट सिस्टम, एटोर एन1200 ऑल-टेरेन वाहन, ड्रोन जैमर सिस्टम और मोबाइल संचार नोड्स को प्रदर्शित किया जाना है।

गौरव गाथा कार्यक्रम का भी होगा आयोजन

जानकारी के अनुसार सेना दिवस के दिन गौरव गाथा नामक एक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाना है। इस कार्यक्रम में प्राचीन काल से लेकर समकालीन युग तक कल्याण के विकास को प्रदर्शित किया जाएगा। सेना दिवस की परेड का आयोजन 15 जनवरी को सेना की दक्षिणी कमान के तहत आने वाले महाराष्ट्र के पुणे में स्थित बॉम्बे इंजीनियरिंग ग्रुप और केंद्र में होनी है। संभावना है कि केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं।

पहली बार रोबोटिक खच्चर लेंगे हिस्सा

इस साल की परेड में एनसीसी की एक ऑल-गर्ल्स टुकड़ी और बेंगलुरु में कोर ऑफ मिलिट्री पुलिस सेंटर की एक ऑल-वुमन अग्निवीर टुकड़ी शामिल होंगी। ये पहला मौका होगा जब ये दोनों टुकड़ी शामिल होने जा रही है। इसके अलावा पहली बार इस परेड में दो बराबर पंक्तियों में खड़े 12 रोबोटिक खच्चर और उनके पीछे उनके संचालक हिस्सा लेंगे। इन खच्चरों को पिछले साल शामिल किया गया था, ये रोबोटिक खच्चर सेना के आधुनिकरण की दिशा में उठाए गए कदमों का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये रोबोटिक खच्चर भार ढो सकती हैं, दुर्गम इलाकों में जा सकते हैं और आतंकवादियों से भी निपट सकते हैं।

दिखाई जाएंगी चार झांकियां

सेना के इस साल के परेड की थीम के अनुरुप गणतंत्र दिवस परेड में दिखाई गई झांकियों जैसी चार झांकियां भी दिखाई जाएंगी। ये झांकियां भारतीय सेना के पराक्रम, हरित पहल, दिग्गजों के महत्व और विजेताओं के तैयार करने के लिए ओलंपिक भावना को बढ़ावा देने में सेना की भूमिका को दर्शाएंगी। सेना के मिशन ओलंपिक विंग को दर्शाने वाली झांकी आगे होगी और सबसे पिछले प्रौद्योगिकी अवशोषण पर आधारित झांकी होगी।

खबर संक्षेप

दिव्यांगों की मदद करेगा 'लेट मी डू इट' एप

लास वेगास। दिव्यांग लोगों को सशक्त बनाने के लिए अमेरिका के लास वेगास में आयोजित व्यापार शो में अटलांटा में रहने वाले भारतीय मूल के उद्यमी अंगद सहगल ने 'लेट मी डू इट' नाम के एक एप का प्रदर्शन किया। यह एप दिव्यांग लोगों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जो जटिल निर्णयों को सरल और सुलभ बनाता है। इस एप को अंगद और उनके पिता अमित सहगल ने मिलकर विकसित किया है। यह पहला विकलांगता-केंद्रित निर्णय लेने वाला एप है। जो दिव्यांगों व उनकी मदद करने वालों की सहायता करेगा।

दक्षिण-पूर्वी ब्राजील में भारी बारिश से 11 लोगों की मौत

ब्राज़िलिया। दक्षिण-पूर्वी ब्राजील में भारी बारिश के कारण रविवार को कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में से नौ की मौत सुबह मिनास गैरेस राज्य के घाटी क्षेत्र में भूस्खलन के कारण हुई। राज्य अग्निशमन विभाग के अनुसार इपेटिंगा शहर में भूस्खलन के कारण नौ लोगों की मौत हो गई और एक लापता हो गया। शहर में एक घंटे से भी कम समय में प्रति वर्ग मीटर 80 मिलीमीटर बारिश के बाद शहर भूस्खलन और बाढ़ की चपेट में आ गया। राज्य सरकार ने पिछले 24 घंटों में 121.4 मिलीमीटर बारिश की सूचना दी है।

चीन के साथ एलएसी विवाद पर सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा

स्थिति संवेदनशील, पर स्थिर, हमारी तैनाती मजबूत, दो दौर की पेट्रोलिंग जांच पूरी हुई

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि अक्तूबर में पूर्वी लद्दाख के देपसांग और डेमचोक में स्थिति सुलझ गई। दोनों पक्षों ने पारंपरिक पेट्रोलिंग क्षेत्रों में जाने से एक-दूसरे को रोका है। अब तक दो दौर की पेट्रोलिंग की जांच पूरी हो चुकी है और दोनों पक्ष प्रक्रिया से संतुष्ट हैं। चराई के क्षेत्रों को लेकर आपसी सहमति बनी है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सोमवार को एलएसी और एलओसी से लेकर मणिपुर के हालात के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अक्तूबर में पूर्वी लद्दाख के देपसांग और डेमचोक में स्थिति सुलझ गई। दोनों पक्षों ने पारंपरिक पेट्रोलिंग क्षेत्रों में जाने से एक-दूसरे को रोका है। अब तक दो दौर की पेट्रोलिंग की जांच पूरी हो चुकी है और दोनों पक्ष प्रक्रिया से संतुष्ट हैं। चराई के क्षेत्रों को लेकर आपसी सहमति बनी है। यहां बफर जोन का कोई कांसेप्ट नहीं है। मैंने सभी सह-कमांडरों को जमीनी स्तर पर संवेदनशील मुद्दों को संभालने के लिए कहा है। ताकि इन्हें सैन्य स्तर पर ही हल किया जा सके। एलएसी पर हमारी तैनाती संतुलित और मजबूत है। हम किसी भी स्थिति से निपटने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं। उत्तरी सीमाओं के लिए फोकस क्षमता विकास कार्यक्रम ने युद्ध लड़ने की प्रणाली में तकनीक को सक्षम किया। उन्होंने भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा को लेकर भी जानकारी दी। कहा कि पाकिस्तान के साथ नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम जारी है। हम सीमा पर बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और क्षमता बढ़ाने पर ध्यान दे रहे हैं।

खास बातें

- सेना किसी भी स्थिति से निपटने के लिए अच्छी तरह तैयार
- पिछले साल मारे गए 60 फीसदी आतंकवादी पाकिस्तानी

जम्मू-कश्मीर में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में

उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि पिछले साल मारे गए 60 फीसदी आतंकी पाकिस्तानी मूल के थे। आज घाटी और जम्मू क्षेत्र में जो भी आतंकी बचे हैं, हमें लगता है कि लगभग 80 फीसदी या उससे अधिक पाकिस्तानी मूल के हैं। जम्मू-कश्मीर में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। नियंत्रण रेखा पर डीजीएमओ के बीच सहमति के बाद फरवरी 2021 से प्रभावी संघर्ष विराम जारी है। हालांकि आतंकी ढांचा बरकरार है। आईबी सेक्टर से घुसपैठ की कोशिशें जारी हैं। हाल ही में उत्तरी कश्मीर और डोडा-किश्तवाड़ बेल्ट में आतंकी गतिविधियों में इजाफा हुआ है। जबकि हिंसा के मानदंड नियंत्रण में हैं। हमने इस बार अमरनाथ यात्रा के दौरान पांच लाख से अधिक तीर्थयात्रियों को देखा। साथ ही शांतिपूर्ण चुनाव होना एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है। आतंकवाद से पर्यटन की थीम धीरे-धीरे आकार ले रही है।

नौसेना के साथ कई क्षेत्रों में चल रहा काम

सेना प्रमुख ने कहा कि भारतीय नौसेना हमारे साथ पैंगोंग त्सो झील में बड़े पैमाने पर काम कर रही है। उनके विशेष बल जम्मू-कश्मीर और अन्य स्थानों पर हमारे साथ काम कर रहे हैं। भारतीय नौसेना के सहयोग की बात करें तो जहां तक हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) का सवाल है, दो जगहों पर हम बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पहला अंडमान और निकोबार और दूसरा उभयचर टास्क फोर्स। जहां तक अंडमान और निकोबार का सवाल है हम उन्हें स्थायी आधार पर रेट करने जा रहे हैं और उस क्षेत्र में प्रादेशिक सेना की भूमिका को बढ़ाएंगे। इसलिए नौसेना के साथ मिलकर हम बड़े पैमाने पर उनके रोजगार पर विचार कर रहे हैं। हमारे पास कुछ योजनाएं हैं जिन पर हमने पश्चिमी हिस्से में मिलकर काम किया है।

पूर्वोत्तर में स्थिति में हो रहा सुधार

सेना प्रमुख ने हिंसा ग्रस्त मणिपुर के बारे में कहा कि पूर्वोत्तर में स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। मणिपुर में सुरक्षा बलों के प्रयास प्रयासों और सरकार की पहल से स्थिति नियंत्रण में आई है। हालांकि, हिंसा की कुछ घटनाएं जारी हैं। हम इस क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए काम कर रहे हैं। विभिन्न गैर सरकारी संगठन और विभिन्न समुदाय के नेताओं से संपर्क कर रहे हैं ताकि एक तरह का सामंजस्य स्थापित किया जा सके। भारत-म्यांमार सीमा पर निगरानी बढ़ाई गई है, ताकि म्यांमार में अभी तक हो रही अशांति को रोका जा सके। जहां तक मानवीय सहायता और आपदा राहत का सवाल है, 2024 में हमने अपने क्यूआरटी और क्यूआर मेडिकल टीमों को अपग्रेड करने के लिए विशेष रूप से 17 करोड़ रुपए खर्च किए हैं।

कल महाराष्ट्र दौरे पर रहेंगे पीएम मोदी

मुंबई में 3 अत्याधुनिक नौसैनिक युद्धपोत राष्ट्र को करेंगे समर्पित

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम मोदी 15 जनवरी को महाराष्ट्र का दौरा करेंगे। पीएम मुंबई के नौसेना डॉकयार्ड में तीन अग्रिम पंक्ति के नौसैनिक जहाजों आईएनएस सूरत, आईएनएस नीलगिरी और आईएनएस वाघशीर को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इसके अलावा नवी मुंबई के खारघर में इस्कॉन मंदिर का उद्घाटन भी करेंगे। अपने दौरा के दौरान पीएम भारत की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप नवी मुंबई के खारघर में इस्कॉन की परियोजना श्री श्री राधा मदनमोहनजी मंदिर का उद्घाटन करेंगे। नौ एकड़ में फैली इस परियोजना में कई देवताओं वाला एक मंदिर, एक वैदिक शिक्षा केंद्र, प्रस्तावित संग्रहालय और सभागार, उपचार केंद्र आदि शामिल हैं। इसका उद्देश्य वैदिक शिक्षाओं के माध्यम से सार्वभौमिक भाईचारे, शांति और सद्भाव को बढ़ावा देना है।

रक्षा विनिर्माण में भारत की महत्वपूर्ण छलांग

तीन प्रमुख नौसैनिक लड़ाकू जहाजों का जलावतरण भारत के रक्षा विनिर्माण और समुद्री सुरक्षा में वैश्विक नेता बनने के सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण छलांग है। पी15बी गाइडेड मिसाइल विध्वंसक परियोजना का चौथा और अंतिम जहाज आईएनएस सूरत दुनिया के सबसे बड़े और सबसे परिष्कृत विध्वंसक जहाजों में से एक है। इसमें 75 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री है और यह अत्याधुनिक हथियार-सेंसर पैकेज और उन्नत नेटवर्क-केंद्रित क्षमताओं से लैस है। पी17ए स्टील्थ फ्रिगेट परियोजना का पहला जहाज आईएनएस नीलगिरि भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो द्वारा डिजाइन किया गया है और इसमें उन्नत उत्तरजीविता, समुद्री यात्रा और चुपके के लिए उन्नत विशेषताएं शामिल हैं, जो स्वदेशी फ्रिगेट की अगली पीढ़ी को दर्शाता है। पी75 स्कॉर्पीन परियोजना की छठी और अंतिम पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर पनडुब्बी निर्माण में भारत की बढ़ती विशेषज्ञता का प्रतिनिधित्व करती है और इसका निर्माण फ्रांस के नौसेना समूह के सहयोग से किया गया है।

दो दिवसीय यात्रा पर स्पेन पहुंचे जयशंकर

दो दिवसीय यात्रा पर स्पेन पहुंचे जयशंकर विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने स्पेन के नेताओं और अपने स्पेनिश समकक्ष मैनुअल अल्बेरेस के साथ द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय ने बताया कि विदेश मंत्री के रूप में जयशंकर की यह पहली स्पेन यात्रा है। अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान वह स्पेनिश राजदूतों के 9वें वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करेंगे और भारतीय समुदाय के लोगों से भी मिलेंगे।

देश के लिए गर्व करने वाली बात

भारत दुनिया के शीर्ष 25 हथियार निर्यातक देशों में शामिल:सीतारमण

एजेंसी ▶▶ गांधीनगर

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि भारत अब दुनिया के शीर्ष 25 हथियार निर्यातक देशों में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा कि भारत की 100 से अधिक कंपनियां ब्रह्मोस मिसाइल, पिनाका रॉकेट सिस्टम और डोर्नियर एयरक्राफ्ट जैसे रक्षा उत्पादों का निर्यात कर रही हैं। सीतारमण ने यह बात गुजरात के गांधीनगर में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) के चौथे दीक्षांत समारोह के दौरान कही। वित्त मंत्री ने भारत की रक्षा क्षमताओं और आत्मनिर्भरता की दिशा में हुई प्रगति को देश के लिए गर्व का विषय बताया। समारोह में गुजरात सरकार के वित्त मंत्री कनु देसाई, आरआरयू के कुलपति बिमल एन. पटेल और आईएफएससीए के अध्यक्ष के. राजारमन भी मौजूद रहे।

2023-24 में 21,083 करोड़ का रक्षा निर्यात

उन्होंने बताया कि भारत ने स्वदेशी रक्षा उत्पादन में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वित्त वर्ष 2023-24 में देश का रक्षा उत्पादन 1.27 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया जो 2014-15 के मुकाबले 2.7 गुना अधिक है। देश के रक्षा निर्यात में भी बड़ी बढ़ोतरी हुई है। सीतारमण ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में भारत ने 21,083 करोड़ रुपए का रक्षा निर्यात किया जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। यह 2013-14 में केवल 686 करोड़ रुपए के मुकाबले 30 गुना ज्यादा है। इस दौरान, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) और आरआरयू के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर हुआ। इस समझौते का उद्देश्य शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को कम करना, पेशेवरों को प्रशिक्षण देना और शोध को बढ़ावा देना है।

मिलानोविक बने रहेंगे क्रोएशिया के राष्ट्रपति

जगरेब। क्रोएशिया में विपक्ष समर्थित राष्ट्रपति जोरान मिलानोविक ने सत्तारूढ़ पार्टी के उम्मीदवार को अंतिम दौर के मतदान में हराकर रविवार को एक बार फिर राष्ट्रपति पद का चुनाव जीत लिया। इस चुनाव में भारी जीत हासिल कर वह पांच साल के एक और कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति बने रहेंगे। उन्हें उनके प्रतिद्वंद्वी ड्रैगन प्रिमोरैक की तुलना में 74 प्रतिशत से अधिक वोट मिले। प्रिमोरैक लगभग 26 प्रतिशत मत ही हासिल कर पाए। वे क्रोएशिया के पीएम आंद्रेज प्लेंकोविच के कट्टर विरोधी हैं।

ब्रिटिश मंत्री ने की चैटजीपीटी की वकालत

कहा- बच्चों को होमवर्क में मदद के लिए उपयोग की मिले अनुमति

एजेंसी ▶▶ लंदन

यूनाइटेड किंगडम तेजी से एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) और चैटजीपीटी को अपना रहा है। ब्रिटेन के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री पीटर काइल ने कहा कि बच्चों को होमवर्क में मदद करने के लिए चैटजीपीटी के उपयोग करने की अनुमति दी जानी चाहिए। ब्रिटेन एआई के भविष्य को लेकर रूपरेखा तय कर रहा है। मंत्री काइल ने कहा कि अगर सही तरीके और सही निगरानी में चैटजीपीटी का उपयोग किया जाता है तो इसे बच्चों के होमवर्क में मदद करने की अनुमति देने से कोई हर्ज नहीं है। चैटजीपीटी और एआई जिस तकनीकी भाषा का उपयोग कर रही है, वह पहले से ही अर्थव्यवस्था में इस्तेमाल हो रही है। उन्होंने कहा कि हमें यह तय करना होगा कि बच्चे और युवा इस तकनीक का उपयोग सीखें और इसे सीखने के विकास में शामिल करें। उन्होंने कहा कि चैटजीपीटी का उपयोग बच्चों के दिमाग की गति को तेज कर सकता है।

यूएन की चौथी द्विवार्षिक रिपोर्ट में खुलासा

भारत ने निभाया वादा, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 7.93% की कमी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जलवायु पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन की चौथी द्विवार्षिक अपडेट रिपोर्ट (बीयूआर-4) के अनुसार, भारत जलवायु लचीलेपन की दिशा में अपनी यात्रा में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है और 2019 की तुलना में 2020 में ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन में 7.93% की कमी दर्ज की गई है। यह कटौती टिकाऊ और कम कार्बन वाले भविष्य के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है, जो 2021 में पार्टियों के 26वें सम्मेलन (कॉप26) के दौरान की गई 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन हासिल करने की अपनी प्रतिज्ञा के अनुरूप है। यह जानकारी पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने दी। यह उपलब्धि पीएम नरेंद्र मोदी की आर्थिक प्रगति को सार्थक जलवायु कार्रवाई के साथ जोड़ने की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

वैश्विक उत्सर्जन में हिस्सेदारी 4%

भारत ने 2021 में कॉप 26 के सम्मेलन में 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन हासिल करने का संकल्प लिया है। दुनिया की लगभग 17% आबादी होने के बावजूद बढ़ती वैश्विक जीएचजी उत्सर्जन में भारत की ऐतिहासिक हिस्सेदारी वार्षिक 4% है। 2019 में भारत की प्रति व्यक्ति वार्षिक प्राथमिक ऊर्जा खपत 28.7 गीगाजूल (जीजे) थी, जो विकसित और विकासशील दोनों देशों की तुलना में काफी कम है।

सियाचिन ग्लेशियर की अग्रिम चौकी पर लगा 5जी नेटवर्क

दुनिया के सबसे ऊंचे युद्ध क्षेत्र पर सेना को मिली संचार सुविधा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रिलायंस जियो ने दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र में अपनी 5जी सेवा शुरु कर दी है। भारतीय सेना की 'फायर एंड फ्यूरी' कोर ने 'एक्स' पर यह जानकारी दी। सेना के मुताबिक, जियो टेलीकॉम और भारतीय सेना ने साथ मिलकर सियाचिन ग्लेशियर पर पहला 5जी मोबाइल टॉवर सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया है। इसे सियाचिन की एक अग्रिम चौकी पर लगाया गया है। 15 जनवरी को सेना दिवस से ठीक पहले सियाचिन ग्लेशियर पर 4जी व 5जी सेवा शुरु कर जियो ने अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। सियाचिन ग्लेशियर पर सेवा शुरु करने वाला जियो देश का पहला ऑपरेटर बन गया है।

यह उपलब्धि बहादुर सैनिकों को समर्पित

खास बातें

- 40 डिग्री सेंटीग्रेड पर भी मिलेंगी बेहतर संचार सुविधाएं
- जियो ने स्वदेशी फुल-स्टैक 5जी तकनीक का उपयोग किया

भारतीय सेना ने इसे शानदार उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह अदम्य उपलब्धि हमारे बहादुर सैनिकों को समर्पित है, जिन्होंने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में तैनात रह कर इस चैलेंज को पूरा किया। इतनी ऊंचाई पर टावर लगाना बेहद कठिन रहा। सेना ने रसद सहित क्रू मेंबर की सुरक्षा सुनिश्चित की। तो जियो ने अपनी स्वदेशी फुल-स्टैक 5जी तकनीक का उपयोग किया।

भारतीय सेना की तकनीकी क्षमता बढ़ेगी

फायर एंड फ्यूरी सिग्नलर्स और सियाचिन वारियर्स ने जियो की टीम के साथ मिलकर उत्तरी ग्लेशियर में 5जी टावर स्थापित कर दिया। बताते चलें कि इस क्षेत्र में तापमान -40 डिग्री सेंटीग्रेड तक गिर जाता है। ठंडी हवाएं और बर्फीले तूफान अक्सर यहां आते रहते हैं। सेना ने कहा कि यह कदम भारतीय सेना की तकनीकी क्षमता को और बढ़ाएगा और सैनिकों को बेहतर संचार सुविधा प्रदान करेगा। 5जी कनेक्टिविटी के जरिए सैनिकों को अधिक तेज और विश्वविसनीय संचार सुविधाएं मिलेंगी, जो उनके अभियानों में सहायक होंगी।

हर-हर महादेव, जय श्री राम...' जयघोष करते हुए श्रद्धालुओं ने पुण्य स्नान किया, जीवन धन्य किया

प्रयागराज में दिखा भक्ति, आस्था और परंपरा का संगम देश-विदेश के पहुंचे श्रद्धालुओं से दृश्य बन गया बिहंगम

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

भव्य महाकुंभ आस्था, भक्ति और आध्यात्मिक एकता के जबरदस्त प्रदर्शन के साथ शुरू हुआ है। यहां देश और दुनिया भर से भक्तों का एक समूह न केवल जप, ध्यान और आध्यात्मिक तृप्ति के लिए एकत्र हुआ, बल्कि महाकुंभ की बेजोड़ सांस्कृतिक विरासत का अनुभव करने के लिए भी एकत्र हुआ। पवित्र नगरी प्रयागराज में संगम नोज समेत स्थायी और अस्थायी घाटों पर भारी भीड़ है। सभी प्रमुख घाटों पर डुबकी लगाते समय श्रद्धालु हर-हर महादेव, जय श्री राम और जय बजरंग बली के जयकारे लगाते नजर आए। बिहार, हरियाणा, बंगाल, ओडिशा, दिल्ली, उत्तराखंड, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आए। कई भक्तों को दिव्य वातावरण से अभिभूत, नम आंखों के साथ देखा गया। वहीं कई लोग प्रार्थना, अनुष्ठान और एकता की भावना में डूबे रहे। पौष पूर्णिमा पर अपने गहन आध्यात्मिक अनुशासन के लिए जाने जाने वाले कल्पवासियों ने 'मोक्षदायिनी' संगम में डुबकी लगाई। महाकुंभ की भव्यता ने न केवल भारतीय श्रद्धालुओं, बल्कि दुनिया भर से आए पर्यटकों को भी मंत्रमुग्ध कर दिया। संगम घाट पर अंतरराष्ट्रीय तीर्थयात्रियों और आध्यात्मिक साधकों का तांता उत्सव में शामिल हुआ।

स्थायी और अस्थायी घाटों पर भारी भीड़

इस साल का समागम पहले से कहीं ज्यादा बड़ा दिखा

श्रद्धालु उत्तर प्रदेश सरकार की तैयारियों से संतुष्ट

पहले स्नान के अवसर पर ही पूरी दुनिया से महाकुंभ नगर स्थित मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ देखने को मिली। ये श्रद्धालु उत्तर प्रदेश सरकार की तैयारियों से बेहद संतुष्ट दिखे और महाकुंभ पर्व को लेकर की गई सुव्यवस्थित व्यवस्था को देखकर मुक्त कंठ से सरकार की तारीफ करते दिखे। स्नान के दो दिन पूर्व ही लाखों की तादाद में श्रद्धालुओं ने स्नान किया और पहले दिन श्रद्धालुओं का अपार उत्साह-उमंग दर्शाता है।

गृहस्थ श्रद्धालुओं में भी स्नान को लेकर अपार उत्साह देखने को मिला

साधारण गृहस्थ श्रद्धालुओं में भी स्नान को लेकर अपार उत्साह देखने को मिला। पहले ही दिन प्रयागराज व आसपास के इलाकों समेत बिहार, हरियाणा, बंगाल, ओडिशा, दिल्ली, उत्तराखंड, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र तथा मध्य प्रदेश की भारी भीड़ तीर्थराज में रही।

कल्पवास के नियम शुरू

कल्पवासी महाकुंभ अवधि के दौरान ब्रह्मचर्य, साधारण जीवन और नियमित प्रार्थना के सख्त व्रत का पालन करते हैं। उन्होंने न केवल अपने व्यक्तिगत आध्यात्मिक उत्थान के लिए बल्कि मानवता के कल्याण के लिए भी प्रार्थना की। इस वर्ष, महादेव की पूजा के लिए शुभ दिन सोमवार को पड़ने वाले पौष पूर्णिमा के संयोग ने इस अवसर को आध्यात्मिक रूप से और भी महत्वपूर्ण बना दिया।

विदेशी मेहमानों ने की भूरि-भूरि प्रशंसा

महाकुंभ में पहुंचे विदेशी श्रद्धालु भी गदगद, हम तो धन्य हो गए

दक्षिण कोरिया के कई यूट्यूबर इस दिव्य अनुभव को अपने कैमरों में कैद करते नजर आए, जबकि जापान के पर्यटकों ने स्थानीय गाइडों से इस आयोजन के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व को समझने की कोशिश की। रूस-अमेरिका समेत यूरोप के विभिन्न देशों से आए श्रद्धालु आस्था और एकता के इस महापर्व के साक्षी बने और डुबकी भी स्पेन की क्रिस्टीना भी थीं। उन्होंने जीवन को धन्य बताया।

यहां के लोगों का व्यवहार बहुत ही मित्रवत

पौलेंड से आईं श्रद्धालु क्लाउडिया ने कहा यहां आकर मुझे अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है। मैंने कभी भी ऐसा महसूस नहीं किया था। कभी नहीं सोचा था कि मुझे कभी जीवन में इस तरह का अनुभव मिलेगा। कल मैं भी स्नान करूंगी। यहां के लोग मुझे बहुत अच्छे लगे। सभी का व्यवहार बहुत ही मित्रवत है।

स्नान करके हो रहा अद्भुत अनुभव : ऑस्ट्रेलिया से आई श्रद्धालु मंजरिका ने बताया कि मैं भारत में पिछले 40 दिनों से हूं। जब मैं भारत में आई थी, तो मैंने सोच लिया था कि मैं किसी भी कीमत पर महाकुंभ मेले में जरूर शिरकत करूंगी, क्योंकि यह अपने आप में अद्भुत अनुभव था।

यह मंत्रमुग्ध करने वाला वातावरण : मेले में जापान से आए श्रद्धालु मसाजी ने भी अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि मैं दूसरी बार महाकुंभ मेले में आया हूं और मुझे यहां आकर अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है, जिसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता हूं।

महाकुंभ में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मीडिया से कहा कि बड़ी संख्या में लोग वहां पहुंच रहे हैं। मैं सभी श्रद्धालुओं का स्वागत करता हूं। उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से सभी व्यवस्थाएं परिपूर्ण हैं। हर स्थिति से निपटने के लिए सारे इंतजाम कर लिए हैं। डीआईजी कृष्णा बताया कि भीड़ नियमन और पार्किंग व्यवस्था भी ठीक से काम कर रही है। विभिन्न मार्गों से आने वाले ट्रैफिक को डायवर्ट कर सही तरीके से पार्क करने की हिदायत दी जा रही है।

अजब-गजब बाबा भी पधारे

किसी ने 32 साल से नहाया नहीं तो किसी के जटाओं में उगी जौ

इस बार महाकुंभ में अजब-गजब बाबा भी पधारे हैं। किसी ने जटाओं में अनाज उगा रखा है तो किसी ने 32 साल से नहाया ही नहीं है। किसी के पास 35 साल पुरानी एंबेसडर कार है। एक बाबा ने बाइक से 25 राज्यों का सफर पूरा किया।

अनाज वाले बाबा

सोनभद्र के मारकुंडी से आए अमरजीत योगी ने अपने जटाओं में जौ उगा रखी है। वे लोगों को पर्यावरण संरक्षण और जैविक खेती का संदेश दे रहे हैं।

पर्यावरण बाबा:

महामंडलेश्वर अवधूत बाबा को लोग पर्यावरण बाबा के नाम से जानते हैं। वे प्रयागराज पहुंचे हैं।

बिछड़े 250 से अधिक लोगों के मेला प्रशासन ने परिवार से मिलवाया

महाकुंभ के पहले दिन सुबह-सुबह घनी भीड़ के कारण अपने परिवारों से बिछड़ गए 250 से अधिक लोगों को मेला प्रशासन ने उनके परिवार से मिलवा दिया। भारी भीड़ को नियंत्रित करने की माकूल व्यवस्था है।

खबर संक्षेप

क्षत्रिय गैंग के बदमाशों का पुलिस ने निकाला जुलूस

झुंझुनूं। राजस्थान पुलिस के नवाचार और कड़ी कार्रवाई ने अपराधियों में खौफ का माहौल बना दिया है। झुंझुनूं जिले के चिड़ावा कस्बे में एक पेड़ा व्यवसायी से रंगदारी मांगने और फायरिंग करने के आरोप में गिरफ्तार अपराधियों का पुलिस ने सोमवार को भरे बाजार में जुलूस निकाला। इस दौरान गिरफ्तार अपराधियों ने हाथ जोड़कर और कान पकड़कर माफी मांगी। पैरों में प्लास्टर बंधे और लंगड़ाते चल रहे अपराधियों की पुलिस ने सारी हेकड़ी निकाल दी।

अनवर ने छोड़ी विधायकी उपचुनाव भी नहीं लड़ेंगे

नीलांबुर। केरल के विधायक पीवी अनवर ने नीलांबुर के विधायक पद से इस्तीफा दे दिया है। दरअसल, सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) से अलग होकर पिछले सप्ताह तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने वाले विधायक पीवी अनवर ने सोमवार को नीलांबुर निर्वाचन क्षेत्र के विधायक पद से इस्तीफा दे दिया। विधानसभा अध्यक्ष एएन शमसीर से उनके कक्ष में मिलने के बाद विधानसभा परिसर में अनवर ने अपने इस्तीफे की पुष्टि की। इससे टीएमसी में विवाद शुरू हो गया है।

नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में 15.84 फीसदी की वृद्धि

नई दिल्ली। नवीकरणीय ऊर्जा की कुल स्थापित क्षमता दिसंबर 2024 तक बढ़कर 209.44 गीगावाटतक पहुंच गई है, जो दिसंबर, 2023 में 180.80 गीगावाट थी। यह सलाना आधार पर 15.84 फीसदी की अहम वृद्धि को दर्शाता है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की यह वृद्धि पीएम द्वारा घोषित 'पंचामृत' लक्ष्यों के तहत अपने स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों और इसके व्यापक दृष्टिकोण के प्रति देश की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

हाईकोर्ट ने कैग रिपोर्ट में देरी पर दिल्ली सरकार को लगाई फटकार

आप की लेटलतीफी करने पर आपकी ईमानदारी पर संदेह हो रहा, तत्काल क्यों नहीं भेजी?

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अब कैग की रिपोर्ट को विधानसभा में पेश करने से कोई उद्देश्य पूरा नहीं होगा

दिल्ली हाईकोर्ट ने सीएजी रिपोर्ट पर विचार करने में देरी के लिए दिल्ली सरकार को फटकार लगाई है। हाईकोर्ट ने फटकार लगाते हुए कहा कि जिस तरह से आपने अपने कदम पीछे खींचे हैं, उससे आपकी ईमानदारी पर संदेह पैदा होता है। अदालत ने कहा, आपको रिपोर्ट को तुरंत स्पीकर को भेजना चाहिए था और सदन में चर्चा शुरू करनी चाहिए थी। विधानसभा सचिवालय ने हाईकोर्ट को सूचित किया है कि फरवरी में विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने जा रहा है। अब कैग की रिपोर्ट को विधानसभा में पेश करने से कोई उपयोगी उद्देश्य पूरा नहीं होगा। सचिवालय ने कैग की 14 रिपोर्ट को विधानसभा में पेश करने के मामले में सीएजी रिपोर्ट पेश करने के मुद्दे पर सात भाजपा विधायकों की याचिका के जवाब में कही है।

दिल्ली सरकार को सदन में चर्चा करनी थी

दिल्ली की सरकार ने चनाव का बहाना बताया

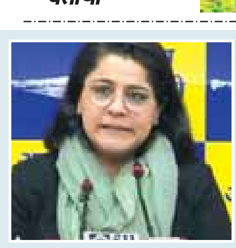

भाजपा फर्जी रिपोर्ट दिखा रहीः आप

आप ने भाजपा पर फर्जी कैग रिपोर्ट दिखाने का आरोप लगाया है। आप की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने पार्टी मुख्यालय में कहा कि भाजपा सीएम चेहरा और एजेंडा बताने की जगह अपने दफ्तर में तैयार कागज को कैग रिपोर्ट बता रही है, जबकि कैग रिपोर्ट दिल्ली की सीएम, एलजी या विधानसभा अध्यक्ष ने अभी तक नहीं देखी है।

यह न्यायिक समीक्षा के बाहर नहींः राज्यपाल

सचिवालय ने कहा कि संविधान के तहत सदन का संरक्षक होने के नाते विधानसभा की बैठक बुलाने का स्पीकर का विवेकाधिकार उसके आंतरिक कामकाज का हिस्सा है। यह किसी भी न्यायिक समीक्षा के दायरे से बाहर है। अब विधानमंडल की उत्तराधिकारी लोक लेखा समिति (पीएसी) कानूनी ढांचे के अनुसार रिपोर्टों की जांच कर सकती है, जिसका चुनाव आगामी चुनावों के बाद अगली विधानसभा करेगी। वहीं दूसरी ओर हालही में उपराज्यपाल ने अपने जवाब में कहा था कि हाईकोर्ट को स्पीकर से तुरंत रिपोर्ट सदन के समक्ष पेश करने का निर्देश देने का अधिकार है।

भाजपा ने दिल्ली सरकार को घेरा

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा ने कहा कि मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार दिल्ली उच्च न्यायालय ने टिप्पणी की है कि दिल्ली सरकार द्वारा कैग रिपोर्ट को सदन में रखने में आनाकानी करना दुर्भाग्यपूर्ण है। अब यह और भी स्पष्ट हो गया है कि स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण है, केवल विकास कार्यों, पर्यावरण और जलभराव वाली सड़कों के मामले में ही नहीं, बल्कि संवैधानिक मामलों में भी।

दिल्ली में भ्रष्टाचार के लिए आप-भाजपा जिम्मेदारः कांग्रेस

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव आलोक शर्मा ने कहा कि 11 वर्षों के कुशासन ने दिल्ली को भ्रष्टाचार और अपराध की राजधानी बना दिया। इसके लिए आम आदमी पार्टी और केंद्र की भाजपा सरकार जिम्मेदार है। कांग्रेस पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा कर सत्ता में आई आप खुद कैग रिपोर्ट सदन में नहीं पेश कर रही है।

बदलापुर स्कूल यौन उत्पीड़न केस

बच्चियां बहुत छोटी, जल्द पूरी हो सुनवाई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को बदलापुर स्कूल यौन उत्पीड़न मामले में एक बार फिर सख्ती दिखाई। अदालत ने कहा कि पीड़ित बच्चियां बहुत छोटी हैं इसलिए मामले की सुनवाई जल्द से जल्द पूरी होनी चाहिए। पिछले साल अगस्त में ठाणे के बदलापुर इलाके में स्थित एक स्कूल के शौचालय में चार और पांच साल की दो लड़कियों का एक पुरुष अटेंडेंट ने यौन उत्पीड़न किया था। मामला सामने आते ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया था। हालांकि, अदालत ले जाते समय पुलिस के साथ मुठभेड़ हुई और वह मारा गया।

42 दिन नियमों में बंधेंगे हिमाचलवासी

न टीवी लगेगा न बजेगा डीजे, मोबाइल भी 'लॉक'

एजेंसी,शिमला। न टीवी लगेगा, न बजेगा डीजे। गांव में कोई सीटी तक नहीं बजा सकेगा... और तो और मोबाइल फोन साइलेंट मोड में रखे जाएंगे और रील, वीडियो चलाना तक बंद हो जाएगा। दरअसल, मनाली के कई गांवों में मकर संक्रांति के बाद ग्रामीण कड़े देव नियमों में बंधने जा रहे हैं। सिमसा में देवता कार्तिक स्वामी के मंदिर का कपाट संक्रांति पर बंद हो जाएगा। गौशाल गांव में कंचन नाग, व्यास ऋषि और गौतम ऋषि का मंदिर विधिवत पूजा के बाद बंद हो जाएगा।

मंदिर के कपाट बंद हो जाएंगे

सिमसा में एक महीने, जबकि गौशाल और आसपास के नौ गांवों में लोग 42 दिन देवता के नियमों का पालन करेंगे। गौशाल में टीवी, रेडियो बंद रहेंगे। न डीजे बजेगा और न ही गांव में शोर-शराबा किया जा सकेगा। गौशाल गांव के लोग अगले 42 दिन मनोरंजन के तमाम साधनों से दूर रहेंगे। गौशाल गांव में मकर संक्रांति पर मंगलवार को देवता कंचन नाग, ब्यास और गौतम ऋषि के मंदिर के कपाट बंद होते ही टीवी, रेडियो लगाने पर देव प्रतिबंध लग जाएगा। नौ गांवों में कृषि कार्य और गोशाला से गोबर निकालने पर प्रतिबंध रहेगा। 42 दिन बाद मंदिर के कपाट खुलेंगे, तब तक ग्रामीण देव आदेश का पालन करेंगे।

42 दिन बाद देवता करेंगे भविष्यवाणी

42 दिन बाद आराध्य देवों के सम्मान में फागली उत्सव का आयोजन होगा। देवता स्वर्ग प्रवास से लौटते ही भविष्य में होने वाली सालभर की घटनाओं के बारे भी भविष्यवाणी करेंगे। मंदिर के अंदर हुए लेप को निकाला जाएगा। इसमें कुमकुम, सेब के पेड़ों के पत्ते, अनाज के दाने आदि निकलेंगे। इसके आधार पर सालभर की भविष्यवाणी होगी।

7 फरवरी से शुरू होगा सूरजकुंड मेला

अंतरराष्ट्रीय क्राफ्ट मेले के नाम से फेमस सूरजकुंड मेला जल्द शुरू होने वाला है। हस्तशिल्प में रुचि रखने वाले हजारों लोग इस मेला को देखने पहुंचते हैं। सूरजकुंड मेले ने सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को संजोकर रखा है। जिसे दुनियाभर में फैलाने की कोशिश की जा रही है। इस बार सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला 2025 हरियाणा के फरीदाबाद जिले के सूरजकुंड में 7 फरवरी से 23 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। मेला सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक खुला रहेगा। वीकेंड पर यहा काफी ज्यादा भीड़ होती है।

सड़क दुर्घटनाओं में 12 की मौत

पौड़ी में 5 ने तो श्रीगंगानगर में तीन लोगों ने गंवाई जान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश के विभिन्न राज्यों में हुई सड़क दुर्घटनाओं में 12 लोगों की मौत हो गई। जहां उत्तराखंड के पौड़ी में बस के खाई में गिरने से 5 लोगों की मौत हो गई, राजस्थान के पाली में स्कार्पियो पलटने से 2 लोगों को जान गंवानी पड़ी। राजस्थान के श्रीगंगानगर में बस और बोलेरो की टक्कर में 3 लोगों की मौत हो गई और हिमाचल प्रदेश के शिमला में जेसीबी मशीन को लापरवाही से चलाने के कारण दादी- पोती की जानें चली गईं। उत्तराखंड में पौड़ी से सेंट्रल स्कूल जाने वाले मार्ग पर रविवार को एक बस गहरी खाई में गिर गई। राहत एवं बचाव कार्य जारी है। आनन-फानन में पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। प्रशासन की ओर से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया है। घायलों को बचाने का सिलसिला जारी है। घायलों को जिला अस्पताल पौड़ी में भर्ती कराया गया है।

आतिशी ने नामांकन दाखिल करने की योजना टाली

मंदिर गईं, रोड शो किया, लेकिन नामांकन नहीं कर पाईं आतिशी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

निर्धारित 3 बजे तक अपना नामांकन नहीं भर सकीं, आज करेंगी

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को नामांकन दाखिल करने का प्लान टाल दिया है। कालकाजी सीट से चुनाव लड़ने वाली आतिशी अब मंगलवार को मकर संक्रांति के दिन अपना नामांकन दाखिल करेंगी। आतिशी ने सोमवार को दिन में रोड शो किया था और शाम को अरविंद केजरीवाल के साथ चुनाव आयोग में शिकायत करने पंहुची। वे वोटर लिस्ट में गड़बड़ी की शिकायत लेकर यहां पहुंची थी। वे निर्धारित 3 बजे तक अपना नामांकन नहीं भर पाईं। आतिशी ने नामांकन दाखिल करने से पहले रोड शो निकाला था। आतिशी ने इस दौरान कहा कि दिल्ली के लोगों के दिल में आप और केजरीवाल। हमने पिछले पांच साल में जो काम किए हैं, लोग हमें उसी के आधार पर वोट देंगे।

दिल्ली विधानसभा चुनाव

आप-भाजपा के बीच पोस्टर वॉर तेज

दिल्ली के चुनाव में आप- भाजपा के बीच तगड़ा पोस्टर वॉर चल रहा है और दोनों राजनीतिक दलों की सोशल मीडिया टीम इन पोस्टर्स को बनाने में जबरदस्त क्रिएटिविटी दिखा रही है। भाजपा ने इस पोस्टर के साथ जारी करने के साथ ही यह भी लिखा कि आप का पूर्वांचल विरोधी चेहरा देश के सामने आ चुका है। इसके जवाब में आप ने भी एक पैरोडी वीडियो जारी कर दिया। इस वीडियो में दिलजले फिल्म में अमरीश पुरी के द्वारा निभाए गए किरदार दारा सिंह और गृहमंत्री अमित शाह के बीच एक काल्पनिक बातचीत को दिखाया गया था।

ओझा को चुनाव से रोकने की साजिश हो रही

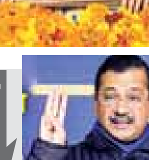

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं भाजपा से सिर्फ यह जानना चाहता हूं कि दिल्ली के जाट समुदाय को केंद्र की ओबीसी सूची में कब जगह दी जाएगी? हमारे पास दो मुद्दे हैं- ग्रेटर नोएडा के मतदाता हमारे पटपड़गंज के उम्मीदवार अवध ओझा ने दिल्ली का मतदाता बनने आवेदन किया था। अभी तक उन्हें कोई सूचना नहीं मिली है। उन्हें रोका जा रहा।

विशेष अदालत का फैसला : दो-दो लाख का जुर्माना भी लगाया

नशीली दवाओं के सौदागरों को पंद्रह-पंद्रह वर्ष का कारावास

जबलपुर।

एनडीपीएस के विशेष न्यायाधीश शशिभूषण शर्मा की अदालत ने नशीली दवाओं के सौदागरों नीरज, राजू व शहनवाज को पंद्रह-पंद्रह वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। साथ ही दो-दो लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। अभियोजन की ओर से अपर लोक अभियोजक अरविंद जैन ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि 28 जुलाई, 2023 को मुखबिर की सूचना पर कोतवाली पुलिस ने गोपालबाग तलैया के पास दबिश दी थी। जहां से पुलिस ने घमापुर लालमाटी निवासी 20 वर्षीय राजू को हिरासत में लिया था। जिसके पास से मिले थैले से पुलिस ने प्रतिबंधित नशीली दवाईया व इंजेक्शन बरामद किये थे। पूछताछ में आरोपित ने बताया था कि नीरज उक्त इंजेक्शन उसने बेचने के लिये देता है, जिसके एवज में उसे हर माह 30 हजार रुपये का भुगतान होता है। जिसके बाद पुलिस ने योजनाबद्व तरीके से

दुकान में दबिश देकर हिरासत में लिया था। इसी तरह हनुमानताल पठानी मोहल्ला निवासी शाहनवाज खान को भी हिरासत में लिया गया था।

आरोपित नीरज की निशानदेही पर पुलिस ने उसके आनंद नगर स्थित गोदाम में दबिश दी। जहां आरोपित ने किराये के मकान को अपना गोदाम बना रखा था। जहां से हजारों की तादाद में नशीले इंजेक्शन बरामद किए थे। पुलिस ने तीनों आरोपितों के पास बड़ी तादाद में पकवैल, ब्यूपिन, ब्यूप्रेनोफिन नामक नशीले इंजेक्शनों का जखीरा बरामद करते हुए उनके विरुद्ध कार्यवाही की थी। सुनवाई दौरान पेश किए गए साक्ष्यों को मद्देनजर रखते हुए अदालत ने तीनों आरोपितों को उक्त सजा सुनाई।

महिला की गोली मारकर हत्या करने वाले को उम्रकैद

जबलपुर। प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश आलोक अवस्थी की अदालत ने महिला को गोली मारकर हत्या करने के आरोपित दमोह निवासी रामकृष्ण लोधी का दोष सिद्ध पाया। इसी के साथ आजीवन कारावास की सजा सुना दी। साथ ही 100 रुपये का जुर्माना लगाया। अभियोजन की ओर से अतिरिक्त लोक अभियोजक अनिल तिवारी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि मूलतः दमोह तेजगढ़ खुर्द निवासी 30 वर्षीय रामकृष्ण लोधी गढ़ा कोष्टा मोहल्ला में सरस्वती बाई चौबे के मकान पर किराये से रहता था। जहां और भी किरायेदार रहते थे। 15 मई, 2023 को आरोपी रामकृष्ण अपनी लाईसेंसी बंदूक कंधे में टांगकर पहुंचा और सरस्वती बाई से बाते करते हुए बाहर की ओर आया। इसके बाद रामकृष्ण ने अपनी लाईसेसी बंदूक से सरस्वती बाई को गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची गढ़ा पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही करते हुए प्रकरण दर्ज कर अदालत के समक्ष चालान पेश किया। सुनवाई दौरान पेश किए गए गवाह व साक्ष्यों के आधार पर दोष सिद्ध पाकर उम्रकैद की सजा सुना दी।

हाईकोर्ट में लंबित याचिका में संशोधन कर अन्य मुद्दें जोड़े जायेंगे

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट में जबलपुर के मास्टर प्लान को शीघ्र लागू करने हेतु दायर जनहित याचिका में संशोधन कर प्रदेश के अन्य शहरों के मास्टर प्लान को तैयार कर उन्हें भी तत्काल लागू किया जाए, यह निवेदन किया जाएगा। यह बताते हुए याचिकाकर्ता डॉ. पीजी नाजपांडे तथा रजत भार्गव ने जानकारी दी कि प्रदेश के 413 निकायों में मास्टर प्लान बनाने का कार्य बहुत की सुस्त गति से जारी है। अभी तक 89 शहरों के मास्टर प्लान बन पाए हैं, लेकिन इनमें से केवल 22 में ही उन्हें लागू किया गया है। 42 शहरों में ड्राफ्ट प्रकाशित होने के बावजूद भी सरकार उन्हें लागू नहीं कर पायी है। 25 शहरों में पुराने मास्टर प्लान से ही काम चलाया जा रहा है। इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन में से केवल ग्वालियर में ही मास्टर प्लान लागू हुआ है। उल्लेखनीय है कि डॉ. पीजी नाजपांडे तथा रजत भार्गव ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका डब्ल्यूपी 27383/2024 दायर कर जबलपुर में मास्टर प्लान सुस्त गति से जारी होने की शिकायत की है, जिस पर हाईकोर्ट ने नोटिस जारी कर शासन से जवाब मांगा है। यह याचिका हाईकोर्ट में अभी लंबित है। याचिकाकर्ताओं की ओर से एड.दिनेश उपाध्याय पैरवी कर रहे है।

शीत लहर के झोकों से दिनभर रही ठंड

सुबह और रात में छाया घना कोहरा

जबलपुर। सोमवार को शीतलहर ने पूरे शहर को हिलाकर रख दिया। दिन का तापमान सामान्य से 4 डिग्री नीचे आ गया। पूरे दिन शीतलहर का तड़का चलता रहा। रात में कोहरे की धुंध और शीतलहर ने बहुत जल्द सड़कों पर सन्नाटा पसरा दिया था। खुले आसमान के नीचे रात गुजारने वाले हिलते कांपते नजर आये। अलाव की व्यवस्थाएं नदारत रहीं। कचड़ा कूड़ा जलाकर किसी तरह गरीबों ने रात काटी। शीतलहर ने कल जमकर कहर बरपाया। मकर संक्रांति की पूर्व संध्या पर जब अमूमन ठण्ड उतार पर रहती है, तब ठण्ड ने अपना जोरदार जलवा दिखाया। स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के मुताबिक दिल्ली में पिछले दिनों जमकर हुई बारिश और देश के उत्तरी इलाकों में हुई बर्फबारी के बाद शहर में शीत लहर का प्रकोप बना हुआ है। पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव खत्म होने के बाद मौसम शुष्क हो रहा है और धीरे-धीरे तापमान में गिरावट आ रही है। उत्तरी हवाओं की रफ्तार बढ़ने से एक-दो दिनों में ठण्ड बढ़ने के आसार हैं। सोमवार की सुबह से ही हवाओं की रफ्तार तेज होने के कारण ठण्ड का अहसास हुआ। रात में हवाओं की गति और तेज हो गई थी। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 20.3 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 4 डिग्री कम दर्ज किया गया, वहीं न्यूनतम तापमान 12.08 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातःकाल 84 प्रतिशत और सायंकाल 57 प्रतिशत दर्ज की गई। सूर्योदय सुबह 6.54 बजे और सूर्यास्त शाम 5.45 बजे हुआ। उत्तरी पश्चिमी हवायें 2 से 3 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं। प्रदेश में सबसे ठण्डे जिला नीमच रहा, जहां न्यूनतम तापमान 6.1 डिग्री दर्ज किया गया। अगले 24 घंटों के दौरान मौसम शुष्क रहेगा। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 21.9 डिग्री और न्यूनतम तापमान 09.03 डिग्री दर्ज किया गया था।

जिले भर में पुलिस ने बदमाशों के खिलाफ चलाया अभियान

14 आरोपियों से 15 पिस्टल 18 कारतूस जब्त

जबलपुर। जबलपुर जिला पुलिस ने अवैध कट्टा रिवाल्वर लेकर घूमने वालें 14 आरोपियों से 15 फायर आर्म्स और 18 कारतूस जब्त किए हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आनंद कलादंगी में पुलिस कंट्रोल रुम में पत्रकारों से चर्चा कर बताया कि पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय के निर्देश पर बदमाशों की धरपकड़ की जा रही है इसी सिलसिले में

ओमती पुलिस ने अनीश उर्फ चीनू सोनकर से 1 देशी पिस्टल एवं 4 कारतूस से आरोपी जयदीप सोनकर उर्फ मटरू को भी गिरफ्तार किया। इसी तरह गोराबाजार पुलिस ने कृष्णा उर्फ मिक्की यादव से 1

देशी पिस्टल 1 कारतूस जब्त किया है। इसी तरह बरेला पुलिस ने तारा यादव से 1 देशी पिस्टल एवं 1 कारतूस जब्त किया है। बेलखेड़ा पुलिस ने नीलेश लोधी से 1 रिवाल्वर जप्त की। गढा पुलिस ने तुषार सोनी उर्फ गुल्लू से 1 देशी पिस्टल, 2 कारतूस जब्त की है।

हनुमानताल पुलिस ने वंश सोनकर से 1 देशी पिस्टल 1 कारतूस, नीरज उर्फ बाबा 2 देशी पिस्टल एवं 2 कारतूस और गौतम सोनकर से 1देशी पिस्टल, 1 कारतूस जब्त की है।

भाजपा में इंतेहा हो गई इंतजार की...!

कयासः आज निर्वाचन अधिकारी पहुंचेंगे अपने-अपने जिलों में?

जबलपुर।

भाजपा नगर अध्यक्षों की सूची को लेकर इंतेजार की इंतेहा होने पर कार्यकर्ताओं रूची नहीं रही। रविवार की देर रात मुख्यमंत्री के गृह जिले उज्जैन और पूर्व मुख्यमंत्री के गृह जिले विदिशा के अध्यक्ष की घोषणा के बाद अब यह कहा जा रहा है कि संगठन पर्व को मकर संक्राती के दिन मनाएगी। आज चुनाव अधिकारी अध्यक्षों के नाम बंद लिफाफों के लेकर अपने अपने जिलों में पहुंचेंगे और सभी नेताओं को संभागीय कार्यालय में बैठाएंगे। लिफाफा खोलने से पहले वादा लेंगे की जो भी नाम निकलेगा सर्वमान्य होगा। फिर बंद लिफाफा खोलकर नये अध्यक्ष का नाम बताएंगे। इतना ही नहीं नाम के ऐलान के बाद एकता बनाए रखने की शपथ भी दिलाई जाएगी। इसमें दो राय नहीं इस बार भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय चुनावों ने जहां जनता के बीच पार्टी को हसी का पात्र बना दिया है, वहीं पार्टी के वरिष्ठ जन पार्टी में बेलगाम होती टूट और फूट से मायूस नजर आ रहे हैं।

21 दिसम्बर से शुरु हुई नगर अध्यक्ष प्रक्रिया में 13 जनवरी को भी पूरी नहीं हो पाई। जिसकी एकमात्र वजह यहां मंत्री, सांसद, विधायकों, वरिष्ठ नेताओं के बीच का मतभेद बताया जा रहा है। आपसी सहमति, रायशुमारी, समन्वय की तमाम कोशिश नाकाम रहीं। जब गेंद प्रादेशिक संगठन के पाले में गई तो वहां भी संभावित बगावत के आगे फैसला लेने में पार्टी विफल नजर आई। अंत में केन्द्रीय संगठन ने वीटो इस्तेमाल करते हुये नाम पर मोहर लगाई। भाजपा नगर अध्यक्ष पद चुनाव ने इस बार न सिर्फ कार्यकर्ताओं के सब्र की परीक्षा ले ली, वहीं भाजपा संगठनात्मक व्यवस्था पर भी प्रश्न चिह्न खड़ कर दिये है। आम जन कहते नजर आ रहे हैं की अब भाजपा कांग्रेस की राह पर है। जहां पार्टी, संगठन नहीं नेता अपनी मर्जी से चलाते हैं। आज जबलपुर भाजपा में हालत यह है कि शीर्ष नेतृत्व को भी एक फैसला करने से फैसले 100 बार सोचना पड़ता है। फैसला करने के पहले फैसले के बाद होने वाले डैमेज को कंट्रोल करने के लिये प्रोग्राम बनाना पड़ता है।

सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से करें : कलेक्टर

जबलपुर।

कलेक्टर दीपक सक्सेना की अध्यक्षता में लंबित पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर नाथूराम गौड़ सहित सभी जिला अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर सक्सेना ने कहा कि जनकल्याण अभियान एक महत्वकांक्षी अभियान है। अतः इस अभियान में प्राप्त आवेदनों का तत्परता से निराकरण करें। सभी शिविरों में अधिकारी तत्परता के साथ प्राप्त आवेदनों का निराकरण करें। उन्होंने कहा कि राजस्व महाअभियान की गंभीरता को समझें और इस पर भी फोकस कर प्रकरणों का निराकरण

करें। इसके अलावा उन्होंने निर्देश दिये कि सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से करें, क्योंकि इसी से जिले की रैंकिंग तय होती है। साथ ही कहा कि प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

16 जनवरी को करेंगे जनसंवाद

कलेक्टर सक्सेना ने कहा कि आर्थिक विकास और रोजगार, महिला सशक्तिकरण, गरीब कल्याण और युवा शक्ति को सशक्त करने के लिए कारगर प्रयास करें। इसके साथ ही विकसित मध्यप्रदेश के लिए प्राप्त सुझावों के आधार पर 16 जनवरी को शाम 4 बजे जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ जनसंवाद कार्यक्रम किया जायेगा। इसमें जिले के विजन डॉक्यूमेंटस पर चर्चा कर जिले की बेहतरी की दिशा में चर्चा की जायेगी।

कायाकल्प अभियान के तहत स्वच्छता, सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं का लिया जाएजा

दिल्ली से स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम विक्टोरिया अस्पताल पहुंची

जबलपुर।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत शासकीय अस्पतालों में चल रहे कायाकल्प कार्यक्रम के अंतर्गत, सोमवार को नई दिल्ली से आई एक तीन सदस्यीय टीम ने सेठ गोविन्ददास अस्पताल का निरीक्षण किया। टीम ने सुबह से लेकर देर शाम तक अस्पताल की स्वच्छता, सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से आकलन किया। अस्पताल प्रबंधन ने कायाकल्प कार्यक्रम में 100 में से 100 अंक प्राप्त करने के उद्देश्य से हर पहलू पर तैयारी की थी, अब यह तैयारी कितनी सफल हुई यह टीम की रिपोर्ट के बाद जारी होने वाले परिणाम से तय होगा।

सोमवार सुबह सबसे पहले टीम के सदस्य सिविल सर्जन डॉ. नवीन कोठारी और अस्पताल मैनेजर अरुण शाह से मिले। इस बैठक में अस्पताल की वर्तमान स्थिति और कायाकल्प कार्यक्रम के उद्देश्यों पर चर्चा की गई। इसके बाद टीम ने अस्पताल परिसर में एक पौधा रोपा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश

दिया। पौधारोपण के बाद टीम ने अस्पताल का निरीक्षण शुरू किया, जहां ओपीडी (आउट पेशेंट डिपार्टमेंट) आदि का दौरा किया।टीम ने ओपीडी में डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल स्टाफ और अन्य कर्मचारियों की उपस्थिति की जांच की। उन्होंने मरीजों के साथ डॉक्टरों और अन्य स्टाफ का व्यवहार भी परखा। टीम ने यह भी देखा कि डॉक्टर मरीजों के साथ किस प्रकार का व्यवहार कर रहे हैं, और प्रत्येक मरीज को इलाज के लिए कितना समय दिया जा रहा है। इसके अलावा, अस्पताल के अन्य कर्मचारियों के साथ उनके व्यवहार का भी मूल्यांकन किया गया।

सफाई पर रहा विशेष ध्यान

अस्पताल परिसर की स्वच्छता और व्यवस्था का भी गहन निरीक्षण किया गया। टीम ने अस्पताल के वातावरण का जायजा लिया, पेड़-पौधों की स्थिति की समीक्षा की और पार्किंग व्यवस्था का अवलोकन किया। इसके बाद टीम ने नेत्र विभाग के ऑपरेशन थियेटर का दौरा किया, जहां हर व्यवस्था की बारीकी से जांच की गई। ऑपरेशन थियेटर की साफ-सफाई, उपकरणों की स्थिति, और कामकाजी माहौल का भी परीक्षण किया गया।

आईसीयू की व्यवस्थाएं देखीं

टीम ने आकस्मिक चिकित्सा विभाग का भी निरीक्षण किया, जहां आपातकालीन स्थितियों में दी जाने वाली चिकित्सा सेवाओं का आकलन किया गया। टीम ने इन सभी विभागों की कार्यप्रणाली और स्वच्छता की स्थिति पर ध्यान केंद्रित किया, ताकि अस्पताल की समग्र गुणवत्ता और सुविधा का आकलन किया जा सके।

जिले में 110 एकड़ क्षेत्र में की जा रही मीठी तुलसी की खेती

कृषि अधिकारियों ने किया स्टीविया की खेती का निरीक्षण

जबलपुर। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत जिले मे स्टीविया (मीठी तुलसी) की खेती को बढावा दिया जा रहा है। जिसके अंतर्गत जिले में 110 एकड़ क्षेत्र जिसमें विकासखण्ड मझौली में 25 एकड में स्टीविया की खेती की जा रही है इस योजनान्तर्गत प्रति किसान को बीज वितरण अनुदान में 10 हजार की राशि कृषि विभाग के माध्यम से कृषकों को प्रदाय किया जाता है।ग्राम खुड़ावल मे निरीक्षण करने पहुंचे सहायक संचालक कृषि रवि कुमार आम्रवंशी एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी जेएस राठौर ने किसान खुशी लाल बर्मन और बैसाखु लाल के एक एकड़ में लगे स्टीविया का निरीक्षण किया। जिसमें उन्होने कृषको को स्टीविया की खेती की संपूर्ण जानकारी दी एवं बताया

कि फूलों के आने पर स्टीविया की पत्तियों से प्राप्त होने वाला उपयोगी पदार्थ स्टीवियोसाइड की मात्रा व गुणवत्ता में कमी आने लगती है, इसलिए फूल आते ही उन्हें तोड़ देना चाहिए। पत्तियों की तुड़ाई वर्ष में तीन से चार बार तक कर सकते है। पत्तियों को सुखाकर पाउडर बना कर उपयोग किया जाता है। निरीक्षण के दौरान कृषि अधिकारियों ने स्टीविया के औषधीय उपयोग के बारे में भी जानकारी देते हुए कहा कि स्टीविया की पत्तियों मे स्टीवियोसाइड तथा रिबोडिओसाइड नामक तत्व पाये जाते है। इसकी पत्तियों शक्कर से 200-300 गुना मीठी होती है और कैलोरी नगण्य होती है।

श्री बर्फानी सिक्योरिटी सर्विसेस के ऊपर लगाया 6 लाख रुपए का दंड

सफाई कार्यों में कोताही बरतने पर निगमायुक्त ने सफाई समिति पर लगाया जुर्माना

जबलपुर। निगमायुक्त प्रीति यादव के द्वारा शहर की सफाई व्यवस्था में अमूलचूल परिवर्तन लाने बेहतर प्रयास किये जा रहे हैं। उनके द्वारा स्पष्ट रूप से सभी को हिदायत दी गई कि सफाई के कार्यों में किसी प्रकार को कोई समझौता नहीं किया जायेगा और न ही कोई कोताही बर्दास्त नहीं की जायेगी।

संभाग क्रमांक 1,2,3, एवं 15 में सफाई संरक्षकों की स्वीकृत संख्या से कम श्रमिक लगाकर कार्य कराने एवं काम बंद हड़ताल के कारण सफाई व्यवस्था प्रभावित हुई

जिसकारण सफाई समिति के विरूद्ध एक बार फिर से निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव द्वारा जुर्माना लगाया गया है। इसके पहले भी श्रीमती यादव ने इस समिति पर पेनाल्टी लगाने की कार्रवाई की थी। आज की कार्रवाई के संबंध में उपायुक्त संभव अयाची एवं स्वास्थ्य अधिकारी संदीप जायसवाल ने बताया कि संभाग क्रमांक 1,2,3, एवं 15 में समिति के द्वारा स्वीकृत संख्या से कम श्रमिक लगाकर कार्य कराये जाने की शिकायतें प्राप्त हो रही थी वहीं श्रमिकों द्वारा की जा रही कामबंद हड़ताल के कारण सफाई कार्य प्रभावित हो रहा था, जिसके कारण समिति के विरूद्ध पेनाल्टी लगाने की कार्रवाई की गयी है। श्री अयाची ने बताया कि निगमायुक्त द्वारा प्रतिदिन शहर की सफाई व्यवस्था का जायजा लेने के साथ-साथ वार्डो में सफाई हेतु उपस्थित सफाई संरक्षकों की उपस्थिति की भी जानकारी ली जा रही है। निरीक्षण और पर्यावेक्षण के दौरान निगमायुक्त ने पाया कि सफाई समिति को संभाग क्रमांक 1,2,3, एवं 15 की सफाई का जिम्मा सौंपा गया है उनके द्वारा अनुबंध के अनुरूप सफाई संरक्षकों स्वीकृत संख्या से कम श्रमिक लगाये गए हैं और न ही सफाई व्यवस्था में कसावट लाने प्रयास किये जा रहे हैं, और श्रमिकों द्वारा कामबंद हड़ताल के कारण सफाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है जिसके कारण निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने श्री बर्फानी सिक्योंरिटी सर्विस नेपियर टाउन जबलपुर के ऊपर लगभग 6 लाख रूपये की पेनाल्टी लगाई गयी है जो माह जनवरी 2025 के देयक से कटौती की जायेगी।

खबर संक्षेप

सांसद दुबे ने किया स्वर्ण प्राशन कैलेंडर का विमोचन

सिहोरा। स्वर्ण प्राशन संस्कार 2025 के अंतर्गत संपूर्ण जबलपुर जिले में स्वर्ण प्राशन की दो बूंद दवा 1 वर्ष से 16 साल तक के बच्चे को पिलाई जाना है सिहोरा ब्लॉक के अंतर्गत भी यह कार्यक्रम डॉक्टर गौरव शाह एवं सौरव सिंह के द्वारा ब्लॉक नोडल अधिकारी के द्वारा आयुष विभाग यह कार्यक्रम किया जा रहा है विगत दिनों जबलपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद आशीष दुबे,विधायक संतोष बडकरे नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती संध्या दिलीप दुबे द्वारा इस कार्यक्रम के अंतर्गत कैलेंडर का विमोचन किया गया कार्यक्रम में राजेश दाहिया, अनुपम सराफ,सतीश पटेल, अनंत नौगरिया,पवन गुप्ता अरुण जैन,मनोज जैन,संजय जैन,सुधीर जैन, सम्मति जैन,राकेश जैन,विनय जैन,अनिल जैन,डॉ डाक्टर राजकुमार जैन,रमेश पटेल एडवोकेट,विनय सिंह परिहार, श्रीमती निशा जैन,जयश्री जैन,मुक्ता,संगीता सिंघई सहित जैन महिला परिषद,प्रसाद सागर सेवा आश्रम, विद्यासागर सेवा आश्रम समिति सदस्य के सदस्य उपस्थित थे।

केव्ही में वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता आयोजित

सिहोरा। वार्षिक शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिताओं के अंतर्गत के के व्ही विद्यालय में खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें छात्र छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर मेडल प्राप्त किया किया। पीटी प्रदर्शन के बाद गेम्स की शुरुआत सैक रेस से की

गई जिसमे छात्रों ने मैडल प्राप्त किये दो दिवसीय उक्त आयोजन में 50 मीटर रेस,100 मीटर रेस,200 मीटर रेस,टॉफी दौड़,बिस्किट दौड़,बोरा दौड़,फ्रॉग रेस,गेट रेडी एंड गो,संगीत कुर्सी,कॉइन रेस,मार्बल रेस,भाला फेंक,तवा फेंक,गोला फेंक,रस्साकशी प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ शुभारम्भ जय प्रकाश तिवारी प्रभारी शास.प्राथमिक शाला, शिक्षक बलराम बर्मन की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या श्रीमती ओम वात्री के द्वारा की गई एवं प्रबंधक निशांत वात्री के निर्देशन में उक्त प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन हुआ। आयोजन को सफल बनाने में समस्त स्टाफ का योगदान रहा।

संस्कारों को पुनर्स्थापित करने के लिए बच्चों में संस्कार लाना बहुत जरूरीः श्रीमती खरे

पाटन। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला समन्वयक प्रदीप तिवारी के निर्देशानुसार ब्लॉक समन्वयक श्रीमति नूपुर खरे के नेतृत्व मे सोमवार को ग्राम उज्जरोड़ में महिला समाज उत्थान समिति नवांकुर संस्था नुनसर सेक्टर 3 के द्वारा संस्कार केंद्र का उदघाटन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि बाल

विकास अधिकारी रत्ना पटेल ने दीप प्रज्वलित किया श्रीमती खरे ने उद्वोदन देते हुए कहा कि आधुनिक काल में भूलते संस्कारो को पुनर्स्थापित करने के लिए बच्चों को वह सब संस्कार केंद्र के माध्यम से सिखाया जाएगा जिनसे वह अपनी संस्कृति में ढल सके। परामर्शदाता यशवन्त सेन ने बच्चों को गायत्री मंत्र का जाप करवाया। कार्यक्रम में बीएसडब्ल्यू, एमएसडब्ल्यू, छात्र, छात्राएं, एवं ग्रामीण जन मौजूद रहे अंत में नवांकुर संस्था प्रतिनिधि श्रीमती अंजना विश्वकर्मा जी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

पाटन। वृंदावन के सुप्रसिद्ध कथा वाचक पूज्य अरविंद महाराज के द्वारा 10 जनवरी से 17 जनवरी के मध्य पाटन के मझगवा ग्राम मेंआयोजित भागवत कथा के तृतीय दिवस पर गुरु-शिष्य महत्व पर प्रकाश डाला। महाराज ने बताया कि अपनी महत्ता के कारण गुरु को ईश्वर से भी ऊँचा पद दिया गया है। शास्त्र वाक्य में ही गुरु को ही ईश्वर के विभिन्न रूपों-

ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश्वर के रूप में स्वीकार किया गया है। कथा का आयोजन सेवाराम झरिया ,जय झरिया प्यारेलाल झरिया ,लीलाधर झरिया ,राजेंद्र झरिया, भोला झरिया ,दुर्जन झरिया कथा के संदर्भ में जानकारी उनके शिष्य रवि ठाकुर द्वारा दी गई।

सीएम राइज विद्यालय परिसर में मनाई गई स्वामी विवेकानंदजी की जयंती

पाटन। पाटन के सी एम राइज विद्यालय में स्वामी विवेकानंद जी की जयंती मनाई गई। इस दौरान सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन भी किया गया। सूर्य नमस्कार के पहले राष्ट्रगीत का आयोजन हुआ जिसके बाद मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के संदेश को भी सभी ने मिलकर सुना। इसके बाद सामूहिक योग का आयोजन हुआ जिसमें सामूहिक सूर्य नमस्कार के

साथ-साथ प्राणायाम, भ्रामरी और अन्य योगासन किए गए। कार्यक्रम में सी एम राइज स्कूल के छात्र-छात्राओ सहित शिक्षक शिक्षिकाएं भी मौजूद रहे। सभी ने मिलकर योग किया और योग के फायदे को भी जाना। इस दौरान पाटन नगर परिषद के अध्यक्ष आचार्य जगेंद्र सिंह ने योग से होने वाले लाभों के बारे में बताया वही पाटन एसडीएम मानवेंद्र सिंह ने भी इस कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान सी एम राइज विद्यालय के प्रिंसिपल अनुज सेन के साथ में सभी शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे। एसडीएम मानवेंद्र सिंह और नगर परिषद अध्यक्ष आचार्य जगेंद्र सिंह का कहना है कि योग के माध्यम से जीवन को संभरा जा सकता है और हमें इसी जीवन का अंग बनाना चाहिए।

एक लड़के ने लड़की पर किया हमला

जबलपुर। कल प्रातः 5.45 पर टेलीग्राफ गेट न 4 सांई बाबा मंदिर लिंक रोड अधिवक्ता धीरज सिंह ठाकुर के मकान के सामने एक लड़की जो महाकौशल हॉस्पिटल में नर्स हैं वह अपने गांव नैनपुर जा रही थी तभी अचानक एक लड़के ने हमला कर दिया। लड़की के चिल्लाने पर लड़का वहां से भाग गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्र के अधिवक्ता धीरज सिंह ठाकुर, मनीष चौकसे, नवीन दुबे आदि ने मदन महल थाने में पीड़िता को ले जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस थाने में अधिवक्ता धीरज सिंह ठाकुर ने कहा की क्षेत्र में आपराधिक घटनाएं बढ़ रही हैं। अतः बदमाशों पर कार्यवाही होनी चाहिए और क्षेत्र में पुलिस गस्त बढ़ाई जाना चाहिए।

प्रदेश स्तरीय कार्यशाला की तैयारियों सहित की विभागीय समीक्षा बैठक

गुणवत्ता एवं कार्यकुशलता सुनिश्चित करने सतत् प्रशिक्षण आवश्यक : मंत्री

हरिभूमि जबलपुर।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए विभागीय इंजीनियरों के नियमित प्रशिक्षण को अत्यधिक महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल दक्षता को बढ़ाते हैं, बल्कि कार्य क्षमता में भी वृद्धि करते हैं। मंत्री सिंह निर्माण भवन में प्रदेश स्तरीय कार्यशाला की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने 17 जनवरी को प्रदेश के सभी संभागों में एक साथ आयोजित होने वाली कार्यशाला, जिसका विषय "सड़क, भवन और पुल निर्माण में गुणवत्ता नियंत्रण और परियोजना प्रबंधन" होगा, की रूपरेखा और क्रियान्वयन के बारे में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मंत्री सिंह ने कहा कि एक विकसित प्रदेश की परिकल्पना को साकार करने में इंजीनियरों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि इंजीनियरों का समय-समय पर प्रशिक्षण किया जाना चाहिए, ताकि वे नवीन निर्माण तकनीकों और समसामयिक विषयों से अवगत रहें।

बैठक में मंत्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्यशाला की सभी तैयारियां समय पर पूरी की जाएं। इसके अलावा, विभाग से संबंधित विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की गई और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में एमडी भवन निर्माण डॉ. पंकज जैन, ईएनसी के.पी.एस. राणा, ईएनसी भवन बघेल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित

सिहोरा। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा चलाये जा रहे सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत महर्षि विद्या मंदिर घाट सिमरिया में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कूल के प्रधानाध्यापक नीरज झा ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि इसका मकसद सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के साथ सड़क दुर्घटना को रोकने के लिए उपाय बताना। प्रोजेक्ट डायरेक्टर अमित लाल साहू के निर्देशन में एवं प्रोजेक्ट मैनेजर क्रांति कुमार इंजीनियर के मुख्यतिथ्य में इंजीनियर सचिन मिश्रा के विशिष्ट अतिथ्य व मैनेजर पृथ्वी राठी के साथ कॉरिडोर मैनेजर प्रेम बल्लभ चमोली, सेफ्टी मैनेजर संदीप कुमार की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर आरकेजीएल प्रोजेक्ट के समस्त स्टाफ उपस्थित था। अधिकारियों ने बताया कि सड़क पर गाड़ी चलाते समय सीट बेल्ट पहनना चाहिए,दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट लगाना चाहिए,ट्रैफिक सग्निल बोर्ड साइन और अनुमत गति सीमाओं का पालन करना चाहिए।एन एच ए आई प्रोजेक्ट मैनेजर क्रांति कुमार ने कहा की रोड में वाहन दुर्घटना ज्यादातर शराब पीकर गाड़ी चलाने से ओर यातायात नियम की सही जानकारी ना होने के साथ अनेक कारणों से भी घटना होती है। इसलिए सड़क पर मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करें,सड़क पार करने के लिए ज़ेबरा क्रॉसिंग का इस्तेमाल करें।कक्षा 5 से 8 वी के छात्राओं के द्वारा सड़क सुरक्षा के तहत विभन्नि प्रकार की प्रतियोगिता कराई गई। बच्चों के द्वारा चित्रकला पोस्टर बनाया गया। टोल प्लाजा के अधिकारियों ने उन्हे ट्राफी भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर टोल प्लाजा के समस्त स्टाफ मौजूद थे।

जम्मू कश्मीर ने नेशनल क्लब मझौली को हराकर किया क्वार्टर फाइनल में प्रवेश

मझौली। अखिल भारतीय लेदर बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता के श्री विष्णु वराह कप के पांचवें लीग मुकाबले में जम्मू कश्मीर ने नेशनल क्लब मझौली को 50 रनों से हराकर तीसरे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में प्रवेश किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आसिफ अली के 65 रनों की 34 गेंदों पर धुआंधार पारी की बदौलत 19.4 ओवर में पूरी टीम 157 के स्कोर पर ऑल आउट हो गई। सनोज ने नेशनल की ओर से 3 विकेट झटके वहीं राहुल जैन ने 2 विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नेशनल की टीम सईद सोनू के पंजे के सामने ताश के पत्तों की तरह बिखर गई और तू चल मैं आया की तर्ज पर सभी बात बल्लेबाज आते जाते रहे। अंत में गोलू ने 23 रनों की पारी और सनोज ने 26 रन बनाए और पूरी टीम 18.4 ओवर में 107 के स्कोर पर ऑलआउट हो गई।सईद सोनू को उनकी गेंदबाजी प्रदर्शन की दम पर मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।पुरस्कार वितरण समारोह में गिरीश पालीवाल राजेंद्र चौरसिया मनोरंजन राय अभिलाष विश्वकर्मा सुरेश ठाकुर आशीष तिवारी धीरज ठाकुर संदीप झारिया शाहिद खान राममिलन राजपूत रामराज राजपूत कपिल झरिया अभिषेक पांडे सहित सभी खिलाड़ी और अतिथियों उपलब्ध रहे। कल छठवां लीग मुकाबला मुकाबला सीधी और कटनी के बीच कल खेला जाएगा।

श्री राधा कृष्ण व विश्वकर्मा भगवान की प्राण प्रतिष्ठा व भंडारा संपन्न

जबलपुर। श्री राधा कृष्ण एवं विश्वकर्मा भगवान मंदिर ट्रस्ट के द्वारा 13 जनवरी को जीबीएम कॉलोनी, जेडीए स्कीम नम्बर 41 विजय नगर में नव निर्मित भवन का उद्घाटन व मूर्ति का प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्री राधा कृष्ण व भगवान श्री विश्वकर्मा की की मूर्ति का 10 जनवरी को जलाधिवास व पुष्पाधिवास, 11 जनवरी को मूर्तियों का अन्नाधिवास व फलाधिवास, 12 जनवरी को भागवान की प्रतिमाओं को बैण्ड, बाजे व शहनाई के साथ प्राण प्रतिष्ठा स्थल तक पहुंचाया गया और 13 जनवरी को प्राण-प्रतिष्ठा के साथ भव्य आयोजन और भण्डारा व आदि धार्मिक आयोजन किए गए। यह आयोजन प्रातः 8 बजे से लेकर रात्रि 8 बजे किए गए। श्री राधा कृष्ण एवं विश्वकर्मा भगवान मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष सी एल विश्वकर्मा, सचिव छन्नू लाल विश्वकर्मा, कोषाध्यक्ष कृष्ण गोपाल विश्वकर्मा, रमेश विश्वकर्मा, निरंजन विश्वकर्मा, मधुसूदन विश्वकर्मा, ऋषि विश्वकर्मा, राजेश विश्वकर्मा आदि ने सबका आभार व्यक्त किया है।

शिक्षकों ने क्रमोन्नति में विलम्ब पर जताया आक्रोश, सौंपा ज्ञापन

सिहोरा। लोक शिक्षण संचालनालय आदेश करता है कि मार्गदर्शन मांगने की प्रवत्ति छोड़ एक हफ्ते में शिक्षकों की क्रमोन्नति आदेश जारी करो पर जिला स्तर के अधिकारी किसी न किसी बहाने शिक्षकों के लाभ को रोकने का काम कर रहे है।नाराज शिक्षको ने सोमवार को स्कूलों में शिक्षण कार्य करने के बाद एकत्र हो मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर विभाग के इस कार्यप्रणाली का विरोध किया और जिम्मेदार अधिकारियों को चिन्हित कर कार्यवाही की मांग की।

सिहोरा विकासखंड के शिक्षकों ने पहले तो पूरे दिन स्कूलों में अपनी ड्यूटी कर अपना कर्तव्य निभाया और फिर शाम 5 बजे अपने अधिकार के लिए सड़क पर उतरे।बस स्टेंड सिहोरा से अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय तक राज्य शिक्षक संघ के बैनर तले शिक्षको ने रैली निकाली और एसडीएम सिहोरा को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। संघ के तहसील अध्यक्ष अरविंद उपाध्याय ने बताया कि क्रमोन्नति के पात्र शिक्षकों के क्रमोन्नति आदेश में अकारण विलंब किया जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी और जेडी कार्यालयों द्वारा शासन के आदेशों की गलत व्याख्या भी किए जाने की बाते सामने आ रही है जिससे शिक्षकों में खासा आक्रोश है। इस अवसर पर संघ की निर्मला चौबे,मनीषा दुबे,कुमुद चौबे,अंजू दुबे,आशमा अंसारी,आशीष चौबे,संदीप तिवारी,नरेंद्र खम्परिया,रवि दुबे,संजीव गुप्ता,समीर गुप्ता,दीपक गौतम,राजेंद्र दुबे, दीपक सोनी,उमेश सैनी, मनोज मिश्रा,सतीश मिश्रा,अखिलेश दहिया, मुकेश सेन,सोमनाथ कुशवाहा,नारायण तिवारी,लल्लू लाल पटैल,रत्नेश बड़गैया,सतीश गर्ग,सुनील तिवारी,प्रमोद नामदेव,आशीष दुबे,प्रवीण तिवारी,मनोज कोरी,आशीष राणा सहित अनेक शिक्षक मौजूद रहे।

किसान संघ ने केंद्रीय कृषि मंत्री से की मुलाकात

नये किसानों के नाम सम्मान निधि में जोड़ने की मांग

जबलपुर। केन्द्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से भारतीय किसान संघ मध्यप्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने भोपाल में मुलाकात की। किसान व कृषि के विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा की जानकारी देते हुए भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेन्द्र सिंह पटेल ने बताया कि भारतीय किसान संघ ने केंद्रीय कृषि मंत्री के समक्ष प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में पर्याप्त बढोत्तरी करने व नये किसानों के नाम किसान सम्मान निधि में जोडने की बात रखी। जिस पर केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने आवश्यक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। इसके साथ ही प्रतिनिधि मंडल में शामिल महाकौशल प्रांत संगठन मंत्री भरत पटेल व प्रदेश उपाध्यक्ष ओम नारायण पचौरी ने फसल बीमा में सुधार करने, नकली खाद

व बीज बेचने वालों पर कड़ी सजा का प्रावधान करने की मांग रखी। श्रीअन्न (मिलेट्स) की खरीदी न होने से जनजातीय क्षेत्रों के किसानों की समस्या से अवगत कराया। इसके साथ ही श्रीअन्न की खरीदी सुनिश्चित करने और जबलपुर में आयोजित हुई मुख्यमंत्री मोहन यादव की प्रथम कैबिनेट बैठक में श्रीअन्न उत्पादक किसानों को 10 रुपए प्रति किलो प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा को पूरा करने का आग्रह किया। प्रतिनिधि मंडल में शामिल मध्यप्रदेश के तीनों प्रांतों के किसान संघ पदाधिकारियों ने बासमती धान खरीदी, सोयाबीन खरीदी व अतिवृष्टि से हुए फसलों के नुकसान की समीक्षा करने और किसानों की विभिन्न समस्याओं को रखते हुए उनके निराकरण की मांग की।

इस अवसर पर अखिल भारतीय कार्यकारी अध्यक्ष रामभरोस वसोतिया, मध्यक्षेत्र संगठन मंत्री महेश चौधरी, प्रदेश महामंत्री चंद्रकांत गौर, प्रदेश मंत्री दिनेश पाटीदार, प्रदेश उपाध्यक्ष ओम नारायण पचौरी, प्रदेश मंत्री योगेंद्र भामू, प्रदेश मंत्री व प्रदेश जैविक प्रमुख जगराम सिंह यादव, एवं भोपाल महानगर अध्यक्ष डाक्टर अश्विन जी की उपस्थित उल्लेखनीय रही।

ऑप्टिकलस रेस प्रतियोगिता में आयुष को प्रथम स्थान

जबलपुर। एस नर्सरी स्कूल द्वारा ऑप्टिकलस रेस प्रतियोगिता कराई गई जिसमें आयुष साहू का फर्स्ट रैंक लगा सेकंड रैंक दीप शिखा डायरेक्टर यश नर्सरी के डॉक्टर विजयकांत तिवारी और पार्षद विमल राय द्वारा मेडल पहनाकर और सर्टिफिकेट प्रदान किया गया बच्चों का मनोबल बढ़ाया गया और आगे भी खेल कूद में प्रोत्साहित करने का मार्गदर्शन दिया गया।

मेडिकल छात्रों की शिक्षा के लिये सौंपी देह

वरिष्ठ संपादक महेश महदेले नहीं रहे

जबलपुर। शहर के वरिष्ठतम कार्यरत पत्रकार महेश महदेले का सोमवार को निधन हो गया। मृत्यु पूर्व उनकी इच्छा के अनुरूप पार्थिव शरीर मेडिकल कॉलेज में चिकित्सा शिक्षा के लिये सौंपा गया। श्री महदेले ने जबलपुर के हितवाद/ज्ञानयुग प्रभात से अपने पत्रकारिता कैरियर की शुरुआत की थी। यह भी संभव है कि उससे पूर्व भी वे पत्रकारिता में आ चुके हों। उस समय के उनके हितवाद, ज्ञानयुग प्रभात के समकालीन साथी बताया करते थे कि महेश महदेले तब चीफ सब एडीटर थे। वे स्वतंत्र मत में कार्यरत सबसे वयोवृद्ध संपादक थे,उनकी विलक्षण संपादकीय दृष्टि थी। महेश महदेले ने अपनी देहदान करने का संकल्प लिया था जिसको उनके परिजनों ने पूर्ण किया। उनके निधन पर शहर के पत्रकारों, छायाकारों ने शोक संवेदना प्रकट की है। देहदान के दौरान डॉ. एलएन अग्रवाल, स्वतंत्र मत के संपादक राजेन्द्र मिश्रा, वरिष्ठ छायाकार अनिल तिवारी, विवेक यादव, राहुल पांडे, गजराज महदेले, सम्राट महदेले मौजूद थे।

ट्रांसको प्रीमियर क्रिकेट लीग आज से

जबलपुर। एम.पी. ट्रांसको (मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) के मुख्यालय जबलपुर में अंतर विभागीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत "ट्रांसको प्रीमियर क्रिकेट लीग -2025" का आयोजन 14 जनवरी से 18 जनवरी 2025 तक होने जा रहा है। टेनिस बॉल से खेली जाने वाली इस प्रतियोगिता के सभी लीग एवं फाइनल मुकाबले रामपुर स्थित पांडुताल खेल प्रांगण में होंगे। इस प्रतियोगिता में तीन महिला टीम, वेंडर्स की एक टीम सहित कुल सात टीमें हिस्सा ले रही है। प्रतियोगिता का उद्घाटन एम पी ट्रांसको के प्रबंध संचालक इंजीनियर सुनील तिवारी दोपहर12 बजे करेंगे।

श्री सुघर लाल गुप्ता- शिवनगर गढ़ा निवासी श्री सुघर लाल गुप्ता (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सतीश साहू- सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री शारदा साहू के पुत्र श्री सतीश साहू (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री रवि क्षीरसागर- न्यू ग्रीन सिटी निवासी श्री रवि क्षीरसागर (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

डॉ. शोएब अली खान- शरफाबाद आनन्द नगर निवासी अशरफ अली खान, पूर्व पार्षद आजम अली खान और अफजल अली खान के पिता डॉक्टर शोएब अली खान साहब का निधन हो गया। अंतिम यात्रा उनके निज निवास से प्रारम्भ होकर नमाजे जनाजा सुब्बाशाह मस्जिद में अदा उपरांत सुपुर्देखाक मंडी कब्रिस्तान में किया गया।

श्रीमती ललता बाई टाकुर- गली नं. 3 बाई का बगीचा घमापुर निवासी श्रीकृष्ण ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती ललता बाई ठाकुर (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री नरेंद्र कुमार रघुवंशी- मदनमहल स्टेशन रोड राइट टाउन निवासी श्री नरेंद्र कुमार रघुवंशी (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री बाल स्वरूप सोनकर- भरतीपुर निवासी श्री बाल स्वरूप सोनकर (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती लक्ष्मी बाई गुप्ता- नया मोहल्ला जयंती विनीत के बाजू वाली गली निवासी श्री गुलाब चंद गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी बाई गुप्ता (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुभद्रा चक्रवर्ती- भानतलैया बकरा मार्केट निवासी श्री सीताराम चक्रवर्ती की धर्मपत्नी श्रीमती सुभद्रा चक्रवर्ती (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कमला रजक- कृष्णा कॉलोनी धोबीघाट कजरवारा निवासी श्री दीपचंद रजक की धर्मपत्नी श्रीमती कमला रजक (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती रामदुलारी रैकवार- चांदमारी तलैया लालमाटी निवासी श्री रामचरन रैकवार की धर्मपत्नी श्रीमी रामदुलारी रैकवार का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सुरेश गुप्ता- बगीचा नं. 66 सदर निवासी श्री सुरेश गुप्ता (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रमेश चंद्र तिवारी- बाई का बगीचा घमापुर शंकर मंदिर के पास निवासी श्री रमेश चंद्र तिवारी (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राम किशोर पटेल- रामपुर पटेल मोहल्ला निवासी श्री राम किशोर पटेल (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती रेखा दुबे- छोटी ओमती निवासी श्री अरुण कुमार दुबे की धर्मपत्नी श्रीमती रेखा दुबे (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री रितेश प्रजापति- दुर्गा नगर रामपुर निवासी श्री चंद्र प्रकाश प्रजापति के पुत्र श्री रितेश प्रजापति (38) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती राजलक्ष्मी नायडू- साकार कॉलोनी सैनिक सोसायटी निवासी श्री मुकेश नायडू की धर्मपत्नी श्रीमती राजलक्ष्मी नायडू (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती विजय चौहान- आमनपुर मदनमहल निवासी श्री रवि चौहान की धर्मपत्नी श्रीमती विजय चौहान (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री भारत यादव- 337, सैनिक सोसायटी शक्तिनगर निवासी श्री भारत यादव (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री रामचरण मरावी- ग्वारीघाट पानी की टंकी के पास निवासी श्री रामचरण मरावी (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए

अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.

फिक्स साइजः-	8x4 से.मी.	ब्लैक&व्हाईट	300/-
फिक्स साइजः-	8x4 से.मी.	रंगीन	400/-
फिक्स साइज	10x8 से.मी.	रंगीन	1000/-

सम्पर्क करें विज्ञापन विभागः-0761-4048310, 2757175

बफे की 10,71,408 करोड़ की संपत्ति उनके बच्चे संभालेंगे, गेट्स को नहीं मिलेगा पैसा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों में से एक वॉरेन बफे ने अपनी प्रॉपर्टी के बटवारे को लेकर नया प्लान बनाया है। उन्होंने हाल ही में दिए एक मीडिया इंटरव्यू में बताया कि वो अपनी सारी संपत्ति अब चौरिटेबल ट्रस्ट को ही देंगे, जिसे उनके बच्चे सूसी, हॉवी और पीटर संभालेंगे। उनके पैसे अब बिल गेट्स के ट्रस्ट को नहीं दिए जाएंगे। वॉरेन बफे दुनिया के मशहूर निवेशक हैं। उन्होंने कई सारी बड़ी कंपनियों में निवेश किया है और खुद बर्कशायर हैथवे के सीईओ हैं। अब उनकी बची हुई प्रॉपर्टी को जिस ट्रस्ट को दिया जाएगा वह उनके तीनों बच्चे मिलकर चलाएंगे। वही यह फैसला लेंगे कि पैसे कहां और कितने खर्च करने हैं।

- प्रापर्टी जिस ट्रस्ट को दी जाएगी उस ट्रस्ट को तीनों बच्चे मिलकर चलाएंगे

वॉरेन बफे ने अपने बच्चों को बिजनेस के बारे में और आगे काम कैसे करना है इसके बारे में भी सुझाव दिए हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया में करीब 8 अरब लोग हैं लेकिन उन सब में वह और उनके बच्चे सबसे ज्यादा लकी हैं।

दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति वॉरेट बफे ने हाल में एक इंटरव्यू में कहा

बच्चे पहले ही कई फाउंडेशन चला रहे

वॉरेन बफे की बची हुई 10,71,408 करोड़ की सारी प्रॉपर्टी अब उनके बच्चों के द्वारा ही मैनेज की जाएगी। उनके बच्चे पहले भी कई सारे अपने अलग-अलग फाउंडेशन चला रहे हैं, जिसमें वह सभी अच्छा काम भी कर रहे है। यही सब देखते हुए बफे ने अपने बच्चों पर भरोसा जताया और अपनी सारी कमाई उनके द्वारा चलाए जाने वाले ट्रस्ट को देने का फैसला किया है।

वॉरेन बफे | बिल गेट्स

बिल एंड मिलिंडा गेट्स को नहीं मिलेगा अब दान

वॉरेन बफे ने बिल गेट्स के फाउंडेशन बिल एंड मिलिंडा गेट्स को साल 2006 से अब तक करीब 39 अरब डॉलर दान दिए हैं। लेकिन, उन्होंने कहा कि मेरी मौत के बाद अब गेट्स फाउंडेशन को कोई और पैसा नहीं दिया जाएगा। अब उनका पूरा फोकस उनके बच्चों पर ही होगा।

बफे के मूल्यों को आगे बढ़ाएगा ट्रस्ट

सूसी बफे ने कहा है कि हमने अभी ट्रस्ट के मूल्यों के बारे में ठीक तरीके से योजनाएं नहीं बनाई हैं, लेकिन ट्रस्ट का मकसद पैसे बनाने का नहीं होगा। इसके जरिए वॉरेन बफे ने जिस तरीके से दान किए हैं उनके जो मूल्य हैं उनको बढ़ाने का काम किया जाएगा।

खबर संक्षेप

गोदरेज प्रॉपर्टीज को 1,300 करोड़ के आय की उम्मीद

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड को हैदराबाद में अपनी पहली आवासीय परियोजना से करीब 1,300 करोड़ रुपये की आय की उम्मीद है। हैदराबाद में अपनी पहली प्रीमियम आवासीय परियोजना 'गोदरेज मैडिसन एवेन्यू' की शुरुआत की घोषणा की।

देश के रियल एस्टेट में 11.4 अरब डॉलर निवेश

नई दिल्ली। भारतीय रियल एस्टेट में पिछले वर्ष 11.4 अरब डॉलर का इक्विटी निवेश आया। यह सालाना आधार पर 54 प्रतिशत अधिक है। रियल एस्टेट परामर्श कंपनी सीबीआरई ने कहा कि इसमें सबसे ज्यादा निवेश डेवलपर्स और संस्थागत निवेशकों ने किया है। भूमि अधिग्रहण के साथ-साथ रियल एस्टेट के सभी परिसंपत्ति वर्गों के विकास में हुई है।

मैक्रोटेक डेवलपर्स बेंगलुरु में 2800 करोड़ निवेश करेगी

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी मैक्रोटेक डेवलपर्स ने अपनी विस्तार योजना के तहत 2,800 करोड़ रुपये की आवासीय परियोजना के विकास के लिए बेंगलुरु में लगभग 20 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया है। खरीद के माध्यम से भूमि का अधिग्रहण कर रही है। कुल में से लगभग 20 एकड़ भूमि बेंगलुरु में अधिग्रहीत की गई है।

बायोगैस उत्पादन पर कर छूट चाहता है कॉरपोरेट

नई दिल्ली। भारतीय बायोगैस एसोसिएशन (आईबीए) ने वित्त मंत्रालय से आगामी आम बजट में कंप्रेस्ड (संपीड़ित) बायोगैस (सीबीजी) उत्पादन के लिए पूरी तरह कॉरपोरेट कर की छूट देने की मांग की है। निवेश आकर्षित करने में मदद मिलेगी और नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोत को बढ़ावा देने का लक्ष्य हासिल हो सकेगा।

वीवर्क इंडिया ने राइट्स इश्यू से जुटाए 500 करोड़

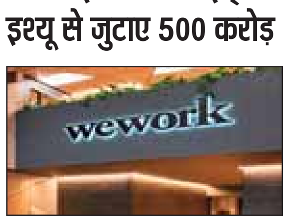

नई दिल्ली। काम करने की साझा जगह प्रदान करने वाली कंपनी वीवर्क इंडिया ने कर्ज कम करने और भविष्य में वृद्धि हासिल करने के लिए राइट्स इश्यू के जरिये 500 करोड़ रुपये जुटाये हैं। वीवर्क इंडिया में रियल एस्टेट कंपनी एम्बेसी ग्रुप की 73 प्रतिशत, जबकि वीवर्क ग्लोबल की 27 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

स्टैन्डर्ड ग्लास 26 फीसदी उछाल के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। स्टैन्डर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 140 रुपये से करीब 26 प्रतिशत उछाल के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 25.71 प्रतिशत की बढ़त के साथ 176 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 29.78 प्रतिशत बढ़कर 181.70 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर यह 22.85 प्रतिशत चढ़कर 172 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ।कंपनी का बाजार मूल्यांकन 3,541.97 करोड़ रुपये रहा।

खुदरा महंगाई दिसंबर में घटकर 5.22 फीसदी पर आई

महंगाई के मोर्चे पर आम आदमी को राहत खुदरा महंगाई 4 महीने के निचले स्तर पर

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत में खुदरा महंगाई दर दिसंबर में थोड़ी घटकर 5.22 फीसदी पर आ गई, जो नवंबर में 5.48 फीसदी थी। यह गिरावट मुख्य रूप से खाद्य वस्तुओं की कीमतों में कमी के कारण हुई। रॉयटर्स के एक सर्वे ने दिसंबर में महंगाई दर 5.3 फीसदी तक गिरने का अनुमान लगाया था।

हालांकि, एक्सपर्ट्स का कहना है कि महंगाई दर आरबीआई के 4 फीसदी के मध्यम अवधि के लक्ष्य तक 2026 के दूसरे हिस्से से पहले नहीं पहुंचेगी। दिसंबर में ग्रामीण महंगाई दर 5.76 फीसदी रही, जो नवंबर में 9.10 फीसदी थी। शहरी महंगाई दर भी घटकर 4.58 फीसदी पर आ गई, जो पिछले महीने 8.74 फीसदी थी।

खाद्य महंगाई घटकर 8.39 फीसदी

खाद्य महंगाई, जो सीपीआई (उपभोक्ता मूल्य सूचकांक) में लगभग आधा हिस्सा रखती है, दिसंबर में घटकर 8.39 फीसदी पर आ गई, जो नवंबर में 9.04 फीसदी थी. सब्जियों की कीमतों में 26.56 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो नवंबर में 29.33 फीसदी और अक्टूबर में 42.18 फीसदी थी।

शक्तिकांत दास ने पहले ही बता दिया था

इंफ्लेशन के आउटलुक को लेकर दिसंबर में आरबीआई के तत्कालीन गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था कि खाद्य महंगाई वित्तीय वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही तक हाई रह सकती है और चौथी तिमाही में कम होने के संकेत दे सकती है। उन्होंने कहा था, 'महंगाई उपभोक्ताओं की डिस्पोजेबल आय कम कर देती है।'

- नवंबर 2024 में खुदरा महंगाई 5 .48 फीसदी पर थी
- गिरावट मुख्य रूप से खाद्य वस्तुओं की कीमतों में कमी के कारण
- शहरी महंगाई दर भी घटकर 4 .58 फीसदी पर आ गई

आरबीआई ने विकास दर का अनुमान घटाया था : आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने दिसंबर में चालू वित्त वर्ष के लिए विकास दर का अनुमान 7.2 फीसदी से घटाकर 6.6 फीसदी कर दिया था, जबकि महंगाई अनुमान 4.5 फीसदी से बढ़ाकर 4.8 फीसदी कर दिया था।

ब्याज दरों में कटौती का अनुमान

हालांकि, फरवरी में ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की कटौती का अनुमान है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह अर्थव्यवस्था को समर्थन देने के लिए किया जाएगा, क्योंकि जुलाई-सितंबर तिमाही में विकास दर 5 फीसदी से थोड़ी ऊपर रही।

दालों की महंगाई दर 3.83 फीसदी रही

हालांकि, अनाज की महंगाई दर दिसंबर में 9.67 फीसदी हो गई, जो नवंबर में 6.88 फीसदी थी। दालों की महंगाई दर 3.83 फीसदी रही, जो नवंबर में 5.41 फीसदी थी। सब्जियों और अन्य खाद्य पदार्थों की ऊंची कीमतों ने हाल के महीनों में महंगाई को ऊपर बनाए रखा है।

म्यूचुअल फंड ने एनएफओ के जरिए 1.18 लाख करोड़ जुटाए

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- कंपनियों ने 239 नई कोष पेशकश कर यह राशि जुटाई

परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों ने 2024 में 239 नई कोष पेशकश (एनएफओ) के जरिये 1.18 लाख करोड़ रुपये जुटाए हैं। इसमें क्षेत्र या विषय पर आधारित इक्विटी फंड निवेशकों की पहली पसंद बनकर उभरे। सोमवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

जर्मिनेट इन्वेस्टर सर्विसेज रिसर्च की तरफ से जारी रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2024 में म्यूचुअल फंड योजनाओं का संचालन करने वाली परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमसी) ने 239 एनएफओ लाकर 1.18 लाख करोड़ रुपये जुटा लिए। इसके पहले वर्ष 2023 में 212 एनएफओ के जरिये 63,854 करोड़ रुपये और 2022 में 228 एनएफओ के जरिये 62,187 करोड़ रुपये जुटाए गए थे। कोविड-19 महामारी से बुरी तरह प्रभावित वर्ष 2020 में 81 नई पेशकशों के जरिये एएमसी ने 53,703 करोड़ रुपये जुटाए थे। एनएफओ जारी करने की दर में तेजी का यह रुझान एक मजबूत वृद्धि पथ और निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। आमतौर पर एनएफओ बाजार में तेजी के माहौल में लाए जाते हैं जब निवेशकों की धारणा उच्च और आशावादी होती है। निवेशकों के इस आशावादी रुझान का फायदा उठाने और निवेश को आकर्षित करने के लिए एनएफओ शुरू किए गए थे। उद्योग विशेषज्ञों ने कहा कि शेयर बाजार के प्रदर्शन के साथ-साथ निवेशकों की सकारात्मक धारणाओं के कारण 2024 में एनएफओ के जरिये अधिक राशि जुटाई गई।

ईटीएफ में निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी

रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल क्षेत्र-विशेष या विषय-आधारित कोष, इंडेक्स फंड और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) ने निवेशकों की खासी दिलचस्पी हासिल की। रिपोर्ट कहती है, ''इस दौरान 53 एनएफओ ने 79,109 करोड़ रुपये जुटाए और ये फंड निवेशकों की पहली पसंद बनकर उभरे।''

देश में पिछले साल 2,200 एकड़ से अधिक जमीन के सौदे हुएः रिपोर्ट

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- वर्ष 2023 में लगभग 1,900 एकड़ जमीन के सौदे हुए थे
- इसमें 2000 एकड़ के सौदे देश के प्रमुख आठ शहरों में हुए

भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में बढ़ती मांग पूरी करने के लिए रियल एस्टेट डेवलपर द्वारा पिछले साल 2,200 एकड़ से अधिक के जमीन के सौदे किए। सोमवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

रियल एस्टेट सलाहकार फर्म सीबीआरई की रिपोर्ट से पता चलता है कि वर्ष 2024 में 2,200 एकड़ से अधिक भूमि सौदे हुए जबकि इससे पहले वर्ष 2023 में लगभग 1,900 एकड़ जमीन के सौदे हुए थे। पिछले साल हुए कुल भूमि सौदों में से लगभग 2,000 एकड़ के सौदे देश के आठ प्रमुख बाजारों- दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, मुंबई, चेन्नई, पुणे, हैदराबाद, कोलकाता एवं अहमदाबाद में हुए। 2024 में खरीदी गई जमीन में से लगभग 1,200 एकड़ भूमि आवासीय परियोजनाओं, लगभग 580 एकड़ भूमि औद्योगिक एवं गोदाम पार्कों के लिए और 200 एकड़ भूमि डेटा केंद्रों के लिए है। सीबीआरई के भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया, पश्चिम एशिया एवं अफ्रीका खंड के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अंशुमान मैगजीन ने कहा, ''विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों में भूमि सौदों में उल्लेखनीय वृद्धि भारत के रियल एस्टेट बाजार में निवेशकों के मजबूत विश्वास को दर्शाती है।'' बढ़ते शहरीकरण, अनुकूल नीतियों और घर खरीद पाने की बढ़ती क्षमता के कारण आवासीय क्षेत्र में तेजी आ रही है।

दिल्ली सौदों के मामले में सबसे आगे रहा

सौदों की संख्या के मामले में दिल्ली-एनसीआर करीब 40 सौदों के साथ सबसे आगे रहा। आठ प्रमुख आवासीय बाजारों में करीब 135 जमीन सौदे हुए। क्रेडाई एनसीआर के महासचिव गौरव गुप्ता ने कहा, ''अपनी रणनीतिक स्थिति और बुनियादी ढांचे के विकास के साथ एनसीआर में और भी अधिक निवेश एवं विकास देखने को मिलेगा।''

राष्ट्रीय जलमार्गों पर होगा 50,000 करोड़ का निवेश...

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जलमार्गों पर बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए अगले पांच वर्षों में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। बयान के अनुसार, काजीरंगा के कोहोरा में अंतर्देशीय जलमार्ग विकास परिषद (आईडब्ल्यूडीसी) की बैठक में निवेश प्रस्तावों की घोषणा की गई। बयान में कहा गया है, 'आईडब्ल्यूडीसी, राष्ट्रीय जलमार्गों पर बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे के उन्नयन के लिए पांच वर्षों में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। आईडब्ल्यूडीसी का आयोजन भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) द्वारा किया गया था। आईडब्ल्यूएआई बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) के तहत जलमार्गों के विकास के लिए नोडल एजेंसी है।

चीन के निर्यात में दिसंबर में 10.7 प्रतिशत की वृद्धि

- ट्रंप के व्यापार शुल्क लगाने की चेतावनी से अनिश्चितता

एजेंसी ⏭ हांगकांग

चीन के निर्यात में दिसंबर 2024 में सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। अमेरिका के नव-निर्वाचित. राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार शुल्क लगाने की चेतावनी से उत्पन्न अनिश्चितता के बीच चीन के कारखानों ने ऑर्डरों को पूरा करने में तेजी दिखाई है जिससे देश के निर्यात में बढ़ोतरी दर्ज की गई।

अर्थशास्त्रियों ने दिसंबर 2024 में इसमें करीब सात प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया था। इस अवधि में चीन का आयात भी अनुमान से अधिक रहा और इसमें एक प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसमें 1.5 प्रतिशत की कमी का अनुमान था। गौरतलब है कि ट्रंप ने चीन की उन वस्तुओं पर 10 प्रतिशत शुल्क लगाने का संकल्प किया है, जिनका उपयोग निर्यातक वर्तमान में अमेरिका में अपने उत्पादों को सस्ते दामों पर बेचने के लिए करते हैं। आयात की तुलना में निर्यात अधिक होने से चीन का व्यापार अधिशेष बढ़कर 104.84 अरब डॉलर हो गया।

जीडीपी में हो रही वृद्धि से कंपनियों के लिए कर्ज होगा सुलभ : फिच

- बैंक क्षेत्र की वित्तीय स्थिति में आया सुधार
- कर्ज लेने से जुड़े मानदंडों में सुधार की उम्मीद

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

साख तय करने वाली फिच रेटिंग्स ने सोमवार को कहा कि भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगातार हो रही वृद्धि, बैंक क्षेत्र की वित्तीय स्थिति में सुधार और 2025 में ब्याज दर में कटौती की उम्मीद वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनियों के लिए कर्ज लेने को सुलभ बनाएगी।

उच्च पूंजीगत व्यय के बावजूद, कर पूर्व आय मार्जिन व्यापक होने से अगले वित्त वर्ष (अप्रैल 2025-मार्च 2026) में रेटिंग प्राप्त भारतीय कंपनियों के कर्ज लेने से जुड़े मानदंडों में सुधार की उम्मीद है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर जोखिमों, भारतीय रुपये की विनिमय दर में लगातार गिरावट के दबाव के बीच ऊर्जा की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि होने पर नकारात्मक जोखिम पैदा हो सकता है।

कंपनियों के लिए मांग बेहतर होगी

रिपोर्ट के अनुसार, ''हमें उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत की सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि 6.5 प्रतिशत होगी और मजबूत बुनियादी ढांचा खर्च के साथ सीमेंट, बिजली, पेट्रोलियम उत्पादों, इस्पात और इंजीनियरिंग और निर्माण (ई एंड सी) कंपनियों के लिए मांग बेहतर होगी।''

भारत में ईवी की पहुंच में आएगी तेजी : हुंडई

एजेंसी ⏭ चेन्नई

- हुंडई इंडिया के सीईओ गर्ग ने वर्ष 2025-26 के लिए जताई उम्मीद
- कंपनी एसयूवी क्रेटा के ईवी संस्करण के लिए तैयार है

हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) तरुण गर्ग ने कहा कि कंपनी को 2025 और 2026 में देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की पहुंच के तेजी से बढ़ने की उम्मीद है।

कंपनी अपनी लोकप्रिय एसयूवी क्रेटा के ईवी संस्करण के साथ इलेक्ट्रिक वाहन खंड में प्रवेश करने के लिए तैयार है। इसकी भविष्य में चार इलेक्ट्रिक वाहन और लाने की भी योजना है। गर्ग ने बातचीत में कहा, '' भारत विद्युतीकरण के शुरुआती चरण में है। पिछले साल हमने करीब 2.4 प्रतिशत विद्युतीकरण देखा। मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि 2025 और 2026 इलेक्ट्रिक वाहनों की पहुंच में तेजी आएगी और क्रेटा ईवी इसमें अग्रणी भूमिका निभाएगी।

वर्ष 2024 में भारतीय यात्री वाहन खंड में करीब 43 लाख इकाइयों की रिकॉर्ड बिक्री हुई।

ई विटारा को भी पेश करने की तैयारी : हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) के एक आंतरिक अध्ययन तथा ''कुछ बाहरी सलाहकारों'' के विचारों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि 2030 तक ईवी की पहुंच 17 प्रतिशत हो सकती है। हुंडई क्रेटा ईवी के अलावा मारुति सुजुकी इंडिया 17-22 जनवरी तक आयोजित होने वाले 'भारत मोबिलिटी ग्लोबल' के ऑटो शो 2025 में अपनी पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी 'ई विटारा' को भी पेश करने को तैयार है।

हुंडई देश भर में 10 हजार चार्जिंग पाइंट जोड़ेगी

गर्ग ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन ग्राहकों के समक्ष आने वाली चार्जिंग संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए एचएमआईएल ने एक चार्जिंग प्रबंधन प्रणाली ऐप विकसित किया है, जो न केवल हुंडई ग्राहकों को बल्कि गैर-हुंडई ग्राहकों को भी देश भर में 10,000 चार्जिंग पॉइंट से जोड़ता है।

सीमा शुल्क स्लैब को 40 से घटाकर पांच फीसदी करने की मांग

बजट में सीमा शुल्क ढांचे को आसान बनाने का सुझाव

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- आयात बिलों में कटौती व कच्चे माल पर कम कर लगाया जाए

शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने सोमवार को कहा कि आगामी बजट में सरकार को सीमा शुल्क स्लैब को 40 से घटाकर पांच करके शुल्क संरचना आसान बनाने के साथ यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आयात बिलों में कटौती, विनिर्माण एवं निर्यात को बढ़ाने के लिए कच्चे माल पर कम कर लगाया जाए।

जीटीआरआई ने एक रिपोर्ट में भारत के सीमा शुल्क ढांचे को परिष्कृत करने, अंतरराष्ट्रीय जांच से बचने और शुल्क को राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप रखने के लिए शुल्क नीतियों की अंतर-मंत्रालयी समीक्षा की मांग की।

कच्चे माल पर कम कर लगाया जाए

रिपोर्ट कहती है, ''सीमा शुल्क के स्लैब को 40 से घटाकर पांच पर लाना, अधिकतम शुल्क को 50 प्रतिशत पर सीमित करना और यह सुनिश्चित करना कि कच्चे माल पर तैयार माल की तुलना में कम कर लगाया जाए, आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देगा, आयात निर्भरता को कम करेगा और निर्यात बढ़ाने में मदद करेगा।'

शुल्क के पुनर्मूल्यांकन का वक्त आ गया

जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि सीमा शुल्क की घटती हिस्सेदारी के बीच घरेलू विनिर्माण एवं वैश्विक व्यापार का समर्थन करने के लिए एक रणनीतिक साधन के तौर पर अब शुल्क के पुनर्मूल्यांकन का वक्त आ गया है। रिपोर्ट को श्रीवास्तव ने व्यापार विशेषज्ञ सतीश रेड्डी के साथ मिलकर तैयार किया है।

सीमा शुल्क 10 फीसदी तक कम किया जाए

जीटीआरआई ने देश के औसत सीमा शुल्क को लगभग 10 प्रतिशत तक कम करने का सुझाव देते हुए कहा कि इस मकसद को किसी बड़े राजस्व नुकसान के बगैर भी हासिल किया जा सकता है। फिलहाल 85 प्रतिशत शुल्क राजस्व केवल 10 प्रतिशत आयात शुल्क श्रेणियों से आता है, जबकि 60 प्रतिशत शुल्क श्रेणियों का राजस्व में तीन प्रतिशत से भी कम अंशदान है।

सीमा शुल्क की हिस्सेदारी घटी

रिपोर्ट के मुताबिक, सीमा शुल्क की भारत के सकल कर राजस्व में हिस्सेदारी घटकर सिर्फ 6.4 प्रतिशत रह गई है जबकि कॉरपोरेट कर (26.8 प्रतिशत), आयकर (29.7 प्रतिशत) और जीएसटी (27.8 प्रतिशत) इससे काफी आगे हैं।

चिंतन

सोनमर्ग टनल बुनियादी ढांचे में नया अध्याय

राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए मजबूत बुनियादी ढांचा जरूरी है। यूं तो भारत अपने आजादी के समय से बुनियादा ढांचे को सतत मजबूत करने के लिए निवेश करता रहा है, जिसके चलते देश में बड़ा रेल व सड़क नेटवर्क है, लेकिन केंद्र में पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार के वर्ष 2014 में आने के बाद से अब तक अछूते क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे के विकास पर अधिक ध्यान दिया गया है। पूर्वोतर, सीमाई और जम्मू-कश्मीर के दुर्गम क्षेत्रों में सड़क और एयरपोर्ट के निर्माण पर जोर दिया गया है। कश्मीर को सोनमर्ग से जोड़ने वाली 6.4 किलोमीटर लंबी रणनीतिक सुरंग (जेड मोड टनल) का उद्घाटन सड़क ढांचे के विकास में एक और कदम है। राहुल गांधी ने वर्ष 2012 में इस टनल की आधारशिला रखी थी। करीब 12 किलोमीटर लंबी इस परियोजना का निर्माण 2,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से किया गया है। इसमें 6.4 किलोमीटर लंबी सोनमर्ग मुख्य सुरंग, एक निकास सुरंग और पहुंच मार्ग शामिल हैं। समुद्र तल से 8,650 फीट की ऊंचाई पर स्थित यह पुल लेह के रास्ते श्रीनगर और सोनमर्ग के बीच सभी मौसम में संपर्क बढ़ाएगा। यह लद्दाख क्षेत्र में सुरक्षित और निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करेगा। 6,800 करोड़ रुपये की लागत वाली जोजिला सुरंग के पूरा हो जाने के बाद श्रीनगर-लेह मार्ग सभी मौसमों के लिए उपयुक्त हो जाएगा। जोजिला सुरंग के 2028 तक पूरा होने की उम्मीद है। कश्मीर घाटी को रेल मार्ग से भी जोड़ा जाएगा। जम्मू-कश्मीर में सबसे ऊंचा रेलवे पुल और अटल टनल ने यातायात को सुगम बनाया है। पूर्वोत्तर में असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम आदि पहाड़ी व पर्वतीय राज्यों में सड़क, नदीपुल और एयरपोर्ट नेटवर्क को मजबूत किया गया है। सबसे लंबा सड़क पुल भी पूर्वोत्तर में ही बनाया गया है। आज दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क भारत में है। देश में विशाल रेल नेटवर्क है। रेल नेटवर्क का 94 फीसदी हिस्सा विद्युतीकृत हो चुका है। 100 हाई-स्पीड वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं और 1,318 रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया गया है। कई नए पोर्ट बने हैं। आज भारतीय बंदरगाहों का टर्न अराउंड टाइम 0.9 दिन है, जो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, और सिंगापुर से बेहतर है। राष्ट्रीय राजमार्ग के अलावा शहरी बुनियादी ढांचे को भी मजबूत किया जा रहा है, हालांकि अभी देश के शहरों में पेयजल, स्वच्छता, पर्यावरण विनियमन, सीवेज प्रणाली, क्वालिटी शैक्षिक नेटवर्क, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा और बिजली आपूर्ति आदि के मामले में काफी कमियां हैं। बुनियादी ढांचे के लिए बजट 2023-24 में 10 लाख करोड़ रुपये (जीडीपी का 3.3%) आवंटित किया गया, जो 2019 से तीन गुना अधिक है। रेल मंत्रालय को अब तक का सर्वाधिक 2.4 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया, जो 2013-14 के आवंटन से लगभग नौ गुना अधिक है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय का बजट 36 प्रतिशत बढ़कर लगभग 2.7 लाख करोड़ रुपये किया गया। ये आंकड़े भारत सरकार के बुनियादी ढांचे के विकास के प्रति मजबूत इरादे को दर्शाते हैं। बुनियादी ढांचे के तेज विकास में भूमि अधिग्रहण, वित्तपोषण, उच्च प्रौद्योगिकी आदि की चुनौतियां हैं, इसके बावजूद विकसित राष्ट्र के लिए विश्व स्तर के हाईवे, एयरपोर्ट, सी-वे, पोर्ट, डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर (आई-वे) और ग्रीन एनर्जी नेटवर्क जरूरी हैं। पीएम गति शक्ति योजना व भारतमाला योजना बुनियादी ढांचे के विकास में अहम भूमिका निभा रही हैं। अभी भी ग्रामीण और पिछड़े इलाके के बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है।

ऐसा अद्भुत आयोजन संकल्प से ही संभव

महाकुंभ
अवधेश कुमार

क्या स्वतंत्र भारत में पूर्व की सरकारों ने ऐसे अनूठे उत्सव को उसके मूल संस्कारों और चरित्र के अनुरूप भव्यता प्रदान करने, संपूर्णता तक पहुंचाने, भारत के आध्यात्मिक अनुकरणीय शक्ति को प्रदर्शित करने के लिए इस तरह केंद्रित उद्यम किए थे? इसका ईमानदार उत्तर है, बिल्कुल नहीं। कहने का तात्पर्य यह नहीं कि पूर्व सरकारों ने कुंभ के लिए कुछ किया ही नहीं। करोड़ों व्यक्ति और संत संन्यासी दो महीने के लिए वहां उपस्थित हों तो सरकारों के लिए उसकी व्यवस्था और अपरिहार्य हो जाती है। सच यह है कि जिस तरह केंद्र और प्रदेश सरकार ने कुंभ की स्थिति के साथ तादात्म्य बिठाते हुए कार्य किया वैसा पहले कभी नहीं हुआ।

प्रयागराज त्रिवेणी संगम से आ रहे दृश्य अद्भुत हैं। संपूर्ण पृथ्वी पर भारत ही एकमात्र देश है जहां ऐसे अद्भुत आयोजन संभव हैं। केवल भारत नहीं, संपूर्ण विश्व समुदाय के लिए यह न भूतो वाली स्थिति है। न भविष्यति इसलिए नहीं कह सकते कि एक बार जब देश और नेतृत्व अपनी प्रकृति को पहचान कर आयोजन करता है तो वह एक मानक बन जाता है और आगे ऐसे आयोजनों को और श्रेष्ठ करने की प्रवृत्ति स्थापित होती है। यह मानना होगा कि 144 वर्ष बाद पौष पूर्णिमा पर बुधआदित्य योग जिसे, महायोग युक्त कह रहे हैं, उस महाकुंभ का श्रीगणेश उसकी आध्यात्मिक दिव्यता के अनुरूप करने की संपूर्ण कोशिश केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने किया है। भारत में दुर्भाग्यवश, राजनीतिक विभाजन इतना तीखा है कि ऐसे महान अवसरों पर भी नकारात्मक वातावरण बनाया जा रहा है। होना यह चाहिए था कि राजनीतिक मतभेद रहते हुए भी संपूर्ण भारत और विशेष कर उत्तर प्रदेश के राजनीतिक दल ऐसे शुभ आयोजन पर साथ खड़े होते। हमारे देश का संस्कार इतना महान है कि नेताओं के वक्तव्यों की अनदेखी करते हुए करोड़ों लोग साधु-संतों के द्वारा दिखाए रास्ते का अनुसरण करते हुए जाति, पंथ, क्षेत्र, भाषा, राजनीति सबका भेद भूलकर संगम में डुबकी लगाते, आवश्यक अपरिहार्य कर्मकांड करते आकर्षक दृश्य उत्पन्न कर रहे हैं, अन्यथा समाजवादी पार्टी और उनके नेता जिस तरह के वक्तव्य दे रहे हैं उनसे केवल वातावरण विषाक्त होता।

थोड़ी देर के लिए दलीय राजनीति की सीमाओं से बाहर निकलकर विचार करिए। क्या स्वतंत्र भारत में पूर्व की सरकारों ने ऐसे अनूठे उत्सव को उसके मूल संस्कारों और चरित्र के अनुरूप भव्यता प्रदान करने, संपूर्णता तक पहुंचाने, भारत के आध्यात्मिक अनुकरणीय शक्ति को प्रदर्शित करने के लिए इस तरह केंद्रित उद्यम किए थे? इसका ईमानदार उत्तर है, बिल्कुल नहीं। कहने का तात्पर्य यह नहीं कि पूर्व सरकारों ने कुंभ के लिए कुछ किया ही नहीं। लाखों करोड़ों व्यक्ति और संपूर्ण भारत के सारे संत -संन्यासी, साधू, महंत आचार्य दो महीने के लिए वहां उपस्थित हों तो सरकारों के लिए उसकी व्यवस्था और अपरिहार्य हो जाती है। सच यह है कि जिस तरह केंद्र और प्रदेश की योगी सरकार ने कुंभ को उसकी मौलिकता के अनुरूप वर्तमान देश, काल, स्थिति के साथ तादात्म्य बिठाते हुए कार्य किया वैसा पहले कभी नहीं हुआ। प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संन्यासी हैं और उन्हें इसका ज्ञान है। उनके मंत्रिमंडल में भी ऐसे साथी हैं जो इन विषयों को काफी हद तक समझते हैं, जिनकी निष्ठा है। निष्ठा हो और संकल्प नहीं हो तो ज्ञान होते हुए भी साकार नहीं हो सकता। आप योगी आदित्यनाथ के समर्थक हों या विरोधी इन विषयों पर उनकी समझ, निष्ठा व संकल्पबद्धता को किसी दृष्टि से नकार नहीं सकते। जब इस तरह की टीम होती है तभी महाकुंभ, अयोध्या या काशी विश्वनाथ अपनी मौलिकता के साथ संपूर्ण रूप से प्रकट होता है। केंद्र का पूरा मार्गदर्शन और उसके अनुरूप सहायता हो तो समस्याएं नहीं आती। 2017 में प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार आने के बाद प्रयागराज में

ही 2019 में अर्धकुंभ आयोजित हुआ था और वहां से नया स्वरूप सामने आना आरंभ हुआ। पहली बार लोगों ने केंद्र व प्रदेश का संकल्प देखा तथा केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पानी को अधिकतम संभव शुद्ध और स्वच्छ बनाने के लिए मिलकर दिन रात एक किया। 2019 में पहली बार राज्य सरकार ने 2406.65 करोड़ व्यय किया जिसकी पहले कल्पना नहीं थी। इस बार सरकार की ओर से 5496.48 करोड़ रुपये व्यय अभी तक हुआ और केंद्र ने भी इसमें 2100 करोड़ रुपये का अतिरिक्त सहयोग दिया है। कुंभ के आयोजन के साथ गंगा और यमुना दोनों में शून्य डिस्चार्ज सुनिश्चित करने की कोशिश हुई है। सभी 81 नालों का स्थायी निस्तारण सुनिश्चित करने की तैयारी की गई। यह तो नहीं कह सकते कि गंगा, यमुना और त्रिवेणी संगम का जल शत-प्रतिशत शुद्ध और स्वच्छ हो गया, किंतु अधिकतम कोशिश कर हरसंभव परिणाम तक ले जाने के परिश्रम से हम इन्कार नहीं कर सकते। कुंभ को हरित कुंभ बनाने की दृष्टि से पहली बार मोटा-मोटी 3 लाख के आसपास पौधों के रोपण का आंकड़ा है। पहले भी वृक्षारोपण होते थे, किंतु संख्या अत्यंत कम होती थी। ऐसे आयोजनों में स्वच्छता के अभाव में लोगों में अनेक स्वास्थ्य समस्याएं भी पैदा होती हैं। केवल रिकॉर्ड संख्या में डेढ़ लाख शौचालय बनाए गए, बल्कि 10 हजार से अधिक सफाई कर्मचारियों की तैनाती की गई। शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए लगभग 1230 किलोमीटर पाइपलाइन, 200 वाटर एटीएम तथा 85 नलकूप अधिष्ठान की व्यवस्था है। हालांकि हिंदुओं और सनातनियों के अंदर तीर्थयात्राओं में कष्ट सहने की मानसिकता और संस्कार है। हमारा चरित्र ऐसा है जहां जो कुछ व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं उसी में अपना कर्मकांडीय दायित्व पूरी करते हैं, किंतु सरकार व्यवस्था करे तो सब कुछ आसान होता है। सबसे बड़ी बात कि अखाड़ों, आश्रमों आदि की परंपराओं के अनुरूप व्यवस्था करना ताकि कर्मकांड संपूर्ण नियमों के साथ ही सुनिश्चित हो, मुख्य शाही स्नान ठीक मूहूर्त पर शास्त्रीय विधियो से संपन्न हों इसकी व्यवस्था तो पूर्व सरकारों में संभव ही नहीं थी। आप राजनीतिक रूप से आलोचना करिए किंतु सत्य है कि हमारे राजनीतिक नेतृत्व और नौकरशाही ने कभी ऐसे अवसरों को इस तरह जन-जन तक मीडिया के माध्यम से पहुंचाने और लोगों के अंदर आने की भावना पैदा करने की दृष्टि से विचार ही नहीं किया। टीवी चैनलों पर विहंगम दृश्य देखकर आम लोगों की प्रतिक्रियाएं हैं कि एक बार अवश्य जाकर वहां डुबकी लगानी चाहिए। अयोध्या में पिछले वर्ष श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में हमने प्रदेश सरकार की पहली बार ऐसी व्यवस्था देखी और अब महाकुंभ में उसका विस्तार है।

धीरे-धीरे अब परंपरागत आर्थिक विशेषज्ञ भी मानने लगे हैं कि भारत अगर विश्व की आर्थिक और आदर्श महाशक्ति बनेगा तो अध्यात्म-संस्कृत की क्षमता का उसमें सर्वाधिक योगदान होगा। मोटा-मोटी निष्कर्ष यह है कि लगभग 40 करोड़ लोग 45 दिनों में आते हैं तो दो से चार लाख तक का कारोबार हो सकता है। आयोजन के निर्माण में तैयार आधारभूत व्यवस्थाएं भविष्य में भी ऐसे स्थानों पर तीर्थ यात्रियों और आधुनिक संदर्भ में पर्यटकों को सतत आकर्षित करने का ठोस आधार बना रहेगा। कितने लोगों को रोजगार, आर्थिक समृद्धि, परिवारों में खुशहाली प्राप्त होगी इसकी कल्पना करिए। दुर्भाग्य से गुलामी के काल में अपनी ही महान आध्यात्मिक शक्ति, संस्कृति, कर्मकांड आदि को पिछड़ापन कहकर हमें उससे दूर किया गया। सच यह है कि ऐसे आयोजन जन कल्याण और संपूर्ण ब्रह्मांड के अंदर स्वाभाविक शांति की अमूर्त अंतःशक्ति पैदा करते हैं। साधु-संतों, अखाड़ों का स्नान, यज्ञ, अनुष्ठान विश्व कल्याण पर केंद्रित होता है। एक साथ हजारों की संख्या में यज्ञ अनुष्ठान से बना माहौल, मंत्रों की ध्वनि संगीत, जयकारे सब सूक्ष्म रूप से पूरे वातावरण में कैसी दिव्यता उत्पन्न करेंगे इसकी कल्पना करिए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

सारा संसार

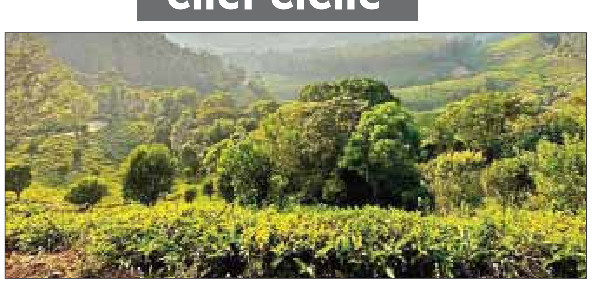

कोलुक्कुमालाई तमिलनाडु के थेनी जिले में स्थित का एक छोटा सा गाँव है। कोलुक्कुमलाई दुनिया में सबसे ऊंचे चाय बागानों के लिए प्रसिद्ध एक छोटा सा गांव है, जो चाय को एक विशिष्ट स्वाद देता है।

ईश्वर को जानने से पहले उसे प्रेम करें

संकलित
दर्शन

हम सभी की यह स्वाभाविक इच्छा होती है कि हम ईश्वर को जानें। इसके लिए हम तमाम प्रयत्न भी करते हैं। ध्यान-तपस्या से लेकर योग साधना तक, जो भी हमारे सामर्थ्य में होता है, लेकिन इन सबमें हम एक अहम बात भूल जाते हैं कि हमें ईश्वर को जानने से पहले उसे प्रेम करना आना चाहिए। एक छोटी-सी प्रार्थना करके अथवा थोड़ा-सा प्रकाश देखकर संतुष्ट होकर सोने के लिए न चले जाएं। निद्रा नशे में जाने की दवाई है। यदि आप भली प्रकार से इच्छाओं को नियंत्रित कर सकें और यदि आप पूर्णरूप से सभी इंद्रियों को नियंत्रित कर सकें और यदि आप अपनी आत्मा की पूर्ण शक्ति से ईश्वर को खोजें, तब वह आपके समक्ष प्रकट हो जाएंगे। यद्यपि आप उच्च सदाचारी हों और एक आध्यात्मिक व्यक्ति हों तो भी ईश्वर के बोध के बिना आपके पास कुछ नहीं है, इसलिए स्वयं को धोखा न दें। अधिक ध्यान करें-अनवरत रूप से और ईमानदारी से। ईश्वर से कहें, 'मैं अपनी कमजोरियों को जानता हूं, लेकिन प्रभु वे सब आपकी हैं, क्योंकि आपने ही मुझे बनाया है। आपके सान्निध्य में रहने के अतिरिक्त मेरी और कोई इच्छा नहीं है, क्योंकि आप ही इस संसार रूपी चलचित्र को दिखा रहे हैं। आप इसके सुखांत और दुखांत दोनों पहलुओं से मुक्त हैं, इसलिए मैं भी मुक्त हूं, क्योंकि मैं आपका बच्चा हूं।' स्वयं को पापी न कहें; और न स्वयं को धर्मात्मा कहकर गर्व करें। अपितु, कहें कि ईश्वर आपके साथ हैं, और केवल वे ही, न कि कोई और! आपके द्वारा कार्य कर रहे हैं।

अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहें

संकलित
प्रेरणा

एक लोक कथा के अनुसार पुराने समय में एक संत अपने शिष्य के साथ एक गांव में रुके। कुछ ही दिनों संत की ख्याति आसपास के क्षेत्र में फैल गई। अब उनके प्रवचन सुनने और दर्शन करने के लिए दूर-दूर से लोग आने लगे। ये देखकर उसी गांव का एक अन्य पंडित परेशान हो गया। उसे लगने लगा कि इस संत की वजह से मेरे भक्त कम हो जाएंगे। मेरा जीवनयापन कैसे होगा? पंडित ने संत का दुष्प्रचार करना शुरू कर दिया। वह लोगों के सामने उस संत की बुराई करता था। एक दिन संत के शिष्य को ये सारी बातें मालूम हुईं तो उसे बहुत गुस्सा आया। वह तुरंत ही अपने गुरु के पास पहुंचा और पूरी बात बताई। संत ने शिष्य की बातें सुनी और कहा कि उसे छोड़ो। अगर मैं उस पंडित से वाद-विवाद करूंगा तो इससे ये सब बातें फैलना बंद नहीं होंगी, इसीलिए उसकी बातों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। संत ने देखा कि शिष्य का क्रोध शांत नहीं हुआ है। तब उन्होंने कहा कि जब जंगल का हाथी गांव में आता है तो उसे देखकर सभी कुत्ते भौंकने लगते हैं, लेकिन हाथी पर इसका कोई असर नहीं होता है। हाथी अपनी मस्त चाल चलते रहता है। कुत्ते भौंकते हुए थक जाते हैं और वापस अपने इलाके की ओर भाग जाते हैं। हमें भी अपनी बुराई करने वालों के साथ इसी तरह पेश आना चाहिए। हमें सिर्फ अपना काम ईमानदारी से करना चाहिए और सत्य के मार्ग पर आगे बढ़ते रहना चाहिए। हमारे अच्छे काम ही ऐसे लोगों का मुंह बंद कर सकते हैं।

मकर संक्रांति
श्वेता गोयल

प्रकाश, पुण्य और नवजीवन का उत्सव

सूर्य उपासना का पर्व मकर संक्रांति प्रतिवर्ष 14 अथवा 15 जनवरी को पूरे उल्लास के साथ भारत सहित कई अन्य देशों में मनाया जाता है। इस वर्ष यह पर्व 14 जनवरी को मनाया जा रहा है। मकर संक्रांति के दिन से ही वसंत ऋतु की शुरूआत होती है। यह पर्व सम्पूर्ण भारत में फसलों के आगमन की खुशी के रूप में भी मनाया जाता है। मान्यता है कि इसी दिन सूर्य अपने पुत्र शनिदेव से नाराजगी भुलाकर उनके घर गए थे। कहा जाता है कि महाराज भगीरथ ने अपने पूर्वजों के लिए मकर संक्रांति के ही दिन तर्पण किया था। मकर संक्रांति के दिन सूर्य की कक्षा में होने वाले परिवर्तन यानी सूर्य के दक्षिणायन से उत्तरायण में आने को अंधकार से प्रकाश की ओर परिवर्तन माना जाता है। सूर्य प्रायः 14 या 15 जनवरी को ही मकर राशि में प्रवेश करता है, इसीलिए उसी दिन मनाए जाने वाले पर्व को 'मकर संक्रांति' कहा जाता है। यह हिंदू पर्व भारत के अलग-अलग राज्यों में भी अलग-अलग तरीकों और नामों से मनाया जाता है। उत्तर भारत में इसे खिचड़ी पर्व, पतंगोत्सव इत्यादि नामों से जाना जाता है जबकि मध्य भारत में इसे 'संक्रांति' कहा जाता है। दक्षिण भारत में यह त्योहार 'पोंगल' उत्सव के रूप में मनाया जाता है। मकर संक्रांति को उत्तरायण, माघी, खिचड़ी, पौष संक्रांति, भोगाली बिहू, शिशुर सेंक्रांत आदि नामों से भी जाना जाता है। नेपाल में इसे माघे संक्रांति या माघी संक्रांति व खिचड़ी संक्रांति, श्रीलंका में पोंगल या उझवर तिरूनल, बांग्लादेश में पौष संक्रांति, थाईलैंड में सोंगकरन, म्यांमार में थिंयान, कम्बोडिया में मोहा संगक्रान तथा लाओस में पिमा लाओ नाम से मनाया जाता है। कहा जाता है कि मकर संक्रांति से ही दिन तिल-तिल करके बढ़ता है अर्थात इस दिन से दिन की अवधि रात के समय से अधिक होने लगती है यानी दिन लंबे होने लगते हैं, जिससे खेतों में बोए हुए बीजों को अधिक रोशनी, अधिक ऊष्मा और अधिक ऊर्जा मिलती है, जिसका परिणाम अच्छी फसल के रूप में सामने आता है, इसलिए इस अवसर का खासतौर से किसानों के लिए तो बड़ा महत्व है। मकर संक्रांति में 'मकर' शब्द जहां मकर राशि को इंगित करता है, वहीं 'संक्रांति' शब्द का अर्थ है संक्रमण अर्थात प्रवेश करना। मकर संक्रांति के दिन सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है। एक राशि को छोड़कर दूसरी राशि में प्रवेश करने की इस विस्थापन क्रिया को ही संक्रांति कहा जाता है। हिन्दू शास्त्रों में मकर संक्रांति को पुण्यदायी पर्व माना गया है। इस दिन श्राद्धकर्म तथा तीर्थ स्नान करना फलदायी माना गया है। इस दिन लाखों श्रद्धालु विभिन्न तीर्थ स्थलों पर पवित्र स्नान करते हैं और तिल से बने पदार्थों का दान करते हैं। गंगासागर पर तो इस अवसर पर तीर्थस्नान के लिए लाखों लोगों का हुजूम उमड़ पड़ता है, जो इस पर्व की महत्ता को परिलक्षित करता है। मान्यता है कि इस दिन देशभर के किसी भी पवित्र तीर्थ, संगम स्थल या गंगा अथवा यमुना के तट पर स्नान करने से आध्यात्मिक, शारीरिक एवं मनोवैज्ञानिक ऊर्जा मिलती है।आज के समय में मकर संक्रांति का उत्सव न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से मनाया जा रहा है, बल्कि इसे एक सामाजिक उत्सव के रूप में भी देखा जा रहा है। विभिन्न प्रकार के सामूहिक आयोजन, फसल उत्सव, सामूहिक भोज और पारंपरिक खेलों का आयोजन इसके आकर्षण को और बढ़ाता है। मकर संक्रांति न केवल एक पर्व है बल्कि यह भारतीय संस्कृति, परंपरा, धर्म और विज्ञान का अनूठा संगम है। इस पर्व में निहित वैज्ञानिक, खगोलीय और धार्मिक महत्व इसे अलग पहचान दिलाता है। यह पर्व हमें अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने और जीवन में सकारात्मकता लाने की प्रेरणा देता है।

((लेखिका शिक्षिका हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सटाका

आज की पाती

दमघोंटू हवा के लिए जिम्मेदार कौन?

हमारा देश जो सारी दुनिया में प्रकृति प्रधान और शस्य श्यामला वसुंधरा के सौंदर्य से प्रसिद्ध है, उसकी छवि को हमने अपने स्वार्थ के लिए प्रदूषण बढ़ाकर खराब करने का काम किया है। माना कि सरकारों की गलत नीतियां प्रदूषण के लिए जिम्मेदार हैं, लेकिन क्या हम खुद प्रदूषण से होने वाले नुकसान को ध्यान में रखते हुए इसकी रोकथाम के लिए कुछ प्रयास नहीं कर सकते? अगर हमने स्वार्थी होकर पर्यावरण को संभालने के लिए अभी भी गंभीरता नहीं दिखाई और हवा में प्रदूषण फैलाने वाले गलत कामों पर पाबंदी नहीं लगाई तो वो दिन दूर नहीं है जब हमारा सांस लेना मुश्किल ही नहीं, बल्कि नामुमकिन हो जाएगा। कुदरत ने तो हमें साफ-सुथरी हवा सांस लेने के लिए दी थी, लेकिन हमने अपने स्वार्थ के लिए इसमें जहर घोलकर इसे दमघोंटू बना लिया है। इस पर रोक लगनी चाहिए।

जगनू राम साहू, रायपुर

ट्रेंड

आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक

भारतीय मूल्यों और संस्कृति को महत्व देने के लिए एक बहुत ही खास दिन! आस्था, भक्ति और संस्कृति के संगम में अनगिनत लोगों को एक साथ लाते हुए, महाकुंभ प्रयागराज में शुरू हुआ। महाकुंभ भारत की शाश्वत आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

स्वास्थ्य का अहम स्तंभ

पूरी तरह से वित्त पोषित गावी वैश्विक स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण स्तंभ है, जो टीकाकरण कवरेज की सुरक्षा करता है, स्वास्थ्य असमानताओं को कम करता है, बीमारी की घटनाओं व बाल मृत्यु दर रोकता है, खासकर कम आय वाले देशों में।

-डॉ. टेड्रोस, डब्ल्यूएचओ महानिदेशक

डीएम को तुरंत हटाया जाए

नई दिल्ली विधानसभा में बीजेपी की धांधली साफ़ नज़र आ रही है। फ़र्ज़ी वोट बनवाने और पैसे, चादरें, चश्मे बांटने का यह खेल डीएम की मिलीभगत से चल रहा है। चुनाव आयोग से मिलकर मांग की है कि गड़बड़ी में शामिल डीएम को तुरंत हटाया जाए।

-अरविन्द केजरीवाल, सीएम दिल्ली

आधुनिक राजनीति का रूप

आधुनिक राजनीति: जब आप पाई का विस्तार नहीं कर सकते, तो फोकस इसे विभाजित करने पर केंद्रित हो जाता है। लेकिन जब पाई बढ़ती है, तो सभी के लिए और भी बहुत कुछ होता है। जो लोग पाई उगाते हैं वे हीरो हैं।

-हर्ष गोयनका, उद्योगपति

करंट अफेयर

समान अवसर सुनिश्चित करने में आचार संहिता अहम

देश में एक साथ चुनाव कराने के लिए सरकार द्वारा दिया गया एक प्रमुख कारण यह है कि बार-बार आचार संहिता लागू होने से विकास कार्य और सामान्य जन-जीवन बाधित होता है, लेकिन निर्वाचन आयोग ने कहा है कि यह एक "महत्वपूर्ण साधन" है जिसका उद्देश्य चुनावों में समान अवसर प्रदान करना है। 'एक देश, एक चुनाव' को लागू करने के लिए सरकार द्वारा लाए गए विधेयकों के अनुसार, विभिन्न कारणों से एक साथ चुनाव कराने की आवश्यकता है, जिसमें चुनावों का महंगा होना और समय लगना भी शामिल है। 'एक देश, एक चुनाव' को लागू करने के लिए संविधान संशोधन विधेयक में कहा गया है कि देश के चुनावी राज्यों में आदर्श आचार संहिता लागू होने से समूचे विकास कार्यक्रम रुक जाते हैं और सामान्य जन जीवन में व्यवधान उत्पन्न होता है। इसमें कहा गया है कि बार-बार चुनाव आचार संहिता लागू होने से सेवाओं का कामकाज प्रभावित होता है और कर्मचारियों को काफी समय तक उनके मूल काम से हटाकर चुनाव ड्यूटी में लगाना पड़ता है। चुनाव अधिकारियों का हालांकि मानना है कि "आदर्श आचार संहिता के अनुप्रयोग को व्यवधान के रूप में देखना सही नहीं होगा, क्योंकि यह एक महत्वपूर्ण साधन है जिसका उद्देश्य चुनाव प्रचार में शामिल सभी हितधारकों को समान अवसर प्रदान करना है।

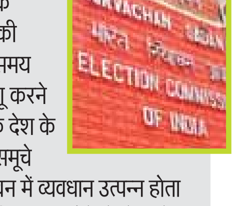

ऑफ बीट

आईएस विफल होने के बावजूद अब भी आतंकवाद फैला रहा

नए साल के दिन तड़के तीन बजकर 15 मिनट पर टेक्सास निवासी एक अमेरिकी नागरिक और सेना के भूतपूर्व सैनिक शम्सुद्दीन जब्बार ने न्यू ओर्लियंस के बॉर्बन स्ट्रीट पर एक ट्रक को भीड़ में घुसा दिया, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई थी और कम से कम 35 अन्य घायल हो गए थे। संघीय जांच ब्यूरो ने इस हमले को 'आतंकवादी कृत्य' बताया था और कहा था कि जब्बार (42) आतंकवादी संगठन 'इस्लामिक स्टेट' (आईएस) से प्रभावित था। उसके वाहन के पीछे से समूह का कुख्यात काला झंडा बरामद किया गया था तथा उसने आईएस के प्रति अपने समर्थन की घोषणा करते हुए ऑनलाइन वीडियो पोस्ट किए थे। हम नहीं जानते कि जब्बार, जो पुलिस कार्रवाई में मारा गया था, वास्तव में आईएस का आतंकवादी था या नहीं, लेकिन उसके हमले का तरीका समूह की ओर से पहले किए गए हमलों जैसा ही था। वर्ष 2017 में लंदन के वेस्टमिंस्टर ब्रिज पर हुए हमले में नागरिकों को निशाना बनाने के लिए वाहनों का इस्तेमाल किया गया था, साथ ही 2016 में बर्लिन और फ्रांसीसी शहर नीस में भी हमले किए गए थे। आईएस ने 2014 में तब दुनिया का ध्यान आकर्षित किया था जब उसने इराक और सीरिया के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया था।

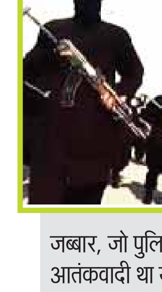

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

शहडोल रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव से औद्योगिक विकास को मिलेंगे नए आयाम

खनिज संपदा, ऊर्जा क्षमताओं, धार्मिक महत्व, प्राकृतिक सौंदर्य और पुरातात्विक धरोहरों के लिए प्रसिद्ध शहडोल में 16 जनवरी को होगा आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र का शहडोल जिला अपनी खनिज संपदा, ऊर्जा क्षमताओं, धार्मिक महत्व, प्राकृतिक सौंदर्य और पुरातात्विक धरोहरों के लिए प्रसिद्ध है।

यहां 16 जनवरी को होने वाला रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव न केवल निवेश और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देगा, बल्कि क्षेत्र की समग्र प्रगति के लिए ऐतिहासिक कदम साबित होगा। साथ ही शहडोल के विकास को नई दिशा मिलेगी।

खास बातें

- कॉन्क्लेव निवेश और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देगा, क्षेत्र का होगा विकास
- शहडोल में आरआईसी से निवेशकों को मिलेंगे नए अवसर

ऊर्जा आधारित उद्योगों के विकास के लिए आदर्श है शहडोलः सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि शहडोल, अपने प्रचुर खनिज संसाधनों के लिए देश भर में जाना जाता है। यहां स्थित सोहागपुर कोलफील्ड, भारत के सबसे पुराने और समृद्ध कोयला खदान क्षेत्रों में से एक है। यह क्षेत्र ऊर्जा आधारित उद्योगों के विकास के लिए आदर्श है। ऊर्जा हब सिंगरौली और फूलपुर गैस पाइपलाइन का विस्तार, शहडोल को ऊर्जा आधारित उद्योगों के केंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है।

महिष्मति, कर्णगढ़ के लिए विशेष योजनाएं बनाई

शहडोल की ऐतिहासिक और पुरातात्विक धरोहरें इसे और भी खास बनाती हैं। जिले के आसपास के क्षेत्रों में पाए गए प्राचीन अवशेष और मंदिर, यहां की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को उजागर करते हैं। महिष्मति और कर्णगढ़ जैसे स्थल पुरातात्विक महत्व के केंद्र हैं। इन धरोहरों को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने और संरक्षित करने के लिए राज्य सरकार ने विशेष योजनाएं बनाई हैं। पुरातात्विक पर्यटन को बढ़ावा देने से न केवल निवेशकों के लिए नए अवसर पैदा होंगे, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए साधन भी खुलेंगे।

इको-टूरिज्म और जैव विविधता का केंद्र बांधवगढ़

शहडोल के पास स्थित बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान, जो विश्व प्रसिद्ध है, समृद्ध जैव विविधता के लिए जाना जाता है। यह क्षेत्र न केवल इको-टूरिज्म को बढ़ावा देता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और रोजगार सृजन के लिए भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शहडोल के जंगल, पहाड़ियां और नदियां इसे एक आदर्श इको-टूरिज्म स्थल बनाती हैं। इन पर्यटन स्थलों को संरक्षित और विकसित करने के लिए सरकार ने कई योजनाएं शुरू की हैं।

आरआईसी दिलाएगा वैश्विक पहचान

शहडोल का हर क्षेत्र-चाहे वह खनिज हो, ऊर्जा हो, या सांस्कृतिक धरोहर, अपार संभावनाओं से भरा हुआ है। आरआईसी के माध्यम से इन संसाधनों का प्रभावी उपयोग कर, इस क्षेत्र को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निवेश का केंद्र बनाएंगे। आरआईसी से निवेशकों को खनिज आधारित उद्योग, ग्रीन एनर्जी, कृषि प्रसंस्करण, और पर्यटन के क्षेत्र में निवेश के अवसर मिलेंगे। शहडोल अपनी अपार खनिज संपदा, ऊर्जा क्षमता, सांस्कृतिक धरोहर और प्राकृतिक सौंदर्य के साथ एक आदर्श निवेश स्थल बनकर उभर रहा है। आरआईसी न केवल इस क्षेत्र को औद्योगिक विकास का नया केंद्र बनाएगा, बल्कि यहां के पर्यटन और सांस्कृतिक महत्व को भी वैश्विक पहचान दिलाएगा।

अमलाई औद्योगिक क्षेत्र कागज उद्योग और खनिज प्रसंस्करण का प्रमुख केंद्र

अमलाई औद्योगिक क्षेत्र भी इस क्षेत्र का एक प्रमुख केंद्र है, जो कागज उद्योग और खनिज प्रसंस्करण के लिए प्रसिद्ध है। यहां स्थित उद्योग न केवल रोजगार प्रदान कर रहे हैं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती दे रहे हैं। अमलाई के अलावा, पास के अनूपपुर और उमरिया में भी औद्योगिक निवेश की अपार संभावनाएं हैं। शहडोल को ऊर्जा क्षेत्र में और अधिक सशक्त बनाने के लिए सरकार ने कई परियोजनाओं की शुरुआत की है। विशेष रूप से गैस आधारित उद्योगों और हरित ऊर्जा परियोजनाओं के लिए निवेशकों को आकर्षित करने की योजना बनाई जा रही है।

शहडोल के आसपास आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक समृद्धि के महत्वपूर्ण स्थल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहडोल के आसपास स्थित धार्मिक स्थल इसे अध्यात्म और पर्यटन का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनाते हैं। अमरकंटक, जो नर्मदा, सोन और जोहिला नदियों का उद्गम स्थल है, अपने आध्यात्मिक महत्व के कारण श्रद्धालुओं का प्रमुख आकर्षण है। इसके अलावा, यहां स्थित प्राचीन मंदिर और आश्रम भी धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देते हैं। धार्मिक स्थलों के साथ यहां का शांत और आध्यात्मिक वातावरण निवेशकों को पर्यटन क्षेत्र में निवेश के लिए प्रेरित करता है। राज्य सरकार इन स्थलों को और अधिक विकसित करने की दिशा में काम कर रही है, जिससे पर्यटन और स्थानीय उद्योग, दोनों को बढ़ावा मिलेगा।

गरीब, किसान, युवा और महिला कल्याण के लिए मिशन मोड पर हो रहा है काम

मुख्यमंत्री ने कहा- किसानों को सिंचाई के लिए दिन में देंगे 8 से 10 घंटे बिजली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कालापीपल के 155 ग्रामों को भी मिलेगा पीकेसी परियोजना से जल

शाजापुर जिले के कालापीपल में डॉ. यादव ने की कई घोषणाएं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारी सरकार समाज के हर वर्ग के हित के लिए कार्य कर रही है। प्रदेश में महिला, युवा, गरीब और किसानों के लिए मिशन मोड में कार्य किया जा रहा है। आज से 125 वर्ष पहले जब हमारा भारत गुलाम था और निराशा में डूबा हुआ था, तब स्वामी विवेकानंद ने उस निराशा को दूर करते हुए सब में उत्साह भरा और कहा था कि 21वीं शताब्दी भारत एवं सनातन संस्कृति की होगी। उनका यह कथन आज प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व में सत्य सिद्ध हो रहा है। आज विश्व में भारत का दौर चल रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को शाजापुर जिले की तहसील कालापीपल में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश की 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में 1553 करोड़ रुपए अंतरण के मौके पर बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद की जयंती पर हम सभी संकल्प लें कि भारत के साथ मप्र के विकास के लिए कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करेंगे। सबके साथ से देश की तरक्की और सब का विकास होगा।

सड़कों के निर्माण और 11 गांवों के नाम बदलने की घोषणा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्षेत्र के विकास के लिए भी अनेक घोषणाएं की। उन्होंने कालापीपल तहसील को राजस्व अनुभाग बनाने तथा पोलायकलां उप मंडी को मुख्य मंडी बनाए जाने, कालापीपल में 15 ग्रामीण सड़कों के निर्माण और 11 गांवों के नाम बदलने की घोषणा की। ग्राम निपानिया हिस्सामुद्दीन को निपानिया देव, ढाबला हुसैनपुर को ढाबला राम, मोहम्मदपुर पवाड़िया को रामपुर पवाड़िया, खजूरी अलाहदाद को खजूरी राम, हाजीपुर को हीरापुर, मोहम्मदपुर मछनाई को मोहनपुर, रीछड़ी मुरादाबाद को रीछड़ी, खलीलपुर (ग्राम पंचायत सिलोंदा) को रामपुर, ऊंचोद को ऊंचावद, घट्टी मुख्त्यारपुर को घट्टी और शेखपुर बोंगी को अवधपुरी नाम देने की घोषणा की।

जब तक युवा को काम नहीं, तब तक हमें आराम नहीं: डॉ. मोहन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर प्रदेश में युवाओं के कल्याण के लिए युवा शक्ति मिशन योजना शुरू की गई है। हमारा संकल्प है जब तक युवा को काम नहीं, तब तक हमें आराम नहीं। हम युवाओं को सम्मानपूर्वक रोजगार देने के साथ ही स्वावलंबी और सामर्थ्यशाली बनाना चाहते हैं। प्रदेश में 2 लाख 70 हजार सरकारी पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके साथ ही निजी क्षेत्र में भी बड़ी संख्या में रोजगार सृजन हो रहा है। प्रदेश में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव, महानगरों में रोड-शो, खनन कॉन्क्लेव ओर यूके-जर्मन के माध्यम से चार लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

रात में सिंचाई नहीं करनी पड़ेगी, दिन में ही किसानों को बिजली मिलेगी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार किसानों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। निरंतर बिजली और हर खेत को पानी मिलने से किसान वर्ष भर फसल ले सकेंगे। अब सरकार ने निर्णय लिया है कि किसानों को रात में सिंचाई नहीं करनी पड़ेगी, उन्हें दिन में ही 8 से 10 घंटे सिंचाई के लिए बिजली मिलेगी। उन्होंने पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना से जिले के 155 गांव को भी योजना से जोड़ने की घोषणा की। अगले 5 वर्षों में सिंचाई के रकबे को एक करोड़ हैक्टेयर करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

अब नामांतरण, बंटवारा जैसे काम आसानी से हो जाते हैं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सुशासन हमारा लक्ष्य है। पहले अपने कामों के लिए पटवारी को ढूंढना पड़ता था, लेकिन अब नामांतरण, बटवारा जैसे कार्य आसानी से हो जाते हैं। साइबर तहसील योजना के माध्यम से रजिस्ट्री के साथ ही नामांतरण अपने आप हो जाता है। इस मौके पर उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि गरीब, युवा, किसान और महिला-ज्ञान पर ध्यान के विज़न पर अमल करने के लिए महाअभियान चल रहा है। मप्र इसमें अग्रणी है। क्षेत्रीय विधायक घनश्याम चंद्रवंशी ने क्षेत्र के विकास के लिये अनेक प्रस्ताव रखे।

साल के पहले दिन मिला था सेप्टिक टैंक में पत्रकार का शव

दिवंगत पत्रकार मुकेश चंद्राकर की अस्थियों को पवित्र गोदावरी में किया गया विसर्जित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीजापुर

दिवंगत पत्रकार मुकेश चंद्राकर की अस्थियों को शनिवार को तेलंगाना के कालेश्वरम स्थित गोदावरी नदी में उनके बड़े भाई यूकेश चंद्राकर और पुरुषोत्तम चंद्राकर ने विधि-विधान से विसर्जन किया गया। गौरतलब है कि एक जनवरी को हुई हत्या के बाद मुकेश का शव सेप्टिक टैंक में फेंक दिया गया था, जिसने पूरे देश को हिला कर रख दिया।

परिवार सहित मीडिया क्षेत्र में आक्रोश

इस जघन्य अपराध के बाद परिवार और पत्रकार समुदाय में गहरा आक्रोश है। मुकेश चंद्राकर की आत्मा की शांति के लिए 15 जनवरी को बीजापुर प्रेस क्लब में श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा गया है और अम्बेडकर भवन में शांति भोज का कार्यक्रम किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम में पत्रकार, स्थानीय नागरिक और जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। यह घटना न केवल पत्रकारिता समुदाय बल्कि समाज के हर वर्ग को सोचने पर मजबूर कर रही है कि पत्रकारों की सुरक्षा और न्याय की लड़ाई कितनी कठिन हो गई है। अब सबकी नजरें इस मामले में होने वाली कानूनी कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

मुख्यमंत्री बोले- मांगों और समस्याओं का शीघ्र किया जाएगा समाधान

सीएम से मिले राजपत्रित अधिकारी लंबित मांगों से कराया अवगत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र राजपत्रित अधिकारी संघ के पदाधिकारियों ने रविवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की। संघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को नव वर्ष के साथ मकर सक्रांति और गणतंत्र दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं दी। राजपतित्र अधिकारियों ने मुख्यमंत्री से लंबित मांगों को लेकर चर्चा कर उनके निराकरण की गुहार लगाई।

संघ प्रांताध्यक्ष डीके यादव ने गैर राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों को आईएएस अवॉर्ड देने के मामले से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। इसके अलावा केंद्र के समान 53 फीसदी डीए और डीआर, अधिवार्षिकीय आयु 20 वर्ष करने, ग्रेच्युटी, भत्तों का समय से भुगतान

और सालों से बंद पड़े पदोन्नतियों का चैनल खोलने की मांग रखी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संघ के पदाधिकारियों को भरोसा दिया कि शीघ्र ही उनकी मांगों और समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

सीएम साय, वरिष्ठ बीजेपी नेता रहेंगे मौजूद

बीजेपी का जिला मुख्यालय शुभारंभ के लिए अब सज-धजकर तैयार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बलरामपुर रामनुजगंज

जिला मुख्यालय में नया बस स्टैंड के समीप भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्मित कार्यालय का उद्घाटन मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जमवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, कृषि मंत्री राम विचार नेताम सहित अन्य संगठन के पदाधिकारियों की मौजूदगी में किया जाएगा। इसके लिए तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। वहीं भाजपा कार्यालय के नवनिर्मित भवन को भव्य रूप से सजाया गया है। गौरतलब है कि बलरामपुर रामानुजगंज जिले के गठन हुए एक दशक से अधिक समय बीत गया है लंबे समय से जिला भाजपा कार्यालय की जरूरत महसूस की जा रही थी।

करीब डेढ़ वर्ष पूर्व भाजपा कार्यालय बनने के लिए भूमि पूजन का कार्य प्रारंभ किया गया था एक वर्ष में भाजपा कार्यालय को बनाने का कार्य पूर्ण कर लिया गया भाजपा के जिला महामंत्री दीनानाथ यादव ने बताया कि जिला भाजपा कार्यालय में जिला अध्यक्ष जिला महामंत्री एवं आईटी सेल का कार्यालय विशेष अतिथि के लिए कमरा, कॉन्फ्रेंस हाल, सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध है। जिले में पहले 11 मंडल थे वर्तमान में 13 मंडल है। यादव ने बताया कि जिले के 683 बूथ एवं 142 शक्ति केंद्र है। जिले में 1 लाख 56 हजार भाजपा के प्राथमिक सदस्य एवं 2200 सक्रिय सदस्य हैं। भाजपा के जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल के कार्यकाल के दौरान जिला भाजपा कार्यालय का भूमि पूजन हुआ एवं उन्हें के कार्यकाल के दौरान भाजपा कार्यालय का कार्य को पूर्ण कर लिया गया।

लंबे इंतजार के बाद आई उद्घाटन की घड़ी

भाजपा के तात्कालिक जिला महामंत्री ओमप्रकाश सोनी ने 16 जनवरी 2016 में जिला भाजपा कार्यालय के लिए शासकीय भूमि शासकीय दर में प्राप्त करने के लिए आवेदन किया था। लंबा संघर्ष किया कांग्रेस के शासनकाल के दौरान भूमि पर स्थगन जारी कर दिया गया था। लंबे संघर्ष के बाद भूमि उपलब्ध हो सका करीब 40 डिसमिल जमीन भाजपा कार्यालय के लिए आरक्षित है।

सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के पुरानी हटरी क्षेत्र का मामला

बुजुर्ग भाई-बहन की अज्ञात बदमाशों ने की नृशंस हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायगढ़

जिला मुख्यलय में सिटी कोतवाली से महज तीन सौ मीटर दूर पुरानी हटरी में रहने वाले बुजुर्ग भाई-बहन की अज्ञात लोगों के द्वारा हत्या कर फरार हो जाने का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

मिली जानकारी के मुताबिक सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पुरानी हटरी में रहने वाले सीताराम जायसवाल 70 साल उसकी बहन अन्नपूर्णा जायसवाल 68 साल की दोपहर को उनके ही घर में खून से लथपथ लाश मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि बीती रात डेढ़ से दो बजे के आसपास अज्ञात आरोपियों ने सीताराम के सिर पर ट्यूबलाईट और पत्थर मारकर तो अन्नपूर्णा के गले में गमछा लपेटकर उसकी हत्या कर शव को काफी दूर तक घसीटा है। सोमवार की सुबह दोहरे हत्याकांड की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल भेजते हुए फॉरेसिंक टीम के अलावा डॉग स्वॉयड के साथ पहुंचकर आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

शहर के बीच सिटी कोतवाली थाना से लगभग तीन से चार सौ मीटर में बीती रात बुजुर्ग भाई बहन की जघन्य हत्या के बाद घटना स्थल पर पहुंची सिटी कोतवाली पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही ताकि जल्द से जल्द आरोपियों तक पहुंचा जा सके। जिला मुख्यालय में दोहरे हत्याकांड की जानकारी के बाद घटना स्थल पर पहुंची डॉग स्वायड की टीम सांई मंदिर, श्याम टाकीज होते हुए रेलवे स्टेशन के प्लेट फार्म नंबर 2 में पहुंची जिसके बाद आशंका जताया जा रहा है कि आरोपियों ने देर रात 2 बजे हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद रेल मार्ग के जरिये फरार हुए होंगे। बताया जा रहा है कि सीताराम जायसवाल का अपनी पत्नी से काफी समय से पहले ही तलाक हो चुका है जिसके बाद वह अपनी बहन के साथ पुरानी हटरी स्थित अपने मकान में रहता था और बीच-बीच में सीताराम का बेटा उससे मिलने आते रहता था। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि आरोपियों ने जमीन विवाद के चलते इस घटना को अंजाम दिया होगा।

रिश्तेदारों ने दरवाजा खटखटाया तो नहीं खोला गेट

मृतक के रिश्तेदार करण जायसवाल ने बताया कि सुबह उसके बड़े पापा मौके पर पहुंचे और उनके द्वारा दरवाजा खटखटाने के बावजूद गेट नही खुलने पर उनके द्वारा सीढ़ी से चढ़कर अंदर जाने को कहा गया। जिसके बाद वह अंदर पहुंचा तो देखा कि दोनों का शव खून से लथपथ हालत में पड़ा हुआ था। जिसके बाद वह थाना पहुंचकर पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। बुजुर्ग भाई बहन की हत्या की जानकारी मिलने के बाद घटना स्थल पर पहुंचे सिटी कोतवाली थाना प्रभारी सुखनंदन पटेल ने बताया कि दोपहर 12 बजे अशोक जायसवाल ने थाने में सूचना देते हुए बताया कि पुरानी हटरी निवासी सीताराम जायसवाल और उसकी बहन अन्नपूर्णा जायसवाल मृत हालत में अपने घर में पड़े हुए हैं। सूचना के बाद एफसीएल की टीम और डॉग स्वायड मौके पर पहुंचकर जांच की जा रही है। सिर में चोट के निशान हैं प्रथम दृष्टया मामला हत्या कर प्रतीत हो रहा है।

नामांकन फार्म पर जिलाध्यक्ष प्रत्याशी का नाम नहीं

भाजपा जिलाध्यक्ष के लिए नामांकन फार्म पर कराए गए प्रस्तावकों, समर्थकों के हस्ताक्षर

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

प्रदेश में भाजपा के जिलाध्यक्षों की सूची का इंतजार चल रहा था, जबकि अब तक निर्वाचन प्रक्रिया ही पूरी नहीं हुई थी। निर्वाचन प्रक्रिया पूरा करने का काम रविवार तक चला। जिलाध्यक्ष के लिए नामांकन फार्मों पर प्रस्तावकों और समर्थकों के हस्ताक्षर कराए गए। प्रस्तावक एक मंडल अध्यक्ष को बनाया गया और समर्थक किसी अन्य नेता को। मजेदार खबर यह है कि नामांकन फार्मों पर जिलाध्यक्ष के प्रत्याशियों का नाम नहीं हैं। उसे खाली छोड़ा गया है। अब भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के पास नाम भेजे गए हैं, वहां से हरी झंडी मिलने के बाद नामांकन फार्मों में जिलाध्यक्ष प्रत्याशी के नाम लिख दिए जाएंगे।

इसके बाद निर्वाचन अधिकारी के समक्ष नामांकन दाखिल होंगे। इसके साथ प्रदेश भाजपा की ओर से पार्टी के जिलाध्यक्षों की घोषणा कर दी जाएगी। आज-कल में जिलाध्यक्षों के नाम सामने आ सकते हैं।

केंद्रीय नेतृत्व को जाएंगे नाम, जल्दी घोषणा संभव

अब तक पार्टी स्तर पर चल रही थी कवायद

निर्वाचन प्रक्रिया चालू रहने से साफ है कि भाजपा जिलाध्यक्ष चयन के लिए अब तक पार्टी स्तर पर ही कसरत चल रही थी। पार्टी के जिला निर्वाचन अधिकारियों और पर्यवेक्षकों ने जिलों में जाकर रायशुमारी की थी और नेताओं से चर्चा के बाद सिर्फ पैनल बनाए थे। इन पैनलों पर भोपाल में प्रदेश स्तर पर मंथन हुआ था और नाम दिल्ली केंद्रीय नेतृत्व के पास भेजे जाने की खबर थी। सूत्रों का कहना है कि नामांकन फार्मों पर प्रस्तावक, समर्थकों के हस्ताक्षर के बाद अब जिलाध्यक्षों के नामों की घोषणा की जाएगी।

5 जनवरी तक होना थी जिलाध्यक्षों की घोषणा

प्रदेश भाजपा की ओर से 5 जनवरी तक जिलाध्यक्षों की घोषणा होने की बात कही गई थी। हालांकि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिलाध्यक्षों के चुनाव 31 दिसंबर तक हो जाना थे। संगठन चुनाव की घोषणा के बाद शुरुआती दौर में तय हुआ था कि 1 से 15 दिसंबर तक मंडल अध्यक्षों के चुनाव होंगे। इसके बाद 16 से 31 दिसंबर तक जिलाध्यक्षों का चुनाव हो जाएगा। भाजपा ने जिलों में रायशुमारी तो दिसंबर में कर ली, लेकिन जिलाध्यक्षों की घोषणा को लेकर दिग्गजों के बीच सहमति नहीं बन पा रही है।

जो होगा, जल्दी सामने आएगाः वीडी

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा है कि जो होगा, वह जल्दी सामने आ जाएगा। उन्होंने कहा कि संगठनात्मक पर्व चल रहा है। नौ साल बाद हम इस प्रक्रिया में गए हैं। मंडल की पूरी प्रोसेस हुई है यानि बूथ की पूरी प्रोसेस हुई है। ऐसे ही जिलों की अपनी प्रोसेस है। इतने बड़े राजनैतिक दल में इस प्रकार के निर्णय संवाद और समन्वय के आधार पर ही होते हैं। इसकी कोई डेट नहीं हैं। सभी से चर्चा हो चुकी है। जल्द ही जिलाध्यक्षों के निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

खबर संक्षेप

जेसीसीसी में मनाई स्वामी विवेकानंद जयंती

जबलपुर। कॉलेज ऑफ कम्प्यूटर्स एण्ड कम्युनिकेशन में 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती युवा दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया। आयोजन में प्रबंधक बम्लेश्वर राव उपस्थित रहे। कार्यक्रम प्राचार्य पवन माहुरे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। रासेयो के स्वयंसेवक अलिशा, खुशी निगम, रजित, यश, रेनु, महक, काजल, प्रवेश एकता, चित्रांश सहित अन्य ने कार्यक्रम में भाग लिया।

3% मंहगाई राहत के आदेश तत्काल जारी किए जाएं

जबलपुर। प्रमुख पेंशनर एसोसियेशन के अध्यक्ष एचपी उरमलिया ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री तथा मुख्य सचिव को एक मांग पत्र भेजकर निवेदन किया है कि केन्द्रीय पेंशन के सामान्य राज्य के पेंशनर को भी तीन प्रतिशत मंहगाई राहत जुलाई 2024 से यथाशीघ्र जारी किए जाएं, ताकि पेंशनर्स को इस बढ़ती हुई मंहगाई में राहत मिल सके। संगठन के शेषमणि पांडेय, अरुण सलारिया, गौरीशंकर पांडेय, एके शुक्ला, एसपी शुक्ला, बीएसपी गौर, सीएल दोहरे, डॉ. एसपी सिंह आदि ने मांगों पर तत्काल कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

माढ़ोताल में सड़क निर्माण का भूमि पूजन संपन्न

जबलपुर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय वार्ड के अंतर्गत माढ़ोताल में आईटीआई के सामने लगभग सात लाख की लागत से बनने वाली रोड का भूमि पूजन 13 जनवरी को उत्तर मध्य विधानसभा के विधायक डॉ. अभिलाष पांडे एवं वार्ड पार्षद मोनिका पुष्पेंद्र सिंह के द्वारा किया गया, जिसमें स्थानीयजनों के साथ में भाजपा मंडल अध्यक्ष पुष्पराज पांडे, शंकर श्रीवास्तव, गणेश पटेल, प्रकाश रैकवार, सचिन नामदेव, करण चंदेल, किशन विश्वकर्मा, सुबोध पांडे, सूरज पटेल, बद्री शिवहरे, रविकांत पाठक, रूपेश साहू, जगदीश पटेल, रंजीत खटीक सहित अन्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अजय सोनकर अजाक्स संघ के पुनः प्रांतीय उपाध्यक्ष नियुक्त

जबलपुर। मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष योगेश चौधरी ने बताया कि जेएन कंसोटिया (आईएएस) प्रांतीय अध्यक्ष ने अजय सोनकर को पुनः प्रांतीय अध्यक्ष बनाया है। अजय सोनकर के प्रांतीय उपाध्यक्ष बनने पर संघ के राजेन्द्र तेकाम, योगेश चौधरी, सुभाष खंडारे, राकेश समुद्रे, ऐबू डेविड, सुखदेव झारिया, डॉ. अर्चना मरावी सहित अन्य ने शुभकामना देते हुए हर्ष व्यक्त किया है।

शाही स्नान के बाद निकली नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा

हरे कृष्णा आश्रम में प्रयागराज कुंभ जैसा उत्साह

जबलपुर। प्रयागराज कुंभ की तरह नर्मदा मैया एवं बाणगंगा मैया सरस्वती मैया के संगम हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट में पोष पूर्णिमा पर शाही स्नान के साथ नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा निकाली गयी। शाही स्नान एवं 434 वी नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा सुबह नर्मदे हर से अंकित भगवा ध्वज लिए उत्साह के साथ घोड़ा ऊंट दुल दुल घोड़ी संकीर्तन करते हुए नर्मदा भक्त विशेष आकर्षण 5 साल के बच्चे से लेकर 90 साल तक के भक्तों के द्वारा अखाड़े का विशेष प्रदर्शन किया गया बैंड बाजा भी चल रहे थे। परिक्रमा के संचालक भगवान श्री हनुमान जी महाराज की सूक्ष्म उपस्थिति में पोष पूर्णिमा पर महंत स्वामी कालीनंद महाराज महंत स्वामी रामजी शरण महाराज महंत

रामेश्वरनंद महाराज राम भारती महाराज महंत राज राजेश्वरानंद महाराज महंत राजेश्वरानंद महाराज राम बाबा के सानिध्य में मां नर्मदा बेनगंगा सरस्वती घाट के संगम पर जाकर शाही स्नान पूजन अर्चन के साथ नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा की गई। निशुल्क माघ मास कल उपवास 10वीं वर्ष का शुभारंभ हुआ प्रतिदिन सुबह एवं शाम को भागवत गीता का पाठन होगा सुंदरकांड हनुमान चालीसा नर्मदा मैया की आरती की जाएगी महीने भर विभिन्न संगोष्ठी का आयोजन होगा। 2 फरवरी को प्रातः 9:00 बजे सुहागले एवं गोद भराई का कार्यक्रम किन्नर मंगला मुखी समाज के द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉ सुधीर अग्रवाल अध्यक्ष डॉ शिवशंकर पटेल पं मनमोहन दुबे श्याम मनोहर पटेल अशोक पटेल भूरे पहलवान दुर्गा पटेल सुरेंद्र गिरी गोस्वामी विनोद दीवान विशाल पंड्या आदि उपस्थित थे।

भगवान सूर्य आज उत्तरायण में करेंगे प्रवेश

नर्मदा तटों पर मकर संक्रांति का मेला आज

जबलपुर।

भगवान सूर्यदेव आज उत्तरायण में प्रवेश करेंगे। दक्षिणायन से उत्तरायण में प्रवेश के संक्रमण को ही मकर संक्रांति का नाम दिया गया है। ऐसी मान्यता है कि उत्तरायण में प्रवेश करने के बाद सूर्य की चमक और प्रखरता तेज होती है, जिससे हौले-हौले ठंड दूर होती है और लोगों के चेहरों में चमक आती है। जीवन में नये उत्साह का संचार होता है। मकर संक्रांति पर्व पर नर्मदा के स्नान का विशेष पुण्य महत्व है। इसलिए हर वर्ष मकर संक्रांति पर नर्मदा तटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु स्नान करने पहुंचते हैं। इस बार भी मकर संक्रांति के पुण्य स्नान को 14 जनवरी को बताया गया है। बहरहाल, वर्षों से 14 जनवरी को ही मकर संक्रांति मनाने की परंपरा है। इसलिए आज नर्मदा तटों पर स्नानार्थियों का मेला भरेगा। इसके बाद दो तीन दिनों तक मकर सक्रांति का मेला चलता रहेगा।

अब सुबह ही होगा सूर्य का संक्रमण

ज्योतिषाचार्य पीएल गौतमाचार्य ने बताया कि सूर्य का राशि परिवर्तन 14 जनवरी की संध्याकाल में हो रहा है। इसलिए 14 जनवरी को मकर संक्रांति मान्य है। इसके पूर्व छह वर्ष तक सूर्य का राशि परिवर्तन अनिश्चित होने से संक्रांति कभी 14 तो कभी 15 जनवरी को मनाई गई। अब ऐसा नहीं होगा। सूर्य का राशि परिवर्तन 56 वर्षों (2080) तक सुबह ही होगा। उन्होंने बताया कि 1936 से मकर संक्रांति 14 जनवरी को मनाई जा रही थी। 1864 से 1936 तक 13 जनवरी और 1792 से 1864 तक 12 जनवरी को मनाई जाती रही है।

नर्मदा तट पर शिवभक्ति अनंत फलदायक : सत्येन्द्र स्वरूप शास्त्री

शिव महापुराण में धूमधाम से हुआ शिव विवाह

जबलपुर।

नर्मदा तट त्रिशूल भेद में आयोजित शिव महापुराण कथा एवं महामृत्युंजय जप यज्ञ के चौथे दिन कथा व्यास डॉ. सत्येन्द्र स्वरूप शास्त्री ने भगवान शिव पार्वती विवाह प्रसंग का बड़ा ही मनोहारी वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भगवान शिव-पार्वती का विवाह इस जगत के कल्याण के लिए हुआ। इस अवसर पर भगवान की सजीव झांकियों ने भक्तों का मन मोह लिया। उन्होंने कहा कि भगवान महादेव भक्तों को अभय प्रदान करते हैं। भगवान शिव का प्रतिदिन जलाभिषेक करने वाले भक्तों के सभी संकट दूर होते हैं। भगवान क्षणिक भक्ति से अपने भक्तों पर कृपा करते हैं इसलिए इन्हें भोलेनाथ कहा जाता है। भगवान भोलेनाथ इस जगत के पालनहार हैं। डॉ. शास्त्री ने कहा जीव को सदैव सकारात्मक होना चाहिए। भक्ति निष्काम होना चाहिए। परमात्मा को निष्काम भक्ति प्रिय है। भगवान की कृपा से जीवन में होने वाले अशुभ प्रसंग शुभ में परिवर्तित हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि नर्मदा तट पर शिव भक्ति अनंत फलदायक है। नर्मदा का प्रत्येक कंकड़ भगवान शंकर है। कथा में नगर पंडित सभा के पदाधिकारी भी पहुंचे। आचार्य वासुदेव शास्त्री के सानिध्य में मंत्रोच्चार किया गया। सभी आचार्यों का मां परमज्योति भक्त मंडल ने सम्मान किया।

विवेकानंद जयंती पर विद्यालय, महाविद्यालयों में हुए विविध आयोजन

जबलपुर। कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के मार्गदर्शन में विवेकानंद जयंती के अवसर एवं युवा दिवस पर रक्तदान शिविर, व्याख्यान संगोष्ठी, रैली चित्रकार प्रतियोगिता, भाषण का आयोजन विद्यालय, महाविद्यालय एवं संस्थान में किया गया। रक्तदान शिविर एवं सुविधा हॉस्पिटल में जयंती के अवसर पर रक्तदान किया गया, 11 यूनिट रक्तदान किया गया एवं विवेकानंद जी के बताए हुए मार्ग पर चलने का अतिथियों द्वारा आग्रह किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर बीके डांग, विक्टोरिया ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. अमित जैन तथा रेडक्रॉस सोसाइटी के कार्यकारिणी सदस्य सुनील गर्ग उपस्थित रहे। इसी दिवस पर राधा कृष्ण उच्चतर माध्यमिक शाला में पहले भाषण प्रतियोगिता विवेकानंद जी के जन्मदिवस पर रैली निकाली गई एवं चित्रकारी प्रतियोगिता कराई गई, उनके विचारों से छात्रों को अवगत कराया गया। इस अवसर पर प्राचार्य सुजाता घोष एवं संस्था के सचिव एवं रेडक्रॉस सोसाइटी के कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे। इसी तारतम्य में तेग बहादुर खालसा कॉलेज में व्याख्यान का आयोजन प्राचार्य आरएस चंडोक की अध्यक्षता में किया गया। उन्होंने विवेकानंद जी के बताए हुए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। रेडक्रॉस सोसाइटी से सुनील गर्ग एवं एनएनएस के छात्र एवं प्राध्यापक कॉलेज के छात्र उपस्थित रहे।

दो दिनी अंतर शालेय एथलेटिक में अंजुमन मढ़ाताल बना ओवर ऑल चैम्पियन

जबलपुर। अंजुमन अंतर शालेय दो दिवसीय वार्षिक एथलेटिक चैम्पियनशिप व क्रिकेट, बैडमिंटन प्रतियोगिता वक्फ प्रबंधन समिति द्वारा आयोजित की गई, दो दिनों तक चली इस प्रतियोगिता के पहले दिन नर्सरी से कक्षा पांचवी तक के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने जलेबी रेस, गो टू स्कूल, पटाटो रेस, 3 लेग्स रेस, 50 मीटर रेस में भाग लेकर अपने अभिभावकों की मौजूदगी में उत्साहजनक प्रदर्शन किया। क्रिकेट प्रतियोगिता का खिताब अंजुमन हिन्दी माध्यम मढ़ाताल ने जीता, जबकि उपविजेता अंग्रेजी माध्यम मढ़ाताल को घोषित किया गया। इसी शाला के मैन ऑफ द सीरिज अरबाज बने, बालिकाओं के लिए आयोजित बैडमिंटन प्रतियोगता वर्ग ए में जोया, वर्ग बी में जुबेरा क्रमशः हिन्दी माध्यम गोहलपुर एवं अंग्रेजी माध्यम मढ़ाताल, अपने-अपने वर्ग

में प्रथम स्थान पर रहे। एथलेटिक में बालक वर्ग ने 36 अंक लेकर अंग्रेजी माध्यम मढ़ाताल ने प्रथम तथा 22 अंक लेकर अंजुमन गोहलपुर दूसरा स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में 40 अंक लेकर अंजुमन गोहलपुर प्रथम, 38 अंक लेकर अंग्रेजी माध्यम मढ़ाताल दूसरे स्थान पर रहा, वहीं 74 अंक लेकर अंग्रेजी माध्यम मढ़ाताल ओवर आल चैम्पियन बना, जबकि हिन्दी माध्यम गोहलपुर 62 अंक के साथ उपविजेता रहा।

पुरस्कार वितरण पर प्रभात साहू भाजपा महानगर अध्यक्ष, शरद अग्रवाल संयोजक, मप्र व्यापारी प्रकोष्ठ सीए अखिलेश जैन, विवेक शर्मा उप महाअधिवक्ता मप्र हाईकोर्ट, अहादुल्ला उस्मानी, मो. अनवर, परवेज मंसूरी, सोहेल फैजल, नाजनी तबस्सुम, गुलाम मुस्तफा, अमजद अंसारी, इकबाल खान उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानंद जयंती मनाई

जबलपुर। भारत विकास परिषद जबलपुर शाखा द्वारा स्वामी विवेकानंद जयंती पर स्थानीय पी.एम श्री शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या विद्यालय और मॉडल हाई स्कूल में स्थापित स्वामी विवेकानंद की मूर्ति पर माल्यार्पण, पुष्पांजलि अर्पित कर छात्र, छात्राओं को विवेकानंद के आदर्शों के बारे में जानकारी प्रदान की गई और परिषद् के उद्देश्य को बताया गया। इस अवसर पर रीजन सचिव संस्कार जितेंद्र कुलकर्णी, डॉ. नीलेश पांडेय रीजन सचिव सेवा इंजी. रामकृष्ण चौकसे, प्रांत उपाध्यक्ष नितिन पालीवाल कोषाध्यक्ष महाकोशल, श्रीमती सरोज चौकसे प्रांत सह संयोजक महिला, कार्य शाखा सचिव अमन पांडेय, शाखा कोषाध्यक्ष शैलेन्द्र जेठा, अरविंद मोहन नायक और विद्यालय की प्राचार्या प्रभा मिश्रा सहित अध्यापक, छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय में युवा दिवस के रूप में मनाया स्वामी विवेकानंद का जन्मोत्सव

जबलपुर। श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय में 12/01/2025 को लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल मध्य प्रदेश के निर्देशानुसार स्वामी विवेकानंद के जन्मोत्सव को "युवा दिवस" के रूप में मनाया गया। यह कार्यक्रम इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त प्रयास से महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एस. चंडोक की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। स्वामी विवेकानंद के ओजपूर्ण विचार हमेशा से युवाओं को प्रेरित करते आ रहे हैं, उनमें ऊर्जा व चेतना का संचार करते आ रहे हैं इसीलिए उनका जन्मोत्सव पिछले 36 वर्षों से 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इस उपलक्ष्य पर महाविद्यालय में एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के सदस्य सुनील गर्ग की उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती शिखा पाराशर, डॉ. मनीष शाह, डॉ. शिवमणि मिश्रा, डॉ. विपिन राय, प्रकृति विश्वास, डॉ. विमल शुक्ला, डॉ. रोहित वर्मा, डॉ. संध्या कोष्टा, डॉ. शशि दुबे, डॉ. संजय गुप्ता, डॉ. रत्नेश नामदेव, डॉ. जी.सी. राय, डॉ. आरती शुक्ला अन्य प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों का योगदान रहा।

लोधी महासभा का परिचय सम्मेलन व पारिवारिक मिलन समारोह संपन्न

जबलपुर।

लोधी महासभा जिला जबलपुर द्वारा 12 जनवरी को आयोजित 14वें सोपान पर अखिल भारतीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवं पारिवारिक मिलन समारोह का भव्य कार्यक्रम आर्या मेरिज गार्डन तेवर में प्रहलाद पटेल कैबिनेट मंत्री मध्य प्रदेश शासन के मुख्य आतिथ्य एवं विधायक ठाकुर नीरज सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रहलाद पटेल कैबिनेट मंत्री पंचायत एवं ग्रामीण विकास म.प्र. शासन द्वारा समाज में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों के निदान के साथ-साथ समाज में शिक्षा एवं संस्कारों के विकास पर

जोर दिया गया, साथ ही कार्यक्रम को और अधिक भव्य और विशाल बनाने के लिए सभी से सहयोग की अपील की गई। कार्यक्रम के अध्यक्ष विधायक ठाकुर नीरज सिंह लोधी द्वारा सामाजिक विकास एवं समाज कल्याण के प्रत्येक कार्यक्रम को अपना पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया गया। कार्यक्रम में विवाह योग्य लगभग 500 युवक-युवतियों का पंजीकरण कराया गया सभी युवक-युवतियों ने मंच के माध्यम से अपनी-अपनी योग्यता, रोजगार एवं अपनी पारिवारिक जानकारी एक दूसरे से शेयर की।

इस अवसर पर भोपाल, जबलपुर, नरसिंहपुर, सिवनी, बालाघाट, छिंदवाड़ा, सागर, कटनी, कहानी, गोटेगांव एवं ग्रामीण अंचलों के हजारों सामाजिक बंधुओं की उपस्थिति रही। मंच का संचालन महासभा के उपाध्यक्ष बीएस पटेल प्राचार्य सीएम राइस तथा महिला महासभा की जिला अध्यक्ष प्रतिभा सिंह द्वारा किया गया।

पूर्णिमा पर स्नान के साथ दान, पुण्य भी किया भक्तजनों ने

जबलपुर। पौष पूर्णिमा पर स्नान के साथ दान का पुण्य भी देखा गया। ये सब मकर संक्रांति तक चलेगा। आज पूर्णिमा और कल संक्रांति के स्नान की योजना लोगों ने बनाई है। ग्रामीण क्षेत्रों के कई लोगों ने तो नर्मदा किनारे डेरा ही डाल दिया है। वे संक्रांति के स्नान के बाद ही वापस लौटेंगे। आज कुंभ महोत्सव की पावन बेला और पौष पूर्णिमा के संगम का स्नान था। लोगों ने सूर्य को अर्घ्य के साथ गरीबों को भी दान दिया, भेड़ाघाट में हर-हर महादेव प्रयागराज कुंभ की तरह नर्मदा मैया एवं बाणगंगा मैया सरस्वती मैया के संगम हरे कृष्णा आश्रम में हजारों ने आस्था की डुबकी लगाई। इस दौरान कहीं अभिषेक हुआ तो कहीं सत्य नारायण की कथा। गाय और कन्या भोजन भी कई जगह कराया गया। सामूहिक आयोजनों के साथ व्यक्तिगत पूजन-पाठ भी हुआ। ये सिलसिला मकर संक्रांति पर और वृहद होगा।

नाम सुधार सूचना

मैं सनत कुमार द्विवेदी पिता श्री स्व. नंद किशोर द्विवेदी निवासी- श्रीपाद आश्रम ग्वारीघाट, जबलपुर शपथ-पूर्वक कथन करता हूं कि, मैं उपरोक्त पते पर निवास करता हूं। मेरे पुत्र कार्तिक का जन्म दिनांक- 07/11/2010 को रानी दुर्गावती चिकित्सालय जबलपुर में हुआ है, जिसका पंजी.क्र.-5714 रजि. दिनांक -10/11/2010 है जिसमें पुत्र के पिता का नाम यानी मेरा नाम मनीष द्विवेदी व (सनत) दर्ज है। दोनों नाम एक ही व्यक्ति के है, जबकि मेरा नाम यानी पुत्र के पिता का नाम सनत कुमार द्विवेदी है जो कि मेरे आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों में दर्ज है। मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण-पत्र रिकार्ड में पुत्र का नाम- कार्तिक द्विवेदी, माता का नाम श्रीमति रत्ना द्विवेदी एवं पिता का नाम सनत कुमार द्विवेदी सही नाम दर्ज कर दिया जावे । एवं ऑनलाइन (डिजिटल) प्रमाण-पत्र दिया जावे।

नाम सुधार

मैं आशिका राठौर पिता स्व. राकेश राठौर निवासी 132 ललित कॉलोनी नेहरू वार्ड सिविल लाईन जबलपुर म.प्र. की निवासी हूं। यह कि आशिका राठौर एवं आसना राठौर दोनो मेरे ही नाम है। इन दोनो ही नामों से मुझे जाना जाता है।
नाम-आशिका राठौर
दूसरा नाम-आसना राठौर

CHANGE OF NAME

I, ARMY NO. 14263217Y RANK EX-NK NAME VIJAY KUMAR S/O LATE MULLU R/O H NO. 235/A STREET ROAD, CHETNA MAIDAN, NEAR WATER TANK, BILHARI, JABALPUR (MP) I, have changed name of my DAUGHTER from SIMRAN (Name as per my Army service records) to SIMRAN CHAVERYA (name as per my DAUGHTER, AADHAR CARD, PAN CARD, AND EDUCATIONAL CERTIFICATE vide affidavit dated 13/01/2025 (date of affidavit) formerly before Public Notary RAMDAS SHARMA MP HIGH COURT, JABALPUR (Name and place of Court).
CORRECT NAME
SIMRAN CHAVERYA
INCORRECT NAME-SIMRAN

करीब सौ टन गुड़, 50 टन तिल और 20 टन मुरमुरे की खपत

मकर संक्रांति पर्व : तिल-गुड़ की सोंधी खुशबू शहर के बाजार में ही नहीं, घरों में भी महक रही

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

राजधानी के बाजार तिल-गुड़ की खुशबू से महक रहे हैं। इस बार गुड़ के तिलकुट की मांग अधिक है। तिलकुट दुकानों में चहल-पहल बढ़ गई है। ठंड में तिलकुट खाना बेहद सेहतमंद माना जाता है, इसलिए दिसंबर से ही दुकानें सजने लगती हैं। मकर संक्रांति पर्व कल है। शहर के बाजारों के साथ-साथ घरों में भी गुड़ और तिल की सोंधी खुशबू से महक रही है। शहर के बाजारों के अलावा हाट-बाजार और सड़कों के किनारे अस्थाई दुकानों में भी मुरमुरा, लड्डू, पट्टी व तिलकुट, गुड़, तिल नजर आ रहे हैं। मकर संक्रांति के मद्देनजर राजधानी भोपाल में गुड़ के भाव शक्कर से अधिक है।

हनुमानगंज स्थित दुर्गेश ट्रेडर्स के संचालक और थोक गुड़ व्यापारी धनराज खंडेलवाल के अनुसार मकर संक्रांति के चलते इन दिनों शहर में गुड़ की खूब आवक होने के साथ ही इसकी बिक्री भी हो रही है। उनके अनुसार मकर संक्रांति के चलते पूरे भोपाल में करीब 100 टन गुड़ की खपत होगी।

तिल, गुड़ के साथ लड्डू और गजक की बिक्री

लड्डू, गजक, बर्फी की भी बिक्री हो रही है। पिछले साल के मुकाबले इस साल मकर संक्रांति पर तिल के लड्डू महंगे पड़ेंगे, क्योंकि तिल के दाम 200 रुपए के पार हैं। जिस कारण बाजारों में तिल के लड्डू भी महंगे हैं। पिछले साल के मुकाबले इस साल तिल व लड्डूओ के दाम 30 से 40 रुपए अधिक हैं। गुड़ के दाम भी 45 से 55 रुपए है। करेली वाला गुड़, ढल्ले वाला गुड़ की डिमांड अधिक रहती है।

चीनी मांजे पर प्रतिबंध, फिर भी बिक्री धड़ल्ले से

बाजारों में रंग-बिरंगी पतंगों की बहार

वाणिज्य प्रतिनिधि.भोपाल। हर उम्र के लोगों में पतंगबाजी का खुमार चढ़ा है क्योंकि मकर संक्रांति है। बाजार रंग-बिरंगे पतंग से सजा है जो लोगों को अपनी ओर लुभा रहा हैं। राजधानी भोपाल के न्यूमार्केट हनुमान मंदिर के सामने, दस नंबर मार्केट, आजाद मार्केट, घोड़ा निक्कास, बिट्ठन मार्केट, बागसेवानिया, बरखेड़ा, पिपलानी, आनंदनगर सहित राजधानी के सभी बाजारों में पतंगों की बहार है। मार्केट में लोग पतंगों की खरीदारी करने पहुंचे रहे हैं। जो 5 से पांच सौ रुपए से भी अधिक कीमत में मिल रहे हैं। मकर संक्रांति के चलते बच्चों, बड़ों से लेकर बुजुर्गों के बीच पतंगबाजी का खुमार चढ़ा हुआ है। बाजार में विभिन्न प्रकार की पतंगें, मंझे और अन्य सामग्री उपलब्ध होती हैं। पीएम मोदी के तस्वीर वाले पतंग के साथ बाज, बटरफ्लाई, एयरोप्लेन, कोरिया पतंग, पैराशूट, प्रिंटेड पतंग, कागज और कार्टून डिजाइन की पतंग बाजार में बिकते हुए नजर आ रहे हैं।

ग्लोबल ने हेल्थ मैनेजमेंट सेवाओं की शुरुआत की

कोलकाता। ग्लोबल क्लाउड केयर स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र से संबंधित एक इनोवेटिव स्टार्ट-अप है, जिसकी स्थापना बेहद अनुभवी डॉक्टरों और टेक्नोलॉजिस्ट की एक अंतर्राष्ट्रीय टीम द्वारा की गई है। जीसीसी ने आज आधिकारिक तौर पर कोलकाता में अपने संचालन के शुभारंभ की घोषणा की है। यह एक शानदार उपलब्धि है, जो एहतियाती तरीकों और सभी पहलुओं को शामिल करने वाले उपायों के साथ-साथ टेक्नोलॉजी की मदद से बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाओं की पेशकश में बड़ा बदलाव लाने के जीसीसी के मिशन की शुरुआत को दर्शाता है।

अब मोबाइल ऐप से पेंच में नई बैंकिंग सेवाएं हुई आसान

सिवनी। बैंक यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (यूनिटी बैंक) ने पेंच में अपनी शाखा खोलने की घोषणा की है। मध्यप्रदेश के इंदौर, पन्ना और सिवनी (पेंच) में यूनिटी बैंक की शाखाएं हैं। इसके आगे, बैंक भोपाल में भी अपनी शाखाएं खोलने की योजना में है। नई शाखा का उद्घाटन जसपाल बिन्द्रा सेंट्रम ग्रुप के कार्यकारी चेयरमैन ने यूनिटी बैंक के वरिष्ठ प्रबंधन की उपस्थिति में किया।

मिट्सयूर बुक्स ने एमबिबे के साथ थिंकटरैल प्रस्तुत की

सीखने को मजेदार और इंटरएक्टिव बनाया

मुंबई। मिट्सयूर ने नयी सीरीज "थिंकटरैल" लॉंच की है,जो एनईपी, एनसीएफ और एनसीईआरटी पर आधारित है। इसमें नई शिक्षा प्रणाली के अनुसार सीखने को मजेदार और इंटरएक्टिव बनाया गया है। साथ ही इसमें कहानी बताने का अनोखा तरीका अपनाया गया है जिससे छात्रों के सिद्धांत आसानी से क्लियर हो जाएंगे। यह कक्षा 1-8 गणित, विज्ञान और सामाजिक अध्यन विषयों के लिए है। थिंकटरैल, मिट्सयूर और एमबिबे की पार्टनरशिप है। जिसके तहत विद्यार्थियों को मिलेगा मिट्सयूर लेंस बिलकुल निःशुल्क मिलेगा। इसमें है वीडियोज के जरिये छात्र एआर तकनीक के साथ पढाई कर सकते हैं। साथ ही शिक्षक टीचलाइट का प्रयोग करके प्रयोगिक तरह से पढ़ा सकते हैं और उपलब्ध लरनिंग रिर्सोसेस का लाभ उठा सकते हैं। मिट्सयूर इसका सभी स्कूलों को पंद्रह दिवसीय फ्री टायल भी दे रहे हैं , जो की सीमित समय के लिए है। मिट्सयूर और एमबिबे की यह साझेदारी शिक्षा को नए स्तर पर ले जाने का वादा करती है। थिंकटरैल के जरिये , ज्ञान और तकनीक का यह संगम , शिक्षा के क्षेत्र में एक नयी क्रांति ला रहा है।

मकर संक्रांति आजः कलाकारों ने पतंग उड़ाने के अनुभव बताए

मुंबई। मकर संक्रांति का त्योहार मंगलवार को पूरे भारत में हर्षो-उल्लास के साथ मनाया जा रहा है और पतंगबाजी के बिना यह उत्सव अधूरा है। एण्डटीवी के शो 'अटल' में नन्हें अटल का किरदार निभा रहे आयुध भानुशाली ने कहा कि इस दिन पतंग उड़ाने की परंपरा है। पहली बार पतंग उड़ाते समय मैं पतंग और मांझे का रोल हाथ में लेकर छत पर खड़ा था, लेकिन मुझे कुछ भी समझ नहीं आ रहा था कि करना क्या है। हर बार जब पतंग उड़ाने की कोशिश करता, वह या तो पड़ोसी की बालकनी में जा गिरती या किसी पेड़ में उलझ जाती। फिर चाचा ने मदद कर मुझे धैर्य से पतंग उड़ाने के बेसिक्स समझाए और दिखाया कि कैसे मांझे को धीरे-धीरे खींचना है ताकि पतंग हवा में टिक सके। कई बार असफल होने के बाद, मैं अपनी पतंग को आसमान में ऊंचा उड़ाने में कामयाब रहा और अब जब भी कोई पतंग पेड़ में अटकी हुई दिखती है, तो मुझे पहली कोशिश की याद आ जाती है।" गीतांजलि मिश्रा ऊर्फ 'हप्पू की उलटन पलटन' की राजेश ने कहा कि बचपन में मैं पतंग उड़ाने को लेकर उत्सुक रहा करती थी, लेकिन मुझे उस समय पता नहीं था कि यह इतना चुनौतीपूर्ण काम है। मेरी पहली कुछ कोशिशें पूरी तरह से असफल रहीं, पतंग जमीन से उठ ही नहीं रही थी! नाकाम होने के बाद भी मैंने हार नहीं मानी। आखिरकार, कजनि के सिखाने पर एक और बार कोशिश करने पर, मेरी पतंग आसमान में उड़ने लगी! उसे हवा में झूमते देखना शब्दों में बयां नहीं कर सकती। शुभांगी अत्रे, जोकि 'भाबीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाबी का किरदार निभा रही हैं, ने कहा, कि इंदौर में पतंगबाजी परंपरा के साथ उत्सव और आकाश में एक दोस्ताना मुकाबला है! बचपन ही में मैं छत पर पतंगबाज बनने की ठान चुकी थी। पहली बार जब पतंज उडाने की कोशिश कर रहा था तो तेज हवा का झोंका आया, और मेरी पतंग छत पर लगे टीवी एंटीना में उलझ गई। पतंग को छुड़ाने की कोशिश में मैं मांझा पकड़े एंटीना पर चढ़ गई, और खुद भी उलझ गई! मेरी बहनें ने हंसी-मजाक के बाद पतंग को छुड़ाने पर वहीं पतंग उडाई।आज भी जब मैं पतंग उड़ाती हूं, तो वो हंसी, उलझन और जीत का पल मेरी यादों में ताजा हो जाता है। मकर संक्रांति वाकई में खुशी, मुकाबले और प्रियजनों के साथ बिताए गए अनमोल पलों का त्योहार है।

वैज्ञानिकों ने किया चौंकाने वाला खुलासा, अगर ऐसा नहीं होता तो धरती पर जन्म नहीं ले पाता इंसान

वॉशिंगटन। पृथ्वी का निर्माण करीब 4.54 अरब साल पहले हुआ था। इसके बाद से धरती का घूमना धीरे-धीरे धीमा हो रहा है। इसका नतीजा यह है कि दिन लंबा होता जा रहा है। सबसे बड़ी बात यह है कि पृथ्वी के घूमने और आक्सजीन के पैदा होने का भी आपस में संबंध है, जिससे चांद, सूक्ष्म जीव और हमारे वायुमंडल में ऑक्सीजन आपस में जुड़ते हैं। पृथ्वी के वायुमंडल में ऑक्सीजन के स्तर में वृद्धि से पृथ्वी के घूमने का धीमा होने का संबंध है। सबसे खास बात यह है कि इसकी वजह विशेष तौर पर 2.4 अरब साल पहले नीले-हरे शैवाल (साइनोबैक्टीरिया) का उदय है।

धरती के घूमने की गति धीमी होनी और इसके कारण लंबे होते जा रहे दिन के कारण यह सूक्ष्म जीव (साइनोबैक्टीरिया) अधिक ऑक्सीजन के उत्पादन करने सक्षम बने हैं, जबकि पृथ्वी पर चांद गुरुत्वाकर्षण बल लगाता है। इसकी वजह से धरती का घूमना धीमा होता है, क्योंकि अब चांद धीरे-धीरे दूर होता जा रहा है। वैज्ञानिकों ने एक शोध किया है, जिसमें जानकारी मिली है धरती का घूमना और दिन की लंबाई से पृथ्वी के ऑक्सीजनकरण के पैटर्न और समय प्रभावित होते हैं।

क्यों ऑक्सीजन में बढ़ोतरी?

एक रिपोर्ट के मुताबिक, पृथ्वी के घूमने की गति धीमी होनी और महाऑक्सीकरण दो अलग-अलग चीजे हैं, जो जुड़ी हुई दिखाई देती हैं। पृथ्वी के घूमने का धीमा होना पहली घटना है, जो चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण बल की वजह से होता है। जीवाश्म रिकॉर्ड से इस बात खुलासा होता है

धरती के ऑक्सीजन में वृद्धि से थे संबंध

शोधकर्ताओं की टीम ने देखा कि लंबे दिन से धरती के ऑक्सीजन में वृद्धि से संबंध थे। यह न सिर्फ महाऑक्सीकरण घटना, बल्कि एक और दूसरा वायुमंडलीय ऑक्सीजनकरण है। इसे करीब 550 से 800 मिलियन साल पहले नियोप्रोटेरोजोइक ऑक्सीजनेशन इवेंट कहा जाता है। शोध में पाया गया कि दिन की लंबाई और जमीन पर रहने वाले रोगाणुओं से छोड़ी जाने वाली ऑक्सीजन में एक मूलभूत संबंध है।

इस किसान ने उतने में खरीदे बैल, जितने में आ जाएगी थार

कोलार। कर्नाटक के कोलार जिले के मालूर तालुका के क्षेत्रनहल्ली गांव के किसान व कांग्रेस नेता के.एस. वेंकटेश गौड़ा ने हाल ही में हल्लिकार बैल खरीदे हैं। बता दें कि इन बैलों की कीमत है 15 लाख रुपए, जो कि किसी भी सामान्य बैल के मुकाबले काफी ज्यादा है। इन बैलों की कद-काठी बहुत ही शानदार है। बता दें कि इनकी ऊंचाई लगभग 6 फीट है।

हल्लिकार बैलों की खासियत : वेंकटेश गौड़ा का परिवार कई पीढ़ियों से हल्लिकार बैलों की देखभाल करता आ रहा है। उनके दादा और पिता भी बैल पालन के साथ-साथ खेती में लगे हुए थे। हल्लिकार बैल न केवल खेती में उपयोगी होते हैं, बल्कि इनकी देखभाल एक परंपरा बन चुकी है। इस पारंपरिक बैल पालन के साथ ही उनका परिवार कृषि के क्षेत्र में भी काफी प्रगति कर चुका है। बता दें कि इस तरह की बिक्री और बैलों की बढ़ती कीमत यह साबित करती है कि हल्लिकार बैल अब केवल खेती के काम के लिए नहीं, बल्कि एक व्यापारिक संपत्ति बन चुके हैं। इस खरीद-फरोख्त ने इस प्राचीन भारतीय परंपरा को एक नई दिशा दी है, और भविष्य में यह बैल और भी महंगे हो सकते हैं।

जीता सम्मान, अब मिला नया खरीदार

वेंकटेश गौड़ा ने पिछले साल भीमेश्वर सफलांब मेले में अपने बैलों को प्रतियोगिता में भेजा था, जहां उन्होंने पहला पुरस्कार जीता था। अब, कुछ दिन पहले, राज्य कृषक समाज के अध्यक्ष पापन्ना स्वामी ने अपने हल्लिकार बैलों को 15 लाख रुपए में बेच दिया। यह बिक्री तुमकुरु के कुनिगल तालुका के चिक्कनहट्टी गांव में हुई, जिसने इस क्षेत्र में हल्लिकार बैलों की महत्ता को और भी बढ़ा दिया है।

राशिफल

मेष – कारोबार के कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष – मन परेशान हो सकता है। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है।

मिथुन – परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा।

कर्क – आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में सफलता मिलेगी।

सिंह – बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा।

कन्या – नौकरी में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला – भाग-दौड़ अधिक रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। शैक्षिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक – जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। व्यर्थ की चिंताओं से मन विचलित रहेगा।

धनु – व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

मकर – परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। धन प्राप्ति के मार्ग बनेंगे।

कुंभ – मन प्रसन्न रहेगा। फिर भी आत्मसंयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मीन – तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

सोना हफ्ते में 2 हजार रुपए से ज्यादा चढ़ा

नई दिल्ली। सोने की कीमतों में 13 जनवरी को लगातार पांचवें दिन तेजी देखने को मिल रही है। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क कॉन्ट्रैक्ट आज कारोबार के दौरान 78,766 के ऊपरी स्तर पर पहुंच गया जबकि पिछले हफ्ते के शुरुआती दिन 6 जनवरी 2025 को यह 76,563 रुपए प्रति 10 ग्राम के निचले स्तर तक चला गया था। इस तरह से देखें तो एक हफ्ते में सोने की कीमतों में तकरीबन 2 हजार रुपए से ज्यादा की रिकवरी आई है। ग्लोबल मार्केट में कमजोरी के बावजूद घरेलू मार्केट में सोने की तेजी की वजह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए में आई गिरावट है। रुपए में गिरावट सोने के आयात को महंगा कर देती है। फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 55 पैसे यानी 0.65 फीसदी टूटकर 86.59 के नए निचले स्तर पर चला गया। इस साल अभी तक रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 1 फीसदी से ज्यादा कमजोर हुआ है।

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

आवश्यकता

आवश्यकता है- पेंसिल, पेन, रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है संपर्क करें:- 8240426971 (रायपुर /14 /जनवरी 25)

आवश्यकता है - जरूरतमंद लोग की आयुर्वेदिक कंपनी में दवा पैक करने के लिए संपर्क करें शिक्षित/बेरोजगार जरूरतमंद लड़के-लड़कियाँ हाउसवाइफ घर बैठे दवाई पैकिंग करके पार्टटाइम/फुलटाइम 35,500/- से 45,500/- महीना कमाएं (जरुरतमंद लोग WHATSAPP या कॉल करें) NOC -2150/- +91 8602999284 (भोपाल /15 /जनवरी 25)

टॉवर

टावर - सरकारी मान्य कंपनी द्वारा जमीन खेत प्लॉट पर 5g टावर लगवा कमाएं 30 से 60 लाख एडवांस 45000 किराया +नौकरी जमीनी कागज नक्शा ऑफिस लाएं या घर बैठे ऑनलाइन सर्वे पास कराएं 9407780635, 8319401203 (भोपाल/ 14 /जनवरी 25)

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

अब आप पायेंगे अपना सच्चा हमसफर
हरिभूमि वैवाहिकी
प्रत्येक रविवार को प्रकाशित

शब्द पहेली - 5747

बाएँ से दाएँ
1.बलवान,ताकतवर-4
3.गाल,कपोल(ऊर्दू)-4
6.अनाज, धान-2
7.अवनति-3
8.जीवन तत्व-2
10.पुलिसकर्मी-4
11.भीगा हुआ-2
13.घमंडी,अभिमानी-4
15.दर्शन-3
17.अजदहा,शयालु-4
20.वायु रोग-2
21.दोस्त,सखा-3
23.ख्वाब,स्वप्न-3
25.अपशिष्ट पदार्थ-2
26.जंगल की आग-4
29.पुत्र,लड़का-3
31.पैगंबर,महापुरुष-4
32.राय,वोट-2
34.आफिस,दफ्तर-4
35.वीज,वीर्य-2
37.घर,भवन-3
39.सप्तम-2
40.आक्रमण,हमला-4
41.बलवान,सबल-4

ऊपर से नीचे
1.एक छोटी डबलरोटी-2
2.धर्मेंद्र,जीनत की एक फिल्म जो हीरे की चोरी पर बनी थी-4
3.मौसम,ऋतु-2
4.खोदना-3
5.छुट्टी,अवकाश-2
6.उदास,दुखी-4
7.पंख,पराया-2
9.जहीनता-4
10.आवश्यकता-4
12.अभिमान,गरुर-2
14.अग्नि,अनल-2
16.विदा होना-3
18.कुशल-3
19.फलों का रस-2
21.संगम,मिलना-3
22.वायदा-2
24.हार,मात-4
25.स्वार्थी-4
27.दीवार (अंग्रेजी-2)
28.आदत-4
30.यमराज-2
31.उथल-पुथल-4
33.पदक-3
34.श्रवणेंद्रिय-2
36.जीत,विजय-2
38.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.पत्नी की बहन-2

शब्द पहेली- 5746 का हल

अ	ना	द	र	णी	य	■	प्र	क्षे	प	क
सं	ग	■	वे	■	कृ	पा	ण	■	र	म
वै	■	अ	दा	व	त	■	य	हां	■	जो
धा	रा	दा	र	■	■	अ	■	का	त	र
नि	■	व	■	प्र	क्षा	ल	न	■	म	■
क	म	त	र	ता	■	सा	ग	र	गा	मी
■	लि	■	स	र	मा	या	■	द	■	न
बे	का	बू	■	णा	■	■	व	न	वा	सी
क	■	आ	स	■	अ	द	र	क	■	लै
द	म	■	ब	हा	र	■	दा	■	ता	व
र	सा	त	ल	■	ज	ही	न	कु	श	ल

सूडोकु बवाल- 5758

★★★✩✩ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु बवाल- 5757 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

MANGAL SENACHA BANGALORE

हरिभूमि

सहेली

प्रकृति के स्वरूप के साथ सूर्य की गति बदलने का उल्लास पर्व है- मकर संक्रांति। इस पर्व से जुड़ी हमारी प्यारी-मनोहारी सांस्कृतिक परंपराएं न केवल हमें स्वस्थ-ऊर्जावान रहने के लिए प्रेरित करती हैं। अपने घर, परिवार, रिश्तों, आस-पड़ोस और समाज से जुड़ाव को प्रगाढ़ बनाने का भी संदेश देती हैं। आइए आज इस पर्व को हम भी अपनों के संग भरपूर उमंग-उल्लास के साथ मनाएं।

सबसे जुड़कर हंसी-खुशी मनाएं मकर संक्रांति

कवर स्टोरी

सरस्वती रमेश

भारतीय संस्कृति और परंपराओं में माघ, सूर्य की महिमा, स्तुति और उसकी ऊष्मा का गुणगान करने का माह है। माघ यानी मकर संक्रांति पर्व का मास। मकर संक्रांति सूर्य की आराधना का सबसे बड़ा पर्व माना जाता है। इस दिन सूर्य, धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है और अगले छह मास तक पृथ्वी के उत्तरार्ध की ओर झुक जाता है। इस कारण धरती पर सूर्य की गर्मी अधिक पहुंचती है, प्रकृति में तेजी से नवसृजन होता है। इस नवसृजन का प्रभाव प्रकृति के हर जीव पर पड़ता है, चाहे वह सूक्ष्म हो या वृहद। प्रकृति में हुए इस बदलाव का उत्सव मकर संक्रांति के रूप में मनाया जाता है।

सेहत-स्वाद और आत्मीयता

मकर संक्रांति का पर्व तिलकुट, गजक, रेवड़ी, मूंगफली, खिचड़ी और लड्डुओं के स्वाद में सराबोर होकर आता है। संयुक्त परिवारों में अब भी मीठी सेव, तिल और चावल के लड्डू बनाने के लिए बड़े-बड़े पतीले चूल्हे पर चढ़ते हैं। घर की सारी महिलाएं विभिन्न प्रकार के लड्डू बनाने के लिए एकत्र होती हैं। हंसी-ठिठोली करते हुए सेहत और स्वाद से भरी चीजें कनस्तर भर-भर कर बना ली जाती हैं, समय का पता ही नहीं चलता। शहर में रहने वाली काम-काजी महिलाएं अगर घर पर संक्रांति के पकवान बनाने का समय नहीं निकाल पाती हैं तो बाजार से सारी चीजें खरीद लाती हैं या ऑर्डर देकर बनवाती हैं। फास्ट फूड के जमाने में भी देसी स्नैक्स के क्रेज को बरकरार रखने के पीछे हमारे घर की बड़ी-बूढ़ी महिलाओं का विशेष योगदान होता है। तभी तो संक्रांति आते ही बाजार गजक, रेवड़ी और मूंगफली के आइटम से भर जाते हैं।

जुड़ाव का पर्व

मकर संक्रांति सिर्फ स्नान, ध्यान और प्रकृति से जुड़ने का पर्व नहीं है, यह रिश्तों से भी जुड़ने का समय होता है। देखा जाए तो यह पर्व हमें स्वाद से जोड़ने के साथ-साथ रिश्तों से भी जोड़ता है। गांव के उस आंगन और रसोईघर की स्मृतियां ताजी हो जाती हैं, जब संक्रांति के बहाने कई परिवारों का भोजन एक ही चूल्हे पर पकता था। संक्रांति पर अकसर पौष्टिक खिचड़ी, साग आदि चीजें बनाई जाती थीं। सबसे पहले बच्चे साथ मिलकर खाते थे। फिर घर के बड़ों को भोजन परोसा जाता था। अंत में घर की सारी महिलाएं बोरसी की आंच के इर्द-गिर्द बैठकर भोजन करती थीं। कड़ाके की ठंड में भी आत्मीयता की आंच सबको ऊष्मा से भर देती थी। शहर में रहने वाले परिवार उन बिछड़े दिनों को याद कर कई बार संक्रांति मनाने गांव की ओर चल पड़ते हैं तो कई परिवार अपने शहर के घरों में ही संक्रांति के उल्लास का माहौल बनाने की कोशिश करते हैं। पारिवारिक प्रेम और सहयोग की पवित्र भावना संक्रांति पर्व पर दिखती है।

दान की परंपरा

मकर संक्रांति पर नदियों में स्नान के बाद दान करने की परंपरा रही है। आज की बदली परिस्थितियों में छोटे-बड़े शहरों में भले ही नदियां नहीं हैं, लेकिन दान की परंपरा हर जगह बरकरार है। मकर संक्रांति के दिन महिलाएं तिल, मूंगफली, गजक और बेसन से बने सूखे व्यंजन अपनी काम वाली बाई, गेटकीपर, गार्ड जैसे लोगों को दान कर संक्रांति की परंपराओं को जीवित रखे हुए हैं। मकर संक्रांति पर बेटी के ससुराल में त्यौहारी पहुंचाने से लेकर चौक पर बैठी बुढ़िया और उनके दीन हीन बच्चों को गुड़, तिलकुट, रेवड़ी, मिठाई और कपड़े पहुंचाती हैं। सिर्फ संक्रांति पर ही नहीं, पूरे वर्ष घर-परिवार, पास-पड़ोस सबको वो देने का विशेष ख्याल रखती हैं। रिश्तों को समय, बच्चों को प्रेम, बड़ों को सम्मान, छोटों को मान महिलाएं ही तो देती हैं।

सूर्य से प्रेरणा लें

मकर संक्रांति का सूर्य हमें अपने जीवन में आशा, उमंग और ऊर्जा भरने की प्रेरणा देता है। धुंध और कोहरे में कई हफ्ते तक निस्तेज रहने के बावजूद सूर्य अपनी आभा नहीं भूलता और चौदह जनवरी को मकर राशि में प्रवेश करता है। वैसे ही हमें भी कठिनाइयों के धुंध में पड़कर अपना विवेक, बुद्धि और हौसला नहीं छोड़ना चाहिए। मुश्किलों को अपने हौसले की नदी में विसर्जित करने का हुनर आज की स्त्री ने सीख भी लिया है। तभी तो वो दिन दूनी, रात चौगुनी गति से नई ऊंचाइयां छू रही हैं। सूर्य के समान ही अपनी आभा बिखेर रही हैं।

सामूहिकता की संस्कृति

जैसा हम सब जानते हैं, मकर संक्रांति सामूहिकता का पर्व है। यह सामूहिकता ही हमारी संस्कृति के मूल में है। हम समाज का हिस्सा हैं और सामूहिकता ही हमें जीवन जीने का उल्लास देती है। हम सभी मिल-जुल कर रहें। मिल-बांट कर खाएं। हमारे आस-पास कोई भूखा न रहे। कोई तकलीफ में न रहे और यदि किसी को भी हमारी जरूरत हो तो हम उसकी मदद को तत्पर रहें। एक तरह से देखा जाए तो सामूहिकता की संस्कृति को जीवित रखने में महिलाओं का बड़ा योगदान है। घर-परिवार को एक डोर में बांधने का सारा दारोमदार महिलाओं पर ही होता है। कोई मनमुटाव हो तो महिलाएं ही आपसी सहमति या मेल कराने के लिए पुल का काम करती हैं, एकजुट बने रहने के महत्व को समझती हैं। मकर संक्रांति का पर्व हर वर्ष यही संदेश लेकर आता है।

तन के साथ मन की शुद्धि

मकर संक्रांति पर स्नान करने की परंपरा है। जिस तरह मकर संक्रांति पर तन की शुद्धि के लिए स्नान किया जाता है, उसी तरह मन को भी शुद्ध रखना आवश्यक है। मन का शुद्धिकरण होता है, नकारात्मकता और अन्य द्वेषपूर्ण विचारों को मन से परित्याग करके। परिवार-समाज में रहते हुए कभी-कभी मन में ईर्ष्या, द्वेष, कड़वाहट की भावनाएं आ जाती हैं। सास-बहू के विचारों में टकराव, ननद-भाभी के बीच टकरार या पति-पत्नी के बीच नोक-झोंक होना आम बात है। ये अवरोधक बनकर हमारे आगे खड़े हो जाते हैं। हमारे रिश्तों की बेल आगे बढ़ने से रोकती हैं। खुश रहने और सबसे मेल-मिलाप करने से रोकती हैं। इस तरह हमारे जीवन और रिश्तों में मायूसी, उदासी और अकेलेपन की बर्फ जम जाती है। लेकिन मकर संक्रांति मन का सारा मैल साफ कर मन में प्रसन्नता का उजास जगाने का अवसर है। a

मकर संक्रांति देता है सेहत संवारने के सूत्र

वैसे तो मकर संक्रांति धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व है। लेकिन इससे जुड़ी परंपराएं और गतिविधियां ऐसी हैं, जिनमें हमें अपनी सेहत संवारने के सूत्र भी मिलते हैं। इनके बारे में आपको भी जानना चाहिए।

सजेशन

डॉ. मोनिका शर्मा

मकर संक्रांति केवल एक पारंपरिक त्योहार भर नहीं है। यह सेहत बनाने और संवारने का पाठ भी पढ़ाता है। हालिया बरसों में रोग प्रतिरोधक क्षमता अच्छी होने के मायने हमने अच्छे से समझ लिए हैं। परंपरागत खान-पान और अच्छी जीवनशैली का महत्व भी अब और गहराई से समझ आया है। ऐसे में मकर संक्रांति जैसे पर्व से जुड़ी हमारी मान्यताएं, स्वास्थ्य सहेजने में मदद करने वाली हैं।

संतुलित दिनचर्या की अहमियत: यह त्यौहार न केवल हमारे रहन-सहन, खान-पान और दिनचर्या में बदलाव लेकर आता है बल्कि सेहत के लिए भी कई संदेश लिए है। गुनगुनी धूप वाली इस रुत में हमारी दिनचर्या ही बदल जाती है। यह पर्व प्रकृति के जरिए स्वास्थ्य को सहेजने की सीख देता है। मकर संक्रांति पर सूर्य के उत्तर दिशा में जाने से दिन बड़े होने लगते हैं और इसी के साथ वसंत ऋतु का भी आगमन होता है। मकर-संक्रांति से प्रकृति भी करवट बदलती हैं। ऊर्जा और उजास का यह पर्व, मौसम के बदलाव संग सामंजस्य बनाते हुए अनुशासित जीवन जीने की सीख देता है। वैज्ञानिक अध्ययन और चिकित्सकों की सलाह भी तन-मन को सहेजने के लिए संतुलित दिनचर्या को सबसे जरूरी बताते हैं।

धूप की जरूरत पर ध्यान: इस पर्व पर पतंग उड़ाने की परंपरा है। यह केवल मनोरंजन भर नहीं है। पतंग उड़ाने की यह रीत सेहत से भी जुड़ी है। खुले आसमान तले छत पर या मैदान में पतंग उड़ाना और सूर्य की किरणों का सीधे हमारे शरीर के संपर्क में आना भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। अब तो वैज्ञानिक भी इस बात की पुष्टि कर चुके हैं कि धूप में बैठने से शरीर को विटामिन-डी मिलता है। कई तरह के कीटाणु खत्म होते हैं और मन भी अवसाद से दूर रहता है। नींद अच्छी आती है। ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है, जिससे शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। यह प्राकृतिक उजास समग्र जीवन को संवारती है। मनोभावों में संतुलन लाती है। अवसाद और थकान को दूर कर ऊर्जावान जीवनचर्या से जोड़ती है।

मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल: सर्दियों का मौसम एक ठहराव लाता है। इसमें मन-अनमना सा रहता है। संक्रांति पर्व से मौसम का बदलाव और खिली धूप की रंगत मन को सुकून देती है। उत्तरायण में सूर्य के होने से व्यक्ति में नई ऊर्जा का संचार होता है। इस समय खिली धूप से मन को सकारात्मकता की उजास मिलती है। सूरज की किरणें पड़ने पर अच्छा महसूस कराने वाले हार्मोन, सेरोटोनिन और एंडोर्फिन का स्राव बढ़ता है। जिससे हमारे मन को खुशनुमा अहसास की सौगात मिलती है।

खान-पान से बढ़े इम्यूनिटी: देश भर में लोग मकर संक्रांति के त्यौहार पर तिल, मूंगफली, गुड़, चावल और उड़द की दाल जैसी चीजों का सेवन करते हैं। इन सभी चीजों में सबसे ज्यादा महत्व तिल को दिया जाता है। जो शरीर को निरोग रखता है। इस पर्व पर जिन चीजों को खाने में शामिल किया जाता है, वे पौष्टिक होने के साथ ही साथ शरीर को ऊर्जा देने वाले और रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले हैं। समझना मुश्किल नहीं कि सांस्कृतिक विरासत ही नहीं सेहतमंद रहने के मोर्चे पर भी यह त्योहार बहुत महत्वपूर्ण है। a

सर्दियों में जब करना हो ड्राई स्किन पर मेकअप

मेकअप

सरिता गुप्ता

सर्दी के मौसम में अधिकतर लोग स्किन पर ड्राईनेस की समस्या से परेशान रहते हैं। ऐसे में ड्राई स्किन पर मेकअप करने के बाद भी ग्लो नहीं आ पाता है। इसलिए मेकअप को अट्रैक्टिव बनाने के लिए स्किन का ध्यान रखना बेहद जरूरी हो जाता है। अगर आपकी भी स्किन ड्राई है तो मेकअप करने से पहले कुछ आसान टिप्स अपनाकर चार्मिंग मेकअप लुक पा सकती हैं।

यूज करें फेस वॉश: ड्राई स्किन होने के कारण कुछ लोग सर्दियों में फेस वॉश लगाना कम कर देते हैं, लेकिन आप ऐसा बिल्कुल न करें क्योंकि फेस को क्लीन करना बहुत जरूरी होता है। खासतौर पर मेकअप करने से पहले फेस वॉश करना न भूले। ड्राईनेस कम करने के लिए आप हाइड्रेटिंग या वाटर बेस्ड फेस वॉश यूज कर सकती हैं।

स्किन पर करें मसाज: आपने नोटिस किया होगा कि ड्राई स्किन पर कई बार मेकअप के बाद क्रैक दिखने लगते हैं, जिससे स्किन सुंदर दिखने की बजाय पैची दिखने लगती हैं। ऐसे में आप जब भी मेकअप करें, उससे पहले किसी अच्छे मॉइश्चराइजर से हल्की-सी मसाज कर लें। मसाज के बाद फेस को हाथों से थपथपा लें। इससे चेहरे का ब्लड सर्कुलेशन अच्छा हो जाता है और स्किन सॉफ्ट हो जाती है। ऐसा करने से मेकअप अच्छी तरह सेट हो जाता है और स्किन ड्राई नहीं रहती है। इससे मेकअप अपीलिंग दिखता है।

लिक्विड फाउंडेशन-प्राइमर: विंटर सीजन में ड्राई स्किन पर हमेशा मसाज के बाद प्राइमर जरूर लगाएं। फिर क्रीमी लिक्विड फाउंडेशन का यूज करें। इससे आपकी स्किन ग्लो करने लगेगी और उस पर जब आप मेकअप करेंगी तो अच्छा रिजल्ट दिखेगा।

मेकअप प्रोडक्ट हों ग्लासी: विंटर सीजन में स्किन ड्राईनेस को देखते हुए ग्लासी मेकअप करना अच्छा ऑप्शन है। मेकअप प्रोडक्ट्स में विटामिन-ई, विटामिन-ए, विटामिन-सी और एंटी ऑक्सीडेंट्स होने चाहिए। कंसीलर और फाउंडेशन भी विटामिन-सी और विटामिन-ई युक्त होने चाहिए। इनसे स्किन ज्यादा ग्लो करती है और मेकअप भी निखर उठता है।

लूज पावडर यूज ना करें: विंटर सीजन में मेकअप करने के दौरान ड्राई स्किन पर लूज पावडर का यूज बिल्कुल न करें, इससे आपका फेस और भी ड्राई नजर आने लगेगा। ये आपके मेकअप का सारा लुक खराब कर सकता है। इसलिए विंटर सीजन में लूज पावडर को अवॉइड करना सही होगा। a

(मेकअप आर्टिस्ट ममता खन्ना से बातचीत पर आधारित)

डिजिटल अरेस्ट से रहें सावधान

हाल के वर्षों में ऑनलाइन फ्रॉड के नए तरीके डिजिटल अरेस्ट के मामले अकसर देखने-सुनने को मिलने लगे हैं। इसमें जरा सी असावधानी से आपको भारी आर्थिक नुकसान हो सकता है। इससे बचने के लिए यहां बताई जा रही बातों का ध्यान रखें।

एलर्टनेस

प्रेमलता यदु

आज डिजिटलाइजेशन का दौर है। डिजिटलाइजेशन के अनेक फायदे हमें हमारे रोजमर्रा के जीवन में देखने को मिलते हैं। जैसे अब हमें अपने साथ कैश लेकर चलने की जरूरत नहीं होती। हर छोटे से लेकर बड़े दुकानदार, यहां तक कि सड़क पर सामान बेच रहे गुमटी वालों के पास भी यूपीआई पेमेंट की सुविधा होती है, जिससे सेकेंडों में पेमेंट बड़ी ही आसानी से हो जाती है। इतनी सुविधाओं के बावजूद कई बार इससे नुकसान भी हमें उठाना पड़ सकता है, जब हम उनका उपयोग सावधानीपूर्वक नहीं करते हैं या उपयोग करते हुए लापरवाही बरतते हैं। ऑनलाइन क्राइम्स में से एक डिजिटल अरेस्ट भी है। इसके बारे में आपको जरूर जानना चाहिए।

क्या है डिजिटल अरेस्ट : डिजिटल अरेस्ट एक डिजिटल स्कैम है, जिसके जरिए अपराधी, लोगों को डराकर लाखों-करोड़ों रुपए लूट लेते हैं। इसमें फोन करने वाला व्यक्ति कभी पुलिस, कभी सीबीआई, कभी आरबीआई, कभी नारकोटिक्स ब्यूरो के अधिकारी तो कभी इनकम टैक्स या एटीएस अधिकारी बनकर वाट्सएप या स्काइप कॉल करता है। वो कुछ इस तरह से बात करता है कि असली अधिकारी लगता है। यहीं से डिजिटल अरेस्ट का खेल शुरू होता है। वे लोग व्यक्ति को मेंटली डराते-धमकाते हैं। वे कॉल पर कनेक्ट व्यक्ति को इस बात का यकीन दिलाते हैं कि उनके साथ या उनके परिजनों के साथ बहुत बुरा हो सकता है क्योंकि वे ड्रग्स, मनी लांड्रिंग, अवैध पार्सल, सेक्स रैकेट या फिर किसी ऐसे मामले में फंस गए हैं, जिस वजह से उन पर कानूनी कार्यवाही होना निश्चित है। ऐसे में ज्यादातर लोग डर जाते हैं, उनके जाल में फंसते चले जाते हैं और फिर जैसे-जैसे वे कहते हैं, वो करने लगते हैं। इसे ही कहते हैं डिजिटल अरेस्ट।

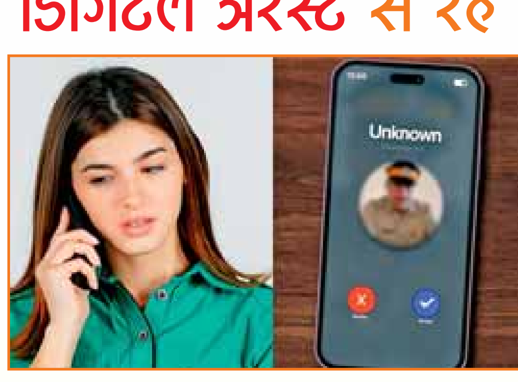

डिजिटल अरेस्ट से बचने के तरीके : कुछ बातों का ध्यान रखकर और कुछ जरूरी सावधानियां बरतकर आप बहुत हद तक स्वयं को डिजिटल अरेस्ट से बचा सकती हैं।

अननोन कॉल्स को इग्नोर करें: जब भी किसी अननोन नंबर या मेल आईडी से कॉल या ई-मेल के जरिए संदेश आए कि आप या आपके परिजन ड्रग्स, मनी लांड्रिंग, सेक्स स्कैंडल या चोरी जैसे आपराधिक मामले में लिप्त पाए गए हैं या जांच के दायरे में आ रहे हैं तो ऐसे कॉल या ई-मेल की ओर ध्यान न दें, उसे इग्नोर करें। रिप्लाई तो बिल्कुल न करें। हमेशा याद रखें, किसी भी एफआईआर या अपराधिक मामले पर ऑनलाइन कार्यवाही नहीं की जाती है।

बिल्कुल न डरें-न घबराएं: साइबर ठग अकसर आपके डर और घबराहट का ही फायदा उठाते हैं। वे इस बात की धमकी देते हैं कि आप पर या आपके परिजनों पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी, गिरफ्तारी की जाएगी ऐसी बातों से न डरें, न ही घबराएं और न ही किसी प्रकार की कोई ओटीपी, अपना बैंक डिटेल या यूपीआई डिटेल शेयर करें।

निजी जानकारी देने से बचें: किसी भी अनजान नंबर से आए कॉल या विडियो कॉल पर बातचीत के दौरान पूछे गए सवालों के उत्तर देने की जल्दबाजी न करें। केवल सुनें और शांत रहें। किसी भी तरह की निजी जानकारी देने से बचें। जरा भी शक होने पर तुरंत फोन काट दें, अनजान नंबरों से आने वाली कॉल पर लंबी बातचीत करने से बचें।

शिकायत दर्ज करवाने में न करें देर: किसी भी प्रकार के फ्रॉड कॉल या वीडियो कॉल के शिकार होने पर चुप न बैठें। सरकारी पोर्टल चक्षु पर या हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत अवश्य दर्ज कराएं। याद रखें किसी भी प्रकार के आपराधिक मामले में डिजिटल अरेस्ट का कोई प्रावधान नहीं है। इसलिए सतर्क रहें और सुरक्षित रहें। a

आस्ट्रेलिया दौरे में लचर प्रदर्शन के कारण लगाई जा रही अटकलें

विराट और रोहित को अपना भविष्य खुद तय करने दीजिए : कपिल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में लचर प्रदर्शन के बाद कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी विराट कोहली के भविष्य को लेकर अटकलें लगायी जा रही हैं लेकिन भारत के पूर्व महान हरफनमौला कपिल देव ने कहा कि ये दोनों इतने बड़े खिलाड़ी हैं कि अपने भविष्य को लेकर फैसला खुद कर सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कोहली नौ पारियों में एक शतक के साथ 190 रन ही बना सके और बार बार ऑफ स्टम्प से बाहर जाती गेंद पर कैच देकर आउट हुए। कप्तान रोहित शर्मा के आंकड़े यहां और खराब रहे और वह तीन मैचों की पांच पारियों में महज 31 रन ही बना सके। वह खराब फॉर्म के कारण पांचवें टेस्ट मैच से बाहर थे।

सुपरस्टार प्रवृत्ति को पीछे छोड़ने की बात उठ रही

भारतीय टीम को अपना अगला टेस्ट इस साल जून में इंग्लैंड दौरे पर खेलना है लेकिन भारतीय क्रिकेट जगत में 'सुपटस्टार' संस्कृति को पीछे छोड़ने की बात उठ रही है। भारत के पूर्व महान खिलाड़ी कपिल देव से जब इन खिलाड़ियों के भविष्य के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, '' विराट और रोहित बहुत बड़े खिलाड़ी है और खेल में अपने भविष्य का फैसला उन्हें खुद करने दीजिये।''

कप्तान को पूरा समय मिलना चाहिए

रोहित की जगह टीम में कप्तान के दावेदारों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, '' इस में किसी तरह का विवाद नहीं होना चाहिये, जो मौजूदा कप्तान है वह भी किसी की जगह आये थे। जो भी कप्तान हो उसे पूरा समय मिलना चाहिये।' भारतीय टीम को इस दौरे पर बल्लेबाजों के साथ-साथ गेंदबाजों ने भी निराश किया।

अन्य गेंजबाज प्रभावित करने में विफल

जसप्रीत बुमराह के अलावा कोई भी अन्य गेंदबाज प्रभावित करने में विफल रहा। बुमराह भी पांचवें टेस्ट में चोटिल होने के कारण दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर सके जिससे ऑस्ट्रेलिया के लिए छोटा लक्ष्य हासिल करना काफी आसान हो गया। बुमराह ने इस दौरे पर लगभग 150 ओवर गेंदबाजी कर 32 विकेट झटके।

बुमराह अलग तरह की एक्शन के कारण चोटिल हो रहे

कपिल ने 1991-92 के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 284 ओवर गेंदबाजी की थी लेकिन बुमराह अपने अलग तरह के एक्शन के कारण जल्दी चोटिल हो गये। टीम को इस दौरे पर चोटिल मोहम्मद शमी की भी कमी खली। भारत को 1-3 से हार का सामना करना पड़ा।

खेल में तुलना करना ठीक नहीं

कपिल ने अपनी गेंदबाजी से मौजूदा गेंदबाजों की तुलना करना सही नहीं समझा। उन्होंने ने पीजीटीआई के नये सत्र की घोषणा के लिए आयोजित कार्यक्रम में सवाल पर कहा, '' खेल में तुलना करना ठीक नहीं है। दो अलग-अलग दौर के खिलाड़ियों की तुलना नहीं की जानी चाहिए। आज के दौर में खिलाड़ी एक दिन में 300 रन बना लेते है लेकिन हमारे जमाने में ऐसा नहीं होता था।''

जायसवाल व पंत पर टिप्पणी से बचे कपिल

इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की आगामी श्रृंखला के लिए भारत की टी20 टीम में यशस्वी जायसवाल और ऋषभ पंत जैसे आक्रामक बल्लेबाजों को शामिल नहीं करने पर कपिल ने कहा, '' मैं दूसरों के फैसले के बारे में कुछ नहीं कहना चाहता हूं, चयनकर्ताओं ने कुछ सोच समझ कर टीम का चयन किया है। मैं कुछ कहूंगा तो शायद उनकी आलोचना करना होगा। मैं आलोचना नहीं करना चाहता हूं।''

सितारों से सजे इंडिया ओपन सुपर 750 बैंडमिंटन की आज से शुरुआत

इंडिया ओपन : भारत ने सबसे बड़ा दल उतारा, नजरें सात्विक और चिराग पर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने मंगलवार से यहां शुरू हो रहे सितारों से सजे इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में अपना सबसे बड़ा दल उतारा है लेकिन नजरें कुछ जाने पहचाने नामों खासकर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पर लगी होंगी।

भारतीय खिलाड़ियों को पिछले दो सत्रों से इस टूर्नामेंट में सफलता नहीं मिली है। भारत का 21 सदस्यीय दल इस कमी को पूरा करने के साथ छह महीने पहले पेरिस ओलंपिक में खराब प्रदर्शन के बाद अपनी गलतियों को सुधारने के इरादे से उतरेगा। भारत को सात्विक और चिराग से काफी अपेक्षायें हैं चूंकि दुनिया की पूर्व नंबर एक पुरूष युगल टीम ने 2022 इंडिया ओपन जीता था और 2025 सत्र में पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचकर अच्छी शुरूआत की। टूर्नामेंट में दुनिया के शीर्ष 20 पुरूष एकल खिलाड़ियों में से 18 और महिला एकल में 14 शीर्ष खिलाड़ी भाग ले रही हैं। पेरिस ओलंपिक की निराशा के बावजूद चिराग और सात्विक पिछले दो साल में भारत के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ी रहे हैं। चाइना मास्टर्स 2024 सेमीफाइनल खेल चुके सात्विक और चिराग का सामना पहले दौर में मलेशिया के वेइ चोंग मैन और केइ वुन ती से होगा।

सात्विक व चिराग को मिलेगी कड़ी चुनौती

दोनों ही खिलाड़ियों को चीन के ओलंपिक रजत पदक विजेता लियांग वेइकेंग और वांग चांग, पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूइ यिक, डेनमार्क के किम एस्ट्रूप और एंडर्स रासमुसेन और इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मुहम्मद रियान अर्डियांटो से कड़ी चुनौती मिलेगी।

विवाह के कारण मलेशिया मास्टर्स से बाहर रही

इस साल भारत से 21 प्रविष्टियां मिली है जिसमें दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू शामिल है। सिंधू अपने विवाह के कारण मलेशिया मास्टर्स से बाहर रहने के बाद वापसी कर रही हैं। हैदराबाद की 29 वर्ष की सिंधू ने सैयद मोदी इंटरनेशनल खिताब जीता था लेकिन उसमे अधिकांश भारतीय खिलाड़ी ही खेले थे।

सिंधू का सामना उपाध्याय से होगा

सिंधू का सामना पहले दौर में अनुपमा उपाध्याय से होगा। वह आगे जापान की तोमोका मियाजाकी से खेल सकती है जिसने उन्हें पिछले साल स्विस ओपन में हराया था। सैयद मोदी खिताब जीतने वाले लक्ष्य सेन मलेशिया में शुरूआती दौर में ही बाहर हो गए थे। यहां तीन साल पहले खिताब जीत चुके लक्ष्य का सामना पहले दौर में चीन के होंग यांग वेंग से होगा।

पहली बार छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय स्तर का होगा गोल्फ टूर्नामेंट

नई दिल्ली। भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर (पीजीटीआई) के नये सत्र के शुरुआती छह महीने में चार नये टूर्नामेंटों को शामिल किया गया है जिससे खिलाड़ियों को देश में फरवरी से अप्रैल 2025 के बीच 11 टूर्नामेंटों में खेलने का मौका मिलेगा। इन टूर्नामेंटों की कुल इनामी राशि 15.66 करोड़ रुपये हैं। पीजीटीआई ने सोमवार को नये सत्र के शुरुआती छह महीने के कार्यक्रम की घोषणा की जहां छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव, पीजीटीआई के अध्यक्ष कपिल देव और आगामी सत्र के प्रयोजक मौजूद थे। पीजीटीआई सत्र का आगाज 11 से 14 फरवरी तक कोलकाता में टाटा स्टील पीजीटीआई प्लेयर्स चैंपियनशिप से होगा। इस दौरान पहली पर छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय स्तर के किसी गोल्फ टूर्नामेंट का आयोजन होगा। राज्य की राजधानी रायपुर के 'फेयरवे गोल्फ एवं लेक रिजॉर्ट' में सत्र के तीसरे टूर्नामेंट का आयोजन 25 से 28 फरवरी तक होगा। इस मौके पर पीजीटीआई के अध्यक्ष और भारत के पूर्व महान क्रिकेट खिलाड़ी कपिल देव ने कहा, '' मुझे खुशी है कि आगामी सत्र में नये टूर्नामेंटों के जरिये खिलाड़ियों को खुद को साबित करने का अधिक मौका मिलेगा।

भोपाल सहकारी दुग्ध संघ मर्यादित
(म.प्र. सहकारी सोसायटीज अधिनियम 1960 के अधीन पंजीकृत)
भोपाल डेयरी प्लांट, हबीबगंज, भोपाल - 462024 म.प्र. (भारत)
फोन : (PBX) 0755-2478250, 51, 53, फैक्स : 0755-2450896
E-mail : bsdsim@gmail.com, sanchi.bhopal@gmail.com
क्रमांक : 306/भोदुसं/प्रशा./25 दिनांक : 13.01.2025

जाहिर सूचना

भोपाल सहकारी दुग्ध संघ के सीधी भर्ती के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल, भोपाल द्वारा समूह 3 के अंतर्गत आयोजित **संयुक्त भर्ती परीक्षा 2024 के परीक्षा परिणाम के आधार पर चयनित** अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन **दिनांक 15.01.2025 को** किया जाना है। उक्त दस्तावेज सत्यापन की सूचना चयनित अभ्यर्थियों को उनके निवास स्थान के पते पर रजिस्टर्ड डाक से प्रेषित की गई है, साथ ही भोपाल सहकारी दुग्ध संघ की वेबसाइट **www.sanchibhopal.com** एवं एमपीसीडीएफ की वेबसाइट **www.sanchidairy.com** पर भी दस्तावेज सत्यापन की सूचना अपलोड कर संबंधितों को सूचित किया जा चुका है।

अत: चयनित अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि दस्तावेज सत्यापन में वेबसाइट पर अपलोड जीवन वृत्त (बायोडाटा) को दो प्रतियों में पूर्ण रूप से भरकर आपके द्वारा आवेदित पद हेतु प्रस्तुत आवेदन में उल्लेखित शैक्षणिक योग्यता, जन्मतिथि, जाति प्रमाण-पत्र/ईडब्ल्यूएस प्रमाण-पत्र, भूतपूर्व सैनिक/विकलांग प्रमाण-पत्र, स्थायी निवासी प्रमाण-पत्र, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन, फोटोयुक्त आईडी आदि दस्तावेजों का मूल दस्तावेजों से मिलान/सत्यापन कराने हेतु **दिनांक 15.01.2025 को प्रात: 11.00 बजे एम.पी. स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड में स्थित भोपाल सहकारी दुग्ध संघ के प्रशिक्षण केन्द्र, आईएसबीटी के सामने, हबीबगंज, भोपाल** में उक्त वांछित मूल दस्तावेजों, उनकी छायाप्रतियों (दो सेट) एवं पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो (दो प्रति) सहित स्वयं उपस्थित होवें। निर्धारित दिनांक एवं समय पर समस्त वांछित दस्तावेजों के साथ उपस्थित न होने की स्थिति में आपकी उम्मीदवारी निरस्त कर दी जावेगी जिसके लिए आप स्वयं जिम्मेदार होंगे।

म.प्र. माध्यम/118290/2025 **प्रभारी प्रशासन**

कार्यालय नगरपालिका परिषद, बिजुरी जिला- अनूपपुर (म.प्र.)
Phone/Fax: 07658-264242 , E-Mail- cmobijuri@mpurban.gov.in
पत्र क्र. 4788/न.पा./लो.नि./2024 बिजुरी दिनांक-10/01/2025

ई-निविदा सूचना

एतद् द्वारा मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग मे केन्द्रीकृत प्रणाली के अन्तर्गत पंजीकृत ठेकेदारों फर्म को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित कार्य की निकाय द्वारा ई-निविदा आमंत्रित की गई है।

क्र.	ई-निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	आनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6	7
01.	2025_UAD_394277_1	11 KV FEEDER EXTENSION WORK AT MINUS COLONY AT WARD NO 03	6.84 लाख	6849.00	2000.00	09-01-2025 (17:30 HRS)

1. निविदा प्रस्तुत करने संबंधी सभी जानकारी वेब साईट (https://mptenders.gov.in) में नि:शुल्क देखी व प्राप्त की जा सकती है।(2) बिड प्रस्तुतीकरण (ऑनलाईन) तिथि एवं अन्य जानकारी BID DATA SHEET व " KEY DATES" में देखी जा सकती है।(3) निविदा के किसी भी प्रकार का संशोधन का प्रकाशन केवल बेबसाईट में किया जावेगा, समाचार पत्र में नहीं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् बिजुरी
जिला - अनूपपुर (म.प्र.)

अतीत से भविष्य के लिए प्रेरणा लेती हूं : सिंधू

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधू जब अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाती हैं तो अतीत की अपनी कामयाबियों से भविष्य में नयी ऊंचाइयों को छूने की प्रेरणा लेती हैं। 29 वर्ष की सिंधू ने लगभग हर ट्रॉफी और पदक जीता है। वह दो व्यक्तिगत ओलंपिक पदक जीतने वाले चार भारतीय खिलाड़ियों (सुशील कुमार, नीरज चोपड़ा और मनु भाकर) में से है। वह विश्व चैम्पियन रही हैं और एशियाई खेलों तथा राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीते हैं। पिछले सत्र में वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता को दोहरा नहीं सकी।

सम्मान से बढ़ा आत्मविश्वास

उन्होंने कहा, '' उसके बाद से मेरा जीवन ही बदल गया और अभी तक मुझे काफी पुरस्कार, सम्मान मिले जिससे मेरा आत्मविश्वास बढा। मैने जो कुछ हासिल किया, उसके लिये कृतज्ञता है और जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं तो कह सकती हूं कि मैं जो कर सकती थी, मैने किया।''

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन) लोक निर्माण विभाग,
सिविल लाईन गणेश चौक कटनी जिला कटनी (म.प्र.) 483501
दूरभाष नंबर:- 07622-401753 ई-मेल आई.डी.- dpepiukatni@gmail.com

एन.आई.टी. नंबर-01/2025 / केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/सा/मु.अ.(भ) दिनांक- 07.01.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है:

स. क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रू. लाख में)	अमानत राशि (ई.एम.डी.) (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में)	कार्यालय का नाम जहां ईएमडी एवं तकनीकी बिड आनलाईन प्राप्त की जावेगी।
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	2024_PWPIU_384564_1	जिला कटनी के शास.कन्या हायर सेके.स्कूल उमरियापान में 03 नग लैब एवं 04 नग अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	कटनी	99.36	99400.00	10000.00	टेण्डर डाक्यूमेंट के अनुसार	10 माह वर्षा-काल सहित	मुख्य अभियंता (भवन) लोक निर्माण विभाग साउथ सिविल लाईन जबलपुर (म.प्र.)
2	2024_PWPIU_384565_1	जिला कटनी के शास. हायर सेके. स्कूल एन.के.जे. में 03 नग लैब एवं 04 नग अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	कटनी	99.36	99400.00	10000.00	टेण्डर डाक्यूमेंट के अनुसार	10 माह वर्षा-काल सहित	मुख्य अभियंता (भवन) लोक निर्माण विभाग साउथ सिविल लाईन जबलपुर (म.प्र.)
3	2024_PWPIU_384567_1	जिला कटनी के शास. हायर सेके. स्कूल पहारूआ में 03 नग लैब एवं 04 नग अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	कटनी	99.36	99400.00	10000.00	टेण्डर डाक्यूमेंट के अनुसार	10 माह वर्षा-काल सहित	मुख्य अभियंता (भवन) लोक निर्माण विभाग साउथ सिविल लाईन जबलपुर (म.प्र.)
4	2024_PWPIU_384568_1	शास. हाई स्कूल भवन पाकर, जिला कटनी का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	कटनी	112.10	112100.00	12500.00	टेण्डर डाक्यूमेंट के अनुसार	12 माह वर्षा-काल सहित	मुख्य अभियंता (भवन) लोक निर्माण विभाग साउथ सिविल लाईन जबलपुर (म.प्र.)
5	2024_PWPIU_384569_1	शास. हाई स्कूल भवन पौड़ी, जिला कटनी का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	कटनी	112.10	112100.00	12500.00	टेण्डर डाक्यूमेंट के अनुसार	12 माह वर्षा-काल सहित	मुख्य अभियंता (भवन) लोक निर्माण विभाग साउथ सिविल लाईन जबलपुर (म.प्र.)
6	2024_PWPIU_384570_1	शास. हाई स्कूल भवन चाका, जिला कटनी का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	कटनी	112.10	112100.00	12500.00	टेण्डर डाक्यूमेंट के अनुसार	12 माह वर्षा-काल सहित	मुख्य अभियंता (भवन) लोक निर्माण विभाग साउथ सिविल लाईन जबलपुर (म.प्र.)
7	2024_PWPIU_384571_1	शास. हाई स्कूल भवन गनयारी, जिला कटनी का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	कटनी	112.10	112100.00	12500.00	टेण्डर डाक्यूमेंट के अनुसार	12 माह वर्षा-काल सहित	मुख्य अभियंता (भवन) लोक निर्माण विभाग साउथ सिविल लाईन जबलपुर (म.प्र.)
8	2024_PWPIU_384572_1	शास. हाई स्कूल भवन कुठला, जिला कटनी का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	कटनी	112.10	112100.00	12500.00	टेण्डर डाक्यूमेंट के अनुसार	12 माह वर्षा-काल सहित	मुख्य अभियंता (भवन) लोक निर्माण विभाग साउथ सिविल लाईन जबलपुर (म.प्र.)
9	2024_PWPIU_384573_1	शास. हाई स्कूल भवन मोहास नं.-1, जिला कटनी का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	कटनी	112.10	112100.00	12500.00	टेण्डर डाक्यूमेंट के अनुसार	12 माह वर्षा-काल सहित	मुख्य अभियंता (भवन) लोक निर्माण विभाग साउथ सिविल लाईन जबलपुर (म.प्र.)
10	2024_PWPIU_384575_1	शास. हाई स्कूल भवन नवीन बुजबुजा, जिला कटनी का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	कटनी	112.10	112100.00	12500.00	टेण्डर डाक्यूमेंट के अनुसार	12 माह वर्षा-काल सहित	मुख्य अभियंता (भवन) लोक निर्माण विभाग साउथ सिविल लाईन जबलपुर (म.प्र.)
11	2024_PWPIU_384650_1	जिला कटनी के बड़वारा में 100 सीटर के. जी. व्ही. बी. टाईप-3, छात्रावास का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	कटनी	206.87	206870.00	15000.00	टेण्डर डाक्यूमेंट के अनुसार	18 माह वर्षा-काल सहित	मुख्य अभियंता (भवन) लोक निर्माण विभाग साउथ सिविल लाईन जबलपुर (म.प्र.)
12	2024_PWPIU_384651_1	जिला कटनी के ढीमरखेड़ा में 100 सीटर के.जी.व्ही.बी. टाईप-3, छात्रावास का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	कटनी	206.87	206870.00	15000.00	टेण्डर डाक्यूमेंट के अनुसार	18 माह वर्षा-काल सहित	मुख्य अभियंता (भवन) लोक निर्माण विभाग साउथ सिविल लाईन जबलपुर (म.प्र.)
13	2024_PWPIU_384636_1	जिला कटनी के शेष कार्यो हेतु जोनल निविदा का कार्य (प्रथम आमंत्रण)	कटनी	100.00	100000.00	10000.00	टेण्डर डाक्यूमेंट के अनुसार	12 माह वर्षा-काल सहित	मुख्य अभियंता (भवन) लोक निर्माण विभाग साउथ सिविल लाईन जबलपुर (म.प्र.)

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट बेवसाईट https://mptenders.gov.in/nicgep/app पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन-लाईन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑन-लाईन दिनांक 13.01.2025 (समय सुबह 9:00) से दिनांक 25.01.2025 तक (समय शाम 6:00) खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी बेबसाईट पर देखी जा सकती है।
4. मूल अमानत राशि एवं तकनीकी बिड केवल ऑनलाईन दिनांक 25.01.2025 को सायंकाल 06:00 बजे तक प्राप्त किये जावेंगे।
5. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त बेवसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

G-21567/24 दुर्घटना से दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

कार्यपालन यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग कटनी (म.प्र.)

कार्यालय नगरपालिका परिषद, गाडरवारा जिला- नरसिंहपुर (म.प्र.)
(Near Water Tank, Gadarwara, E-Mail- cmogadarwara@mpurban.gov.in
पत्र क्रं 1235/ई-टेण्डर/2024-25 गाडरवारा दिनांक-13/01/2025

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केंद्रीकृत प्रणाली से पंजीकृत ठेकेदारो से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

सं. क्र.	टेण्डर क्र. जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एव ईएमडी	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
01.	2025_UAD_395146_1 13.01.2025	निकाय हेतु निर्माण सामग्री प्रदाय कार्य।	12 माह 990000.00	2000.00 9900.00	31.01.2025
02.	2025_UAD_395147_1 13.01.2025	निकाय हेतु किराये पर मशीनरी उपलब्ध कराने का कार्य।	12 माह 980000.00	2000.00 9800.00	31.01.2025

नोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से सामाचार पत्र में प्राकशन नहीं किया जायेगा।

श्री पं. शिवाकांत मिश्रा, अधयक्ष, नगर पालिका परिषद, गाडरवारा
श्री सुरेन्द्र गूजर, सभापति, लोक निर्माण शाखा, गाडरवारा
श्री वैभव देशमुख, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद, गाडरवारा

शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र गढी, जिला- बालाघाट म.प्र.

क्र. 184 **निविदा विज्ञप्ति** दिनांक 12.12.2024

संचालनालय पशु पालन एवं डेयरी विभाग, मध्य प्रदेश की ओर से शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र गढी, जिला - बालाघाट म.प्र. पर गेहूँ का नया भूसा प्रदाय हेतु e-procurement प्रणाली Portal http://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

स. क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	विवरण	ऑनलाईन निविदा प्रपत्र क्रय करने का दिनांक	निविदा राषि रू.	धरोहर (ई.एम.डी.) राषि रू.	निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6	7
1	NIT No. JDVS JBP 11/2024	शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र. गढी, जिला-बालाघाट म. प्र. पर अच्छी किस्म का गेहूँ का भूसा प्रदाय एवं कम्प्युट्रीकृत इलेक्ट्रानिक तौल काटा पर तुलाई परिवहन व गोदाम में भण्डारण सहित हेतु निविदा आमंत्रण	21/01/2025	2000.00 (प्रोसेसिंग फीस)	रू.20,000.00 (रू. बीस हजार)	12/02/2025 शाम 05.00 बजे तक

1. निविदा प्रपत्र उक्त बेवसाईट पर ऑनलाईन भुगतान कर प्राप्त किये जा सकते हैं।
2. निविदा संबंधी समस्त जानकारी बेवसाईट पर अथवा कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती हैं।
3. निविदा का अनुमानित मूल्य रू. 10 लाख मात्र है।

G-21562/24 दुर्घटना से दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

प्रबंधक
शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र गढी
जिला - बालाघाट, म.प्र.

अतिथि शिक्षकों की शिकायत दो माह में दूर करें : हाईकोर्ट

हरिभूमि जबलपुर।

हाई कोर्ट ने चार याचिकाओं का इस निर्देश के साथ पटाक्षेप कर दिया कि अतिथि शिक्षकों की शिकायत दो माह में दूर करें। मामला पूर्व से कार्यरत अतिथि शिक्षकों के स्थान पर नए अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति को चुनौती से संबंधित था।

न्यायमूर्ति विवेक जैन की एकलपीठ के समक्ष याचिकाकर्ता डिंडौरी निवासी लखन लाल साहू, सुदेश साहू, दीप साहू सहित अन्य की ओर से अधिवक्ता सत्येंद्र ज्योतिषी व विशाल यादव ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता पांच से 10 वर्ष से डिंडौरी जिले के मेंहदवानी कठौतिया ब्लाक के स्कूलों में कार्यरत हैं। 2024-25 में नियमविरुद्ध तरीके से उनके स्थान पर अन्य अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति कर दी गई। जबकि नियमानुसार पूर्व से कार्यरत अतिथि शिक्षकों के स्थान पर नए अतिथि शिक्षक नियुक्त नहीं किए जा सकते। इस सिलसिले में सुप्रीम कोर्ट का मनीष गुप्ता व अन्य विरुद्ध जनभागीदारी समिति वाला न्यायदृष्टांत मार्गदर्शी है। इसी आधार पर नई नियुक्तियों का विरोध किया गया। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसीलिए हाई कोर्ट आना पड़ा।

सेवानिवृत्त पंचायत सचिव को 60 दिन में करें सभी भुगतान, हाईकोर्ट का राहतकारी आदेश

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति द्वारिकाधीश बंसल की एकलपीठ ने सेवानिवृत्त ग्राम पंचायत सचिव के हक में राहतकारी आदेश पारित किया। इसके अंतर्गत 60 दिन के भीतर सभी लाभों का भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दे दिया गया। याचिकाकर्ता दमोह निवासी शमीमा खान की ओर से दलील दी गई कि याचिकाकर्ता दमोह हटा अंतर्गत ग्राम पंचायत अमझर से 30 सितंबर, 2024 को सेवानिवृत्त हुई थी। इसके बावजूद उसे सेवानिवृत्ति पर अपेक्षित एकमुश्त तीन लाख रुपये का अब तक भुगतान नहीं किया गया। जबकि मध्य प्रदेश शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्रालय के आदेश में स्पष्ट उल्लेख के अनुरूप राशि दे दी जानी चाहिए। इसी तरह 240 दिन के अर्जित अवकाश का मध्य प्रदेश राजपत्र में स्पष्ट उल्लेखन होने के बाद भी भुगतान रोका गया है। कई बार अभ्यावेदन देने पर भी कोई नतीजा नहीं निकला। इसीलिए हाई कोर्ट आना पड़ा। जिला पंचायत, दमोह के चक्कर काटते-काटते याचिकाकर्ता हलकान हो गई। सीईओ को आवेदन देने पर भी प्रति उत्तर नहीं मिला। इससे साफ है कि दुर्भावना बरती जा रही है। हाई कोर्ट ने तर्क से सहमत होकर राहतकारी आदेश सुना दिया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240